मोहन भागवत ने कहा कि - पीओके भारत का एक कमरा, उसे वापस लेकर रहेंगे - 12

आर्थिक आंकड़े शेयर बाजार को करेंगे प्रभावित - 12

पोर्टलैंड में नेशनल गार्ड तैनात नहीं कर पाएंगे ट्रंप, कोर्ट ने लगाई रोक - 13

पाकिस्तान और भारत की महिला कप्तान ने नहीं मिलाया हाथ - 14

आज का मौसम
32.0° अधिकतम तापमान
22.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.08
सूर्यास्त 05.52

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष चतुर्दशी 12:24 उपरांत पूर्णिमा विक्रम संवत 2082

सोमवार, 6 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 317, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

दार्जिलिंग में भूस्खलन, 20 की मौत

उत्तर बंगाल में सड़कें-पुल ध्वस्त, 12 घंटों में 300 मिलीमीटर बारिश, सिक्किम से संपर्क टूटा

दार्जिलिंग, एजेंसी

पश्चिम बंगाल और सिक्किम में लगातार हो रही भारी बारिश ने तबाही मचा दी है। उत्तरी बंगाल में दार्जिलिंग में कई भूस्खलन हुए जिससे कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लापता हो गए। दार्जिलिंग जिले के मिरिक में लैंडस्लाइड से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है। कई जगह पुल टूट गए और सड़कों पर मलबा जम गया जिससे यातायात पूरी तरह बाधित है। सिक्किम से संपर्क टूट गया है।

एनडीआरएफ और जिला प्रशासन की रिपोर्ट के अनुसार, सरसली, जसबीरगांव, मिरिक बस्ती, धार गांव (मेची), नागराकाटा और मिरिक झील क्षेत्र से लोगों के मारे जाने की खबर है। दार्जिलिंग उपमंडल अधिकारी ने बताया कि पुलिस, स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रतिक्रिया टीम की मदद से बचाव और राहत अभियान जारी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पीड़ितों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। वह 6 अक्टूबर को उत्तर बंगाल का दौरा करेंगी और क्षेत्र की स्थिति का आकलन करेंगी, जहां बड़ी संख्या में पर्यटक भी प्रभावित हुए हैं। उत्तर बंगाल विकास मंत्री उदयन गुहा ने स्थिति को चिंताजनक बताया और रिपोर्ट का हवाला देते हुए मृतकों की संख्या 20 बताई।

गुहा ने कहा यह संख्या बढ़ भी सकती है। भूस्खलन के कारण मिरिक-सुखियापोखरी सड़क सहित प्रमुख मार्गों पर यातायात बाधित हो गया जबकि कई पहाड़ी बस्तियों की संचार लाइनें टूट गईं। यहां 12 घंटों में 300 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश हुई, जिससे कम से कम सात जगहों पर भयंकर बाढ़ और भूस्खलन हुआ। उन्होंने इस स्थिति की तुलना पिछले महीने त्योहारों के मौसम में कोलकाता में आई भीषण बाढ़ से की।

दार्जिलिंग में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के बाद राहत कार्य में जुटी प्रशासनिक टीम।

नेपाल और प. बंगाल को हरसंभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में जानमाल की हानि से बहुत दु:ख हुआ है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदना है। हम प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वहीं नेपाल में भारी बारिश के कारण हुई जान-माल की क्षति पर रविवार को दुख जताते हुए मोदी ने कहा कि एक मित्र पड़ोसी एवं सबसे पहले मदद देने वाले देश के रूप में भारत हर प्रकार की आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नेपाल में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन और बाढ़ में 51 की मौत

काठमांडू। पूर्वी नेपाल में विभिन्न स्थानों पर मूसलाधार बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ आई, जिसके कारण रविवार सुबह तक कम से कम 51 लोगों की मौत हो गई। कोशी प्रांत में इल्लम जिले के विभिन्न स्थानों पर कम से कम 37 लोगों की मौत हुई है। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) ने बताया कि इन 37 लोगों में से देउमाई और माईजोगमाई नगरपालिका क्षेत्रों में आठ-आठ लोगों की मौत हुई, इल्लम नगरपालिका और संदकपुर ग्रामीण नगरपालिका में छह-छह, मंगसेबुंग में तीन और फाकफोकथुम गांव में एक व्यक्ति की मौत हुई है। बाढ़ और भूस्खलन के कारण उदयपुर में दो और पंचथार में एक व्यक्ति की मौत हो गई। रौतहट में बिजली गिरने से तीन और खोतांग जिले में दो की मौत हो गई। इस बीच, पंचथार जिले में भारी बारिश के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त होने के कारण हुई एक दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई। रसुवा जिले के लांगटांग संरक्षण क्षेत्र में उफनती नदी में बह जाने से कम से कम चार लोग लापता हो गए।

बिहार चुनाव की 17 नई पहल देश को दिखाएगी राह : ज्ञानेश

- मुख्य निर्वाचन आयुक्त बोले एसआईआर करवाना निर्वाचन आयोग का विशेषाधिकार
- बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा जल्द

पटना, एजेंसी

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि बिहार विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है और इससे पहले राज्य में चुनाव संपन्न करा लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जल्द ही चुनाव की तिथि की घोषणा की जाएगी। कुमार ने यह भी कहा कि आगामी चुनाव में लागू की जाने वाली 17 नई पहलें न केवल बिहार बल्कि पूरे देश के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होंगी। यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कुमार ने कहा कि बिहार चुनाव को छठ महापर्व की तरह, लोकतंत्र के महापर्व के रूप में मनाया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि बिहार ने वैशाली से लोकतंत्र को जन्म दिया है और अब बिहार से ही चुनाव सुधार की नई दिशा देश को मिलेगी। उन्होंने बताया कि एसआईआर के तहत अपात्र मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं, जबकि योग्य मतदाता नामांकन की समाप्ति से दस दिन पहले तक फॉर्म-6 या फॉर्म-7 भरकर अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। कुमार ने बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया पूरी होने पर संतोष व्यक्त करते हुए दावा किया कि इससे 22 वर्षों के बाद मतदाता सूची का शुद्धिकरण संभव हो सका है।

उन्होंने कहा कि एसआईआर करवाना निर्वाचन आयोग का विशेषाधिकार है। नई पहलों में कुछ चुनाव पूर्व लागू होंगी, जबकि कुछ मतदान के दिन प्रभावी रहेंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप आधार कार्ड को पहचान पत्र के रूप में स्वीकार किया है, लेकिन यह नागरिकता का प्रमाण नहीं है। आयुक्त ने राजनीतिक दलों से अपील की कि वे प्रत्येक केंद्र पर अपने एजेंट की नियुक्ति सुनिश्चित करें और वे फॉर्म 17सी तक मतदान प्रक्रिया के दौरान उपस्थित रहें।

सभी मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत होगी वेबकास्टिंग

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया, बूथ से 100 मीटर की दूरी तक प्रत्याशी अपने एजेंट को तैनात कर सकेंगे ताकि मतदान प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। इसके अतिरिक्त बिहार के सभी मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत 'वेबकास्टिंग' की जाएगी, जिससे मतदान की पूरी प्रक्रिया पर वास्तविक समय में निगरानी संभव होगी। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में किए गए सुधारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि अब ईवीएम पर उम्मीदवारों की रंगीन तस्वीरें दिखाई देंगी और क्रमांक (सीरियल नंबर) बड़े अक्षरों में होगा, जिससे मतदाताओं को पहचान में आसानी हो। उन्होंने कहा कि यह कदम मतदाता सुविधा और पारदर्शिता दोनों के लिहाज से महत्वपूर्ण है।

कफ सिरप पीने से मप्र में दो और बच्चों की गई जान

- प्रशासन जांच में जुटा, अब तक 16 बच्चों की हो चुकी है मौत

बैतूल (मध्यप्रदेश), एजेंसी

मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में कोल्ड्रिफ कफ सिरप पीने से 14 बच्चों की मौत के बाद अब बैतूल जिले के आमला प्रखंड में कफ सिरप के पीने से वहां के दो बच्चों की मौत हो गई। हालांकि, बैतूल के कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने स्पष्ट किया कि दोनों बच्चों का इलाज बैतूल जिले के किसी भी शासकीय या निजी अस्पताल में नहीं हुआ है। मप्र में अब तक कुल 16 बच्चों की मौत हो चुकी है।

बैतूल के कलेक्टर ने कहा कि यह मामला बैतूल जिले से प्रत्यक्ष रूप से संबंधित नहीं है, फिर भी मृतक बच्चों के बैतूल निवासी होने के कारण पूरी संवेदनशीलता से जांच की जा रही है। आमला प्रखंड चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि जान गंवाने वाले बच्चों में एक की उम्र चार वर्षीय और दूसरा ढाई वर्ष का है। दोनों बच्चों को बुखार के इलाज के लिए पड़ोसी छिंदवाड़ा जिले के परासिया ले जाया गया, जहां उनकी हालत बिगड़ गई।

एक्शन में आई केंद्र सरकार, कार्रवाई के निर्देश : कफ सिरप के चलते हुए बच्चों की मौत के बाद केंद्र सरकार एक्शन में आ गई है। केंद्र ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रधान सचिवों और स्वास्थ्य सचिवों के साथ आज एक अहम बैठक की। जिसमें खांसी की दवाओं की गुणवत्ता और उचित उपयोग पर चर्चा हुई। बैठक में नियमों का उल्लंघन करने वाले कारखानों के लाइसेंस रद्द करने का निर्देश दिया।

11 मौतों का जिम्मेदार चिकित्सक गिरफ्तार

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में गुर्दों के काम करना बंद कर देने के कारण 14 बच्चों की मौत होने के बाद पुलिस ने लापरवाही के आरोप में एक चिकित्सक को गिरफ्तार किया है और जहरीले 'कफ सिरप' की निर्माता कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जिन बच्चों की मौत हुई है उनमें से दो छिंदवाड़ा शहर से, एक चौरई तहसील से और 11 परासिया उप-संभाग से थे। एसपी ने बताया कि श्रीसन फार्मास्युटिकल्स, कांचीपुरम (तमिलनाडु) द्वारा निर्मित कोल्ड्रिफ को परासिया में 11 बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। कंपनी और डॉ. प्रवीण सोनी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। डॉ. सोनी यहां सरकारी चिकित्सक होने के बावजूद एक निजी क्लीनिक चलाते थे।

बरेली बवाल : सात फरार उपद्रवियों पर 15-15 हजार का इनाम घोषित

- एसएसपी ने इनाम घोषित करके गिरफ्तारी के लिए गठित कीं टीमें

बरेली। शहर में हुए बवाल-फायरिंग के प्रकरण में फरार चल रहे सात उपद्रवियों पर एसएसपी अनुराग आर्य ने रविवार की रात 15- 15 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। इनाम घोषित सभी आरोपी बवाल के बाद दर्ज किए मुकदमों में नामजद हैं। इसमें से तीन आरोपियों की बारादरी थाने में हिस्ट्रीशीट भी खुली हुई है। एसएसपी ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमों का गठन भी कर दिया है।

शहर में 26 सितंबर को जुमे की नमाज के बाद बवाल हो गया था। इस्लामिया मैदान की तरफ से जा रहे लोगों को पुलिस ने खलील तिराहे के पास रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने पुलिस पर पथराव कर दिया था। घटना का मास्टरमाइंड आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां को बनाया गया था। इस मामले में पुलिस की तरफ से कोतवाली, कैंट, बारादरी, प्रेमनगर और किला थाने में कुल 10 मुकदमे दर्ज किए थे। इन मुकदमों में 125 लोगों को नामजद करने के अलावा करीब 3 हजार अज्ञात लोगों को शामिल किया गया है।

भारत निर्मित किफायती टीबी परीक्षण किट को मिली मान्यता

नई दिल्ली। तपेदिक के खिलाफ भारत की लड़ाई को बढ़ावा देते हुए आईसीएमआर ने स्वदेशी रूप से विकसित दो नई परीक्षण किट को मान्यता दी है जो बेहद किफायती और रोग का जल्द पता लगाने का विकल्प प्रदान कर सकती हैं।

तपेदिक (टीबी) का उन्मूलन मुख्य रूप से जल्द से जल्द और सटीक रूप से पता लगाने की क्षमता पर निर्भर करता है ताकि रोगियों का उपचार शुरू किया जा सके और सामुदायिक संचरण को रोका जा सके। आईसीएमआर ने कहा कि टीबी परीक्षण के लिए हाल ही में मान्यता प्राप्त किट में 'क्वांटिप्लस एमटीबी फास्ट डिटेक्शन किट' भी शामिल है, जिसे तेलंगाना स्थित ह्यूवेल लाइफसाइंसेज द्वारा विकसित किया गया है। क्वांटिप्लस मान्यता प्राप्त पहला ओपन सिस्टम आरटी-पीसीआर परीक्षण है।

निर्देश | राज्य कर विभाग की समीक्षा बैठक में सीएम ने दी सख्त चेतावनी

फील्ड में वही अधिकारी तैनात करें, जिनकी साफ छवि हो

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि राज्य कर विभाग में तैनाती का आधार अब केवल 'परफॉर्मेंस' होगा। फील्ड में वही अधिकारी तैनात किए जाएं, जिनकी छवि साफ हो और जो लक्ष्य प्राप्ति के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हों।

उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाह या संदिग्ध छवि वाले अधिकारी किसी भी स्थिति में फील्ड पोस्टिंग के पात्र नहीं होंगे। मुख्यमंत्री रविवार को राज्य कर विभाग की राजस्व प्राप्तियों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जोनल अधिकारियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीएसटी के नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म के बाद बाजार में तेजी आई है और आने वाले महीनों में इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि धनतेरस और दीपावली पर अनावश्यक छापेमारी या जांच से बचा जाए। व्यापारियों या उद्यमियों के उत्पीड़न की शिकायत कहीं से नहीं आनी चाहिए। योगी ने निर्देश दिए कि वरिष्ठ अधिकारी स्वयं बाजार में जाकर मार्केट मैपिंग करें, व्यापारियों से संवाद बढ़ाएं और उनकी अपेक्षाओं को समझें। उन्होंने जीएसटी पंजीकरण बढ़ाने और समय से रिटर्न फाइल कराने पर विशेष बल दिया। योगी ने कहा कि करदाता-मित्रवत वातावरण बनाकर ही स्थायी राजस्व वृद्धि हासिल की जा सकती है।

फर्जीवाड़े पर जीरो टॉलरेंस

बैठक में फर्जी फर्मों और फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के मामलों की समीक्षा की गई। विभाग ने अब तक 104 फर्मों में 873 .48 करोड़ के फर्जी आईटीसी की पहचान की है। योगी ने इसे गंभीरता से लेते हुए कहा कि फर्जीवाड़े पर जीरो टॉलरेंस होगा। दोषियों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। राजस्व संग्रह में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, ईमानदारी सर्वोपरि है।

तत्काल तैयार करें कार्ययोजना

मुख्यमंत्री ने सभी जोनल अधिकारियों से कहा कि 50 प्रतिशत से कम राजस्व संग्रह वाले खंडों की स्थिति का कारण स्पष्ट करें और सुधार की कार्ययोजना तत्काल तैयार करें। उन्होंने 50 प्रतिशत से अधिक संग्रह वाले बरेली, झांसी और कानपुर प्रथम जोन को संतोषजनक बताया, साथ ही असंतोषजनक प्रदर्शन करने वालों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए।

अपने पुराने बैंक अकाउंट्स में पैसे जमा करके भूल गए?

जो आपका है उसे वापस दिलाने में आरबीआई आपकी मदद करेगा।

आपके बैंक के निष्क्रिय खाते (2 वर्ष से ज़्यादा और 10 वर्ष तक असक्रिय) में जमा पैसे / दावा न की गई जमा राशि (10 वर्ष से अधिक) को आरबीआई के डीईए फंड में ट्रांसफर कर दिया जाता है। आप या आपके क़ानूनी वारिस उसे कभी भी वापस ले सकते हैं।

दीया फंड

आपके पैसे वापस पाने के 3 आसान स्टेप्स

1. बैंक की किसी भी शाखा में जाइए, भले ही वो आपकी रेग्युलर शाखा न हो
2. एक फॉर्म जमा कीजिए केवाईसी डॉक्यूमेंट्स के साथ (आधार, पासपोर्ट, वोटर आईडी या ड्राइविंग लाइसेंस)
3. वेरिफिकेशन के बाद ब्याज समेत (यदि है तो) अपने पैसे वापस पाइए

आपके दावा न किए गए पैसे के बारे में जानिए

आपके बैंक की वेबसाइट पर खोजिए या आरबीआई का UDGAM पोर्टल **(https://udgam.rbi.org.in)** देखिए जिसमें फ़िलहाल 30 बैंक शामिल हैं।

दावा न की गई संपत्ति के विशेष कैम्प्स में जाइए जो देशभर के सभी ज़िलों में अक्तूबर से दिसंबर 2025 के बीच लगाए जाएँगे।

अधिक जानकारी के लिए **https://rbikehtahai.rbi.org.in** देखिए
प्रतिक्रिया के लिए **rbikehtahai@rbi.org.in** पर लिखिए
क्यूआर कोड स्कैन कीजिए
आधिकारिक व्हॉट्सऐप नंबर 99990 41935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

अमृत विचार

बरेली, सोमवार,6 अक्टूबर 2025

शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

रेल लाइन पार करते ट्रेन से टकराकर व्यक्ति की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रेलवे स्टेशन पर शनिवार की दोपहर एक व्यक्ति रेल लाइन पार करते समय ट्रेन से टकराकर घायल हो गया था। आरपीएफ ने घायल को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। जीआरपी थाना प्रभारी अनिल प्रकाश ने बताया कि मृतक की उम्र 70 साल है। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो पायी। पुलिस ने अज्ञात शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आम आदमी पार्टी पदाधिकारी आज सौंपेंगे ज्ञापन

शाहजहांपुर, अमृत विचार : आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता पंचपीर तिराहे से चांदनी वाली पुलिया तक चल रहे नाले के निर्माण कार्य के विरोध में जिला अधिकारी के समक्ष ज्ञापन सौंपेंगे। पार्टी का आरोप है कि निर्माण कार्य के दौरान बिना किसी नोटिस के लोगों के मकान और दुकानों को तोड़ा जा रहा है, जिससे उन्हें भारी नुकसान हो रहा है। ज्ञापन सौंपने का कार्यक्रम 6 अक्टूबर सुबह 11:30 बजे जिला कलेक्ट्रेट में दिया जाएगा। पार्टी की ओर से उपस्थित कार्यकर्ता डीएम से तुरंत प्रभाव से निर्माण कार्य रोकने और आवश्यक कार्रवाई करने की मांग करेंगे।

विजया बैंक वाली गली में बंद रहेगी बिजली

शाहजहांपुर, अमृत विचार : भारत सरकार की आरडीएसएस योजना के अंतर्गत 11 केवी स्विचिंग उपकेंद्र गोविंद गंज के अंतर्गत 11 केवी पक्का तालाब फीडर पर पोल लगाने तथा एलटी जर्जर लाइन बदलने का कार्य प्रस्तावित है। 11 केवी पक्का तालाब से पोषित 630 केवीए गन्ना दफ्तर वाले परिवर्तक से पोषित होने वाली एलटी सर्किटों की विद्युत आपूर्ति आज सोमवार को प्रातः 10:00 बजे से 03:00 बजे तक आंशिक रूप से बाधित रहेगी। प्रभावित क्षेत्र में विजया बैंक वाली गली और पक्का तालाब के घर शामिल हैं। उपखंड अधिकारी गोविंदगंज ने जनता से सहयोग की अपेक्षा करते हुए असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है।

सदर बाजार में अतिक्रमण से लगता है जाम

त्योहारों के चलते बाजार में बढ़ रही ग्राहकों की भीड़, सड़क पर ठेले-खोमचे वालों के कारण होती है दिक्कत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : आगामी त्योहारों करवा चौथ, धनतेरस, दिवाली आदि को लेकर बाजारों में खरीददारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ने लगी है, लेकिन पहले से संकरी सड़कों पर बेतरतीब अतिक्रमण के चलते लोगों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सदर बाजार में सबसे ज्यादा अतिक्रमण के चलते रोज ही जाम लग रहा है, लेकिन नगर निगम प्रशासन द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जबकि हालात इस कदर बिगड़ चुके हैं कि ठेला-खोमचे वाले सड़क पर ही ठेला खड़ाकर फल और सब्जी की दुकान चला रहे हैं। इसके अलावा दुकानों के सामने खड़े किए जाने वाले वाहन भी जाम लगने का कारण बन रहे हैं।

हिंदुओं के सबसे बड़े पर्व की शृंखला की शुरुआत दशहरा के साथ हो चुकी है। अब चार दिन बाद पड़ रहे करवा चौथ को लेकर बाजारों में खरीददारी के लिए खासकर महिलाओं की भीड़ उमड़ रही है। इससे बाजार में चहल पहल बढ़ने से दुकानदारों में खुशी है, लेकिन

सदर बाजार के चौराहे पर सड़क पर ठेला खड़ाकर सब्जी व फल बेचते लोग।

सदर बाजार में दुकानों के सामने सड़क पर वाहन खड़े वाहन। ● अमृत विचार

● नगर निगम प्रशासन द्वारा इस ओर नहीं दिया जा रहा ध्यान

खरीददारी के लिए बाजार आने वाले ग्राहकों को जाम की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सदर बाजार की सड़क पहले से संकरी है, जिस पर ठेला-खोमचे लगाकर या दुकानों के बाहर फुटपाथ को घेरकर सामान लगाने की प्रवृत्ति से सड़क संकरी हो गई है। इससे पैदल चलने वालों को भी परेशानी होती है। वहीं वाहनों की पार्किंग की भी समस्या है, जिससे खरीदारी के लिए आने वाले ग्राहकों को दुकान के सामने सड़क पर ही वाहन खड़े करने पड़ते हैं, जिससे भी जाम की स्थिति पैदा हो रही है। जबकि आगामी दिनों में पड़ने वाले धनतेरस व दिवाली के लिए बाजार में जबरदस्त भीड़ उमड़ेगी, जिस दौरान बाजारों में खरीददारी के लिए पैदल भी चलना मुश्किल हो जाएगा। ऐसे में वाहनों का बाजारों में प्रवेश और दिक्कतें खड़ी करेगा। इस समस्या को दूर करने के लिए नगर निगम की ओर से आवश्यक कदम उठाए जाने की जरूरत है, लेकिन अभी तक नगर निगम के अधिकारियों द्वारा कोई प्रबंध नहीं किए जा रहे हैं।

शताब्दी वर्ष पर संघ के स्वयं सेवकों ने किया पथ संचलन

संवाददाता, कलान

● सैकड़ों स्वयंसेवकों ने कदमताल कर राष्ट्रभक्ति के नारे लगाकर किया नगर भ्रमण

● बच्चों से लेकर युवाओं और बुजुर्गों तक ने कदमताल करते हुए भ्रमण किया

अमृत विचार: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में रविवार सुबह कलान नगर में एक अनोखा दृश्य देखने को मिला। नगर के एमजी कान्वेंट विद्यालय में अपने परंपरागत गणवेश में सैकड़ों स्वयंसेवक एकत्र हुए। बच्चों से लेकर युवाओं और बुजुर्गों तक सभी ने एकजुट होकर कदमताल करते हुए नगर भ्रमण किया।

पथ संचलन धूमनाथ वाली गली से शुरू होकर थाना रोड तक पहुंचा। स्वयंसेवक आगे बढ़ते हुए "भारत माता की जय", "वंदे मातरम्" और "जय श्रीराम" जैसे जोशीले नारे लगा रहे थे। जुलूस स्टेट हाईवे मुरादाबाद–फर्रुखाबाद मार्ग तक पहुंचा, जहां नगर वासियों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। इसके बाद पथ संचलन परौर मार्ग होते हुए संपन्न हुआ।

इस दौरान पूरे नगर में देशभक्ति का अद्भुत वातावरण देखा गया। हर कोई राष्ट्रीय गौरव और अनुशासन के इस संदेश से प्रभावित नजर आया। यह आयोजन न केवल संगठन के अनुशासन और देशभक्ति का प्रतीक रहा, बल्कि समाज को एकता और संगठन का सशक्त संदेश भी प्रदान किया। इस मौके पर अखिलेश मिश्रा, चेयरमैन हरनारायण गुप्ता, दीपू गुप्ता, विनोद गुप्ता, अंकित गुप्ता, सलाभ मिश्रा, रामकुमार मीठे, सर्वेश, रजत चंदन, आकाश, जय गोपाल गुप्ता सहित कई प्रमुख लोग मौजूद रहे और स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया।

राजकीय मेडिकल कॉलेज में नहीं जाएंगे प्राइवेट वाहन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● निर्माण को लेकर मुख्य द्वार बंद वन विभाग की तरफ खोला गेट

अमृत विचार: राजकीय मेडिकल कॉलेज में निर्माण कार्य के चलते मुख्य द्वार को बंद कर दिया गया है। मेडिकल कालेज के अंदर प्राइवेट वाहन नहीं जाएंगे। सिर्फ मेडिकल कालेज के स्टाफ और एंबुलेंस जाएगी। जो वाहन मेडिकल कालेज में जाएंगे, वन विभाग की रोड की तरफ से गेट में वाहन प्रवेश करेंगे। जब तक मुख्य द्वार बन नहीं जाएगा, कोई प्राइवेट वाहन मेडिकल के अंदर नहीं जाएगा।

राजकीय मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा राजेश कुमार ने बताया कि मेडिकल कालेज की चाहर दीवारी ओर मुख्य द्वार का निर्माण कार्य चल रहा है। मुख्य द्वार के एक हिस्से का स्लैब बन गया और दूसरे हिस्से का स्लैब बनना है। इस लिए मुख्य द्वार का रास्ता अग्रिम आदेशों तक के लिए बंद कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि वैकल्पिक व्यवस्था के लिए वन विभाग रोड पर मेडिकल कालेज जाने के लिए गेट खोल दिया गया है। वैकल्पिक गेट से एंबुलेंस और आकस्मिक स्थिति में अन्य वाहन प्रवेश के लिए अनुमन्य होंगे। मेडिकल कालेज के स्टाफ को वाहन पर लगाने के लिए स्टाफ लिखा स्टीकर दे दिए गए है। प्राइवेट वाहन मेडिकल कालेज के अंदर नहीं जाएंगे। वैकल्पिक गेट पर ही स्ट्रेचर, व्हील चेयर उपलब्ध रहेंगे। मरीज को ट्रामा सेंटर में लाया जा सकेगा। वैकल्पिक गेट पर सुरक्षा गार्ड की ड्यूटी लगा दी गयी है। जिन प्राइवेट वाहन पर मरीज थे, उन्ही वाहनों को जाने दिया गया। चालक से कहा कि मरीज को छोड़कर तुरंत बाहर आ जाना। मरीज से मिलने आए रिश्तेदारों के वाहन वापस कर दिए और कहा कि स्टैंड पर वाहन खड़ा कर मरीज के पास जाएं।

शरद पूर्णिमा पर विशेष ध्यान योग शिविर आयोजित

शाहजहांपुर, अमृत विचार: योग विज्ञान संस्थान की जिला इकाई की ओर से शरद पूर्णिमा पर 7 अक्टूबर, मंगलवार को सदर बाजार स्थित आर्यमहिला डिग्री कॉलेज योग साधना केंद्र पर प्रातः 5.30 बजे से 7.00 बजे तक विशेष ध्यान योग साधना का आयोजन किया जाएगा। शरद पूर्णिमा ऋतु परिवर्तन से जुड़ा स्वास्थ्य और अध्यात्म की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन 16 कलाओं से युक्त चंद्रमा की किरणें अमृत वर्षा करती हैं। मान्य कथाओं के अनुसार इस रात्रि योगीराज भगवान श्रीकृष्ण ने आदिशक्ति राधा और गोपिकाओं के रूप में जन्म प्राप्त सिद्ध ऋषियों-मुनियों के साथ महारास की रचना की थी। शरद पूर्णिमा से ही शरद ऋतु की शुरुआत होती है और इस दिन से शुरू होने वाली ऋतु-चर्या और विशेष योग क्रियाओं का स्वास्थ्य और ऊर्जा संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान होता है।

रौजा मंडी के क्रय केंद्र पर 35 क्विंटल हुई धान खरीद

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● जिला खरीद अधिकारी/एडीएम ने रौजा और तिलहर मंडी में लिया धान खरीद का जायजा

अमृत विचार: खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए सरकारी धान खरीद के लिए खोले गए क्रय केंद्रों का हाल जानने के लिए शनिवार को जिला खरीद अधिकारी/एडीएम रजनीश कुमार मिश्रा ने रौजा मंडी और तिलहर मंडी का निरीक्षण किया। तब तक किसी भी क्रय केंद्र पर धान खरीद की शुरुआत नहीं पाई गई। ज्यादातर क्रय केंद्र प्रभारियों ने धान खरीद शुरू न करने के कारण के बारे में धान में नमी अधिक होने की बात कही। इस पर एडीएम ने मंडी सचिव और क्षेत्रीय विपणन अधिकारी को निर्देश दिए कि मंडी में किसानों द्वारा लाए गए धान को मानकके अनुरूप पाए जाने पर नियमानुसार धान क्रय केंद्रों पर तौल कराई जाए। धान की गुणवत्ता निर्धारित मानक के अनुरूप न होने की स्थिति में धान की नीलामी क्रयनीति में दी गई व्यवस्थानुसार दिन में दो बार बोली लगवाते हुए कराई जाए, जिससे किसानों के उनकी उपज का उचित मूल्य प्राप्त हो सके।

रौजा मंडी में क्रय केंद्र पर नमी मापक यंत्र देखते एडीएम रजनीश कुमार मिश्रा।

एडीएम ने रौजा मंडी में व्यापारियों के यहां बिकने आए धान की तीन ढेरियों को देखा, जिसमें दो ढेरियों में नमी 21 से 24 प्रतिशत तक पाई गई। जबकि निगोही के गांव कुकहा महमूदपुर निवासी किसान सावित्री देवी पत्नी कृष्ण मुरारी द्वारा लाए गए धान एक ढेरी लगभग 35 क्विंटल मानक के अनुरूप पाया गया, जिसे एडीएम के निर्देश पर क्रय केंद्र चतुर्थ पर खरीदा गया।

एडीएम ने केंद्र प्रभारियों को निर्देश दिए कि धान क्रय केंद्र पर आए किसानों का शासनादेश के अनुसार पहले आओ पहले पाओ की व्यवस्था का अनुपालन करते हुए धान खरीद की जाए। उन्होंने कहा कि धान मानक के अनुरूप पाए जाने पर बिना किसी हीला हवाली के किसान का धान खरीद लिया जाए। इस दौरान एडीएम ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि क्रय केंद्र पर धान लाने से पहले सुखाकर एवं साफ करके क्रय केंद्र पर लाएं, जिससे कोई समस्या न आए। इस दौरान एडीएम ने अधिकारियों को चेताते हुए कहा कि धान खरीद में किसी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता पाई जाती है तो संबंधित का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद एडीएम रजनीश मिश्रा तिलहर मंडी समिति में लगे धान क्रय केंद्रों का निरीक्षण किया। सेंटरों पर धान खरीद शून्य पाई गई जिस पर उन्होंने धान खरीद करने को लेकर मंडी सचिव शिवेंद्र प्रताप सिंह को कई निर्देश दिए।

आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर में 50 रोगियों का हुआ उपचार

आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर में रोगियों को देखते चिकित्सक। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन शाखा शाहजहांपुर ने जनहित में आयुर्वेदिक चिकित्सा सेवाएं जन जन तक पहुंचने के उद्देश्य से बवासीर एवं भगंदर का एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया, जिसमें करीब 50 रोगियों का उपचार किया गया। जिलाध्यक्ष डॉ. विजय जौहरी ने चिकित्सकों की सहराना की।

कहा कि इस तरह के शिविर जनपद के प्रत्येक तहसील एवं ब्लाक में आयोजित कर आयुर्वेद का विकास किया जाएगा, क्योंकि हमारी आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति प्राचीन धरोहर एवं पूर्णतः वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित है। पुरानी आवास विकास कॉलोनी में बवासीर एवं भगंदर का एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया, जिसमें आयुर्वेद चिकित्सक प्रमोद कुमार मिश्रा, महिला चिकित्सक शुभा मिश्रा ने करीब 50 रोगियों का स्वास्थ्य प्रशिक्षण कर सात दिन की निःशुल्क दवा दी। इस अवसर पर योगेश कुमार, अमित सक्सेना, पारस, उद्धव, राधा श्रीवास्तव आदि रहे।

सांसद ने व्यापारियों को नेक्स्ट जेन जीएसटी के बताए लाभ

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

व्यापारियों को नेक्स्ट जेन जीएसटी के लाभ बताते सांसद अरुण सागर। ● अमृत विचार

● प्रधानमंत्री ने खत्म किए कई स्लैब, जीएसटी सुधार से बढ़ेगी पारदर्शिता होगा महंगाई पर नियंत्रण

अमृत विचार: केंद्र सरकार द्वारा देशवासियों को दी गई जीएसटी में बड़ी राहत के तहत कई स्लैब खत्म किए गए हैं, जिसका लाभ व्यापारियों, किसानों और हर वर्ग को हो रहा है। इसी संदर्भ में ददरौल विधानसभा क्षेत्र के कांट ब्लॉक सभागार में नेक्स्ट जेन जीएसटी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा सांसद अरुण सागर का जोरदार स्वागत किया गया।

सांसद ने व्यापारियों से संवाद करते हुए नेक्स्ट जेन जीएसटी के लाभ बताए और अपील की कि सभी लोग स्वदेशी और स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हमेशा देशवासियों के हित में कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने गिफ्ट के रूप में कई जीएसटी स्लैब खत्म किए, जिससे व्यापारियों ही नहीं बल्कि हर नागरिक को फायदा हो रहा है। अरुण सागर ने बताया कि नेक्स्ट जेन जीएसटी से व्यापारी, किसान, गरीब और मध्यम वर्ग सभी को सीधा लाभ मिलेगा। इससे कर प्रक्रिया सरल होगी, पारदर्शिता बढ़ेगी और महंगाई पर नियंत्रण भी सुनिश्चित होगा। उन्होंने इसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत कदम बताया। सांसद ने कहा कि जीएसटी सुधार से विनिर्माताओं और व्यापारियों को लाभ मिला है, जिससे वस्तुओं की कीमतें कम हुई हैं। कुछ उत्पाद जैसे कार, एफएमसीजी और अन्य वस्तुएं सस्ती होंगी।

सांसद ने कहा कि जीएसटी सेवाओं से सरकार को अधिक रेवन्यू मिलने की संभावना बढ़ेगी, कर अनुपालन बेहतर होगा और टेक्स आधार व्यापक होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि देशवासियों को मजबूत बनाने के प्रयासों के कारण ही आज देश खुशहाल है और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख कांट श्रीदत्त शुक्ला, ब्लॉक प्रमुख मदनापुर महेश पाल, भाजपा महानगर की जिलाध्यक्ष शिल्पी गुप्ता, लालजीत राठौर, रामजी गौतम और कई व्यापारियों की उपस्थिति रही।

एसपी ने सदर बाजार क्षेत्र में की पैदल गश्त

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: एसपी राजेश द्विवेदी ने आगामी त्यौहार के दृष्टिगत कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस फार्स के साथ सदर बाजार, गोविंदगंज, बहादुरगंज, लालइमली चौराहा, घंटाघर, मल्हार रोड आदि स्थानों पर पैदल गश्त की। इस दौरान आमजन से संवाद स्थापित कर सुरक्षा का संदेश दिया। एसपी ने किसी भी प्रकार की समस्या अथवा सूचना से तत्काल पुलिस को अवगत कराने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने थाना प्रभारी और चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए कि अपने-अपने क्षेत्र में गश्त करके होटल और ढाबों की चेकिंग करें। संदिग्ध वाहनों की चेकिंग करें। एसपी के साथ सीओ सिटी, सदर बाजार प्रभारी निरीक्षक आदि स्टाफ मौजूद रहा।

सदर बाजार क्षेत्र में पैदल गश्त करते एसपी राजेश द्विवेदी। ● अमृत विचार

राजनीतिक दिशा और विकास कार्यों पर चर्चा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

सपा की मासिक बैठक के दौरान विचार रखते जिलाध्यक्ष तनवीर खान। ● अमृत विचार

● सपा अल्पसंख्यक सभा के कई पदाधिकारी और पूर्व सभासद रहे उपस्थित

अमृत विचार: बिजलीपुरा स्थित समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर सपा 135 नगर विधानसभा क्षेत्र की मासिक बैठक नगर विधानसभा अध्यक्ष अतिउल्ला सिद्दीकी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में सपा जिला अध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन तनवीर खान और मासिक बैठक के प्रभारी सपा जिला उपाध्यक्ष जिवेन्द्र बाजपेई मौजूद रहे।

बैठक में मुख्य रूप से सपा जिला अध्यक्ष तनवीर खान, सपा महानगर अध्यक्ष चौधरी रामकुमार भोजवाल, नगर विधानसभा अध्यक्ष अतिउल्ला सिद्दीकी, सपा जिला उपाध्यक्ष जिवेन्द्र कुमार वाजपेयी, नगर विधानसभा महासचिव लल्ला सिंह यादव, पूर्व सभासद असलम अंसारी, महाराज सिंह यादव ने विचार रखे। सपा अल्पसंख्यक सभा के जिला अध्यक्ष हफ़ीज़ अंसारी, पूर्व सभासद दुर्गेश कुमार गुप्ता, खिज़र महबूब खान, राजीव राठौर, राकेश विश्वकर्मा, पूर्व सभासद शकील अहमद, हशमत, बृजेश राज, सर्वेश यादव, मोहम्मद आमिर, महिपाल सिंह यादव, लखपति राम, सलमान खान प्रधान, गुफरान खान, जियाउल्ला, बबल किशोर वाल्मीकि, सुरजीत, अमन खान, मोहसिन खान, विनोद कुमार वर्मा, नरबीर पाल, तौफीक कुरैशी, असलम खान, टिंकू सिंह, आरिफ खान, बृजेश कुमार, सपा जिला अध्यक्ष के प्रतिनिधि शाहनवाज आदि लोग भी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन नगर विधानसभा महासचिव लल्ला सिंह यादव ने किया। बैठक में शहर और जिले के राजनीतिक मुद्दों, विकास कार्यों और आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई।

वाल्मीकि की निशान यात्रा का जगह-जगह स्वागत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: नगर में भगवान वाल्मीकि शोभा यात्रा के आगमन पर निशान यात्रा का आयोजन किया गया, जिसे उत्तर प्रदेश सरकार में वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना के भतीजे धीरू खन्ना एवं भाजपा नेता अग्निवेश गुप्ता ने हरी झंडी दिखाई। निशान यात्रा में मुख्य रूप से वाल्मीकि का डोला निकाला गया, जिसके आगे सर्व समाज के भक्तों द्वारा फूलों की वर्षा की गई।

निशान यात्रा मुख्य मार्ग केरूगंज, चार खंबा, चौक, मंडी, घंटाघर, सदर बाजार, नगर निगम होते हुए प्राचीन वाल्मीकि मंदिर कटिया टोला पर पहुंची, जहां पूजा अर्चना कर निशान यात्रा का समापन किया गया। इसमें संरक्षक अवनीश कुमार लालू एवं संयोजक दिनेश कुमार राजा भैया ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा भगवान वाल्मीकि जयंती पर अवकाश घोषित किए जाने पर समस्त वाल्मीकि समाज की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त किया। निशान यात्रा में अध्यक्ष ऋषभ कुमार वाल्मीकि, अक्षय कुमार वाल्मीकि ने कहा कि इस वर्ष की भांति हर वर्ष हरी झंडी दिखाकर निशान यात्रा निकाली जाएगी।

निशान यात्रा के दौरान संरक्षक कुमार शालू वाल्मीकि, आयोजक अतुल कुमार वाल्मीकि, उपाध्यक्ष कन्हैया, अंकित कुमार, कोषाध्यक्ष रजनीश कुमार, महामंत्री अभिषेक चौधरी, मंत्री आयुष, विवेक, रूपेश, विकास, वीरेंद्र, प्रचार मंत्री अमन देबू, राकी, लकी, शनि, मीडिया प्रभारी रजत गुप्ता, सोशल मीडिया प्रभारी विश्वास कुमार वाल्मीकि, सदस्य रोहित, आदित्य, अमित ताराचंद्र, सोनू राजवंशी, सचिन समेत भक्त मौजूद रहे।

शस्त्र पूजन के साथ मनाया दशहरा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

शस्त्र पूजन करते क्षतिय समाज के लोग। ● अमृत विचार

● विधायक बोले-भवन निर्माण में रहेगा मेरा पूरा सहयोग

● प्रदेश अध्यक्ष ने क्षत्रिय बंधुओं से एकजुटा का किया आह्वान

अमृत विचार: अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में दशहरे के उपलक्ष्य में शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन महाराणा प्रताप भवन हथौड़ा चौराहा पर किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में क्षत्रिय बंधु अपने-अपने शस्त्रों के साथ शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 9 बजे हवन के साथ हुआ। इसके पश्चात मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र सिंह राठौर और जिलाध्यक्ष केके सिंह ने विधायक ददरौल अरविन्द कुमार सिंह के साथ प्रभु श्रीराम के चित्र पर माल्यार्पण एवं तिलक कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। तत्पश्चात कतारबद्ध रखे गए शस्त्रों का तिलक एवं पुष्प अर्पित कर विधिवत पूजन किया गया। विधायक अरविन्द कुमार सिंह ने अपने संबोधन में भवन निर्माण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि भवन निर्माण कार्य में मेरे सहयोग की जहां भी जरूरत होगी, मैं सबसे आगे रहूंगा। उन्होंने समाज के लोगों को शिक्षित होने और नई पीढ़ी को संस्कारित बनाने की प्रेरणा दी।

मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र सिंह राठौर ने सभी क्षत्रिय बंधुओं को दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भवन निर्माण में यथासंभव सहयोग देने का आह्वान करते हुए समाज के सभी वर्गों से नेक और एकजुट रहने की अपील की। इस अवसर पर पूर्व विधायक देवेंद्र पाल सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रियांशु रघुवंशी, भानु प्रताप सिंह, अमित कुमार सिंह, संरक्षक शिवबल सिंह, डॉ. एवी सिंह, महामंत्री शरद सिंह, डॉ. केडी सिंह, फतेह बहादुर सिंह, सेठपाल सिंह, आलोक सिंह भोला, राजीव सिंह चंदेल, चंद्रवीर सिंह, शैलेंद्र सिंह गौतम, नवनीत सिंह सहित बड़ी संख्या में क्षत्रिय समाज के लोग मौजूद रहे ।

न्यूज ब्रीफ

गुरु गोविंद सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के लिए आवेदन 20 तक

शाहजहांपुर, अमृत विचार : डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने बताया है कि वर्ष 2025-26 के लिए गुरु गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के लिए जनपद से पात्र व्यक्तियों के प्रस्ताव मांगे गए हैं, जिसमें उनके द्वारा किये गये महत्वपूर्ण कार्यों का तथ्यात्मक विवरण एवं अभिलेखीय साक्ष्यों के साथ, निर्धारित प्रारूप पर स्पष्ट आख्या एवं संस्तुति सहित आवेदन प्रस्तुत करना होगा। यह आवेदन 20 अक्तूबर तक शासन को उपलब्ध कराए जाने हैं।

पुलिस लाइन परिसर में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

शाहजहांपुर, अमृत विचार : पुलिस लाइन परिसर में वामा वेलनेस कैंप स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पुलिस कर्मियों एवं उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। डॉक्टर की परामर्श सेवाएं निशुल्क उपलब्ध करायी गयी। सभी ने स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का लाभ उठाया एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता का संदेश दिया। शिविर में सीओ लाइन, प्रतिसार निरीक्षक आदि स्टाफ मौजूद रहा।

दो भाइयों को पीटकर किया घायल, रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस कर रही जांच

शाहजहांपुर, अमृत विचार : चौक कोतवाली के मोहल्ला मोहम्मद जई निवासी सोनू ने दी तहरीर में बताया कि 1 अक्टूबर शाम उसका भाई शानू घर के बाहर मैदान में बैठा था और लोगों से बातचीत कर रहा था। पड़ोसी फैशल, रुकसार, हसीना, शबाब आए और उसे और उसके भाई को गाली देने लगे। विरोध पर दोनों भाइयों को पीटकर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

डॉ. अनुराग को शिक्षक सम्मान समारोह में मिलेगा सम्मान

शाहजहांपुर, अमृत विचार : प्रकाश सेवा समिति एटा के द्वारा राम प्रकाश भारद्वाज की सप्तम पुण्यतिथि पर आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में एसएस कॉलेज के उप प्राचार्य एवं वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. अनुराग अग्रवाल को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सहायक निदेशक उच्च शिक्षा प्रो. बीएल शर्मा, ध्रुव पाल, संयुक्त सचिव गृह विभाग, प्रो अश्विनी गोयल पूर्व संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा, प्रो ओमप्रकाश राय प्राचार्य बरेली कॉलेज बरेली, एडीएम एटा, सीडीओ एटा, डीआईओएस एटा, बीएसए एटा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे।

रामगंगा से कटान रोकने के प्रयास तेज बहाव के चलते हो रहे फेल

बम्बू क्रेट पानी में समा रहे, नदी को पुराने मार्ग पर लौटाने के लिए ड्रोन सर्वे हुआ

संवाददाता, मिर्जापुर

अमृत विचार: रामगंगा नदी के जलस्तर में गिरावट के बावजूद पहाड़पुर चिकटिया गांव में कटान की समस्या गंभीर बनी हुई है। नदी किनारे लगभग 700 मीटर लंबाई में तेजी से कटान हो रहा है, जिससे गांव का संपर्क मार्ग खतरे में है। कटान रोकने के लिए बम्बू क्रेट लगाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन 30 से 35 फीट लंबाई के क्रेट तेज बहाव के कारण पूरी तरह पानी के अंदर समा रहे हैं।

स्थानीय ठेकेदार मुकेश राजपूत ने बताया कि बम्बू क्रेट को स्थिर करने के लिए पहले पेड़ काटकर डालना पड़ता है और सीमेंट भरी बोरियों में ईंट भरकर क्रेट के अंदर लगाया जाता है। इसके बावजूद नदी की तेज धार के कारण कटान रुक नहीं पा रहा है। ठेकेदार ने कहा कि पानी के अंदर क्रेट जाने से कोई खतरा नहीं है और कटान रोकने में मदद मिलेगी। सदर्भ में कार्यशाला स्थापना खंड, कानपुर के जूनियर इंजीनियर कमल पटेल और राजेश सिंह ने मौके पर पहुंचकर ड्रोन कैमरे से सर्वे किया। अधिकारियों ने बताया कि नदी को पुराने स्थान पर लौटाने के लिए सर्वे किया गया है। इसके लिए खेत मालिकों की सहमति और जिलाधिकारी की अनुमति आवश्यक है। नहर विभाग और ठेकेदार की टीम ने कटान रोकने के लिए पहले ही बम्बू क्रेट स्थापित किए हैं, लेकिन नदी की गहराई और तेज बहाव के कारण समस्या जटिल बनी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि खेत मालिकों से मुआवजा संबंधी सहमति मिलने के बाद ही तटबंध का स्थायी निर्माण कार्य कराया जाएगा।

रविवार को एक और बम्बू क्रेट पानी में लगाया गया। ● अमृत विचार

- पहाड़पुर चिकटिया गांव के किनारे तेजी से हो रहा कटान
- तटबंध बनाने के लिए जिलाधिकारी की अनुमति के बाद कार्य कराया जाएगा

पहाड़पुर चिकटिया गांव के पास बहती नदी। ● अमृत विचार

कटान से चिंता में ग्रामीण

गांव वालों को रामगंगा नदी में तेजी से हो रहे कटान को लेकर गहरी चिंता है। कटान के कारण उनकी फसल और जमीन खतरे में है और गांव का मुख्य संपर्क मार्ग भी कटान की वजह से प्रभावित हो गया है। ग्रामीण डरते हैं कि यदि नदी का बहाव इसी तरह तेज रहा और तटबंध पूरी तरह नहीं बनाए गए, तो उनके खेत और घर जोखिम में आ सकते हैं। वे चाहते हैं कि नदी को पुराने मार्ग पर लौटाने और कटान रोकने के लिए स्थायी उपाय जल्द से जल्द किए जाएँ, ताकि उनकी आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

शराब के नशे में साली के साथ छेड़छाड़

बंडा, अमृत विचार: शराब के नशे में धुत एक ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान ने अपनी रिश्ते की नाबालिग साली से छेड़छाड़ कर दी, जिसके बाद गांव में हड़कंप मच गया। शनिवार रात करीब 8 बजे मामला सामने आया। बताया जा रहा है कि प्रधान शराब के नशे में एक किराना स्टोर के पास खड़ी नाबालिग साली के साथ गलत हरकत करने लगा।

- दो घंटे की पंचायत के बाद प्रधान ने लड़की के पैर छूकर मांगी माफी

घटना की जानकारी लड़की ने अपनी मां को दी। जिस पर उसने पूरे मोहल्ले में हल्ला मचा दिया। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। इस बीच ग्राम प्रधान अपने घर में जाकर छिप गया और बाहर नहीं निकला। प्रधान प्रतिनिधि मौके पर पहुंचे और लड़की के परिवार से बातचीत कर मामला शांत कराने की कोशिश की। करीब दो घंटे की पंचायत के बाद प्रधान को ग्रामीणों के सामने लाया गया, जहां उसने नाबालिग लड़की के पैर छूकर माफी मांगी। ग्रामीणों ने बताया कि प्रधान प्रतिनिधि ने इस प्रकरण को रिश्तेदारी का मामला बताते हुए पुलिस कार्रवाई से बचाने की कोशिश की। देर रात तक पुलिस को किसी ने सूचना नहीं दी। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार राय ने बताया कि पुलिस को इस प्रकरण की कोई सूचना नहीं दी गई है।

नौ साल में 365 लोग एचआईवी संक्रमित

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- जिले में सरकारी जागरुकता के बावजूद लगातार बढ़ रहा ग्राफ

अमृत विचार: जिले में एचआईवी (ह्यूमन इम्यूनो डेफिशिएंसी वायरस) के मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। बीते नौ साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो पुरुषों में संक्रमण की दर महिलाओं की तुलना में कहीं अधिक पाई गई है। वर्ष 2015 से 2024 के दौरान जिले में कुल 365 लोग एचआईवी से प्रभावित पाए गए, जिनमें 260 पुरुष और 105 महिलाएं शामिल हैं।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार साल 2023 में कुल 17,339 लोगों की एचआईवी जांच हुई, जिनमें 8,888 पुरुष और 8,451 महिलाएं शामिल थीं। वर्ष 2014 में पहली बार जिले में 5,109 पुरुषों और 1,291 महिलाओं की जांच की गई थी। उस समय 19 मरीज (10 पुरुष और 9 महिलाएं) संक्रमित पाए गए थे। इन सभी को एआरटी (एंटीवायरल थिरेपी) से निशुल्क उपचार मुहैया कराया गया, जिससे उनकी जीवनशैली सामान्य हो गई। विशेषज्ञों का कहना है कि यौन जनित संक्रमण महिलाओं में अधिक पाए जा रहे हैं, लेकिन एचआईवी संक्रमण पुरुषों में तेजी से बढ़ रहा है। वर्षवार आंकड़े भी यही संकेत देते हैं कि 2016 में 22 मरीज मिले, जिनमें 14 पुरुष और 8 महिलाएं शामिल थीं, 2017 में 39 मरीज मिले, जिनमें 26 पुरुष और 13 महिलाएं थीं, 2018 में 37 मरीज मिले, जिनमें 28 पुरुष और 9 महिलाएं थीं, 2019 में 46 मरीज मिले, जिनमें 35 पुरुष और 11 महिलाएं थीं, 2020 में 26 मरीज मिले, जिनमें 19 पुरुष और 7 महिलाएं थीं, 2021 में 38 मरीज मिले, जिनमें 30 पुरुष और 8 महिलाएं थीं, 2022 में 38 मरीज मिले, जिनमें 27 पुरुष और 11 महिलाएं थीं, 2023 में 59 मरीज मिले, जिनमें 44 पुरुष और 15 महिलाएं थीं और 2024 में 60 मरीज मिले, जिनमें 37 पुरुष और 23 महिलाएं शामिल थीं।

जिला अस्पताल तथा तिलहर सीएचसी में स्थापित इंट्रीग्रेटेड काउंसिलिंग एंड ट्रेस्टिंग सेंटर (आईसीटीसी) में रोजाना 50 से 60 लोग यौनजनित संक्रमण की शिकायत लेकर आते हैं। सभी की एचआईवी जांच कराई जाती है और संक्रमित पाए जाने पर निशुल्क दवाइयां दी जाती हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि एचआईवी ग्राफ में वृद्धि का मुख्य कारण जांच के दायरे का विस्तार है। बावजूद इसके, जागरूकता अभियान चलाने के बाद भी जिले में लगातार नए मरीज मिल रहे हैं।

धान खरीद में अनियमितता पर किसानों का प्रदर्शन

संवाददाता, तिलहर

अमृत विचार: धान की सरकारी खरीद में खामियों और गल्ला आढ़तों द्वारा किसानों के शोषण के आरोप पर भारतीय किसान यूनियन (चढ़नी गुट) और भारतीय कृषक दल के कार्यकर्ताओं ने रविवार को नवीन गल्ला मंडी परिसर में संयुक्त प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद भाकियू के मंडल सचिव हरप्रीत सिंह लाली के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नायब तहसीलदार मनु माथुर से भेंट कर एसडीएम के नाम ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शन के दौरान भाकियू के मंडल सचिव ने बताया कि क्षेत्र में धान की पैदावार काफी अधिक है, लेकिन जिले की अन्य मंडियों की तरह स्थानीय गल्ला मंडी में धान खरीद की समुचित व्यवस्थाएं नहीं की गई हैं। अव्यवस्था और अनियमितताओं के कारण किसानों को मजबूरन अपना धान 1400 से 1600 रुपये प्रति क्विंटल के सस्ते भाव पर बेचना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि मंडी परिसर में उपज की नीलामी करानी चाहिए, ताकि किसानों को लागत के अनुसार उचित मूल्य मिल सके, लेकिन मंडी में धान की सरकारी बोली नहीं लगाई जा रही। इससे किसानों को लागत से कम मूल्य मिल रहा है। भाकृद के जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह गंगवार ने कहा कि किसान दिन-रात मेहनत कर फसल की सुरक्षा करते हैं, लेकिन मंडी पहुंचने पर दलाल और माफिया उनका शोषण कर रहे हैं। प्रदर्शन में सतेंद्र चौधरी, छोटे यादव, रजनीश कुमार, दिनेश पाल आदि मौजूद थे।

तांबे का शेषनाग बरामद, एक गिरफ्तार

शाहजहांपुर, अमृत विचार: सदर बाजार पुलिस ने एक चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से मंदिर से चोरी गया तांबे के शेषनाग बरामद किया है। पुलिस को जामा तलाशी में तमंचा भी मिला है। सदर बाजार थाना के उप निरीक्षक शिवम अग्रवाल ने रविवार की सुबह गोविंदगंज ओवरब्रिज के नीचे एक चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से मंदिर से चुराया गया शंकर भगवान का तांबा का शेषनाग बरामद किया है। पुलिस को जामा तलाशी में एक तमंचा भी मिला है। पकड़ा गया अभियुक्त शोएब उर्फ पप्पू निवासी कटिया टोला थाना सदर बाजार है। अभियुक्त पर विभिन्न धाराओं के चार मुकदमे दर्ज है। पूछताछ के दौरान बताया कि एक मंदिर से तांबा का शेषनाग चुराकर बेचने के लिए जा रहा था। पुलिस ने चालान कर दिया।

चाचा को डंडों से पीट-पीटकर मार डाला

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- गुजरात जाने को लेकर हुआ था दोनों में विवाद

अमृत विचार: गुजरात ईट भट्टे पर काम करने के लिए एक व्यक्ति घर से निकला था। रास्ते में सगे भतीजे ने उसे घेर लिया और सिर में डंडा मारकर उसकी हत्या कर दी। शव रात सड़क के किनारे पड़ा रहा। मृतक का अपने भतीजे से गुजरात जाने को लेकर विवाद हो गया था। आरोप है कि मृतक सोनेलाल ने अपने भतीजे व भाई के साथ गुजरात भट्टे जाने से मना कर दिया था। मृतक गांव के दूसरे व्यक्ति के साथ गुजरात जाना चाहता था। इसी रंजिश को लेकर उसने चाचा की हत्या कर दी। मृतक के बेटे ने हत्या की रिपोर्ट दर्ज करायी है।

अल्हागंज थाना क्षेत्र के गांव चौराखुर्द निवासी 40 वर्षीय सोनेलाल गुजरात में ईट भट्टे पर मजदूरी करता था। शनिवार की रात 11 बजे वह गुजरात जाने के लिए घर से निकले थे। रविवार की सुबह छह बजे राहगीरों गांव के सामने जलालाबाद-अल्हागंज रोड पर सड़क के किनारे एक शव पड़ा देखा। उसके सिर और चेहरे में चोट के निशान थे और सिर से खून निकल रहा था। मृतक के बेटे राहुल को खबर मिली कि उसके पिता का शव सड़क के किनारे पड़ा है। वह परिवार वालों के साथ मौके पर गया और देखा कि उसके पिता का शव पड़ा था। उसने बताया कि उसके पिता के सिर और चेहरे में चोट के निशान थे, खून निकल रहा था।

उन्होंने थाना पर सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे। मृतक के बेटे राहुल ने बताया कि उसका पिता गुजरात में ईट भट्टे पर काम करते थे। गांव का एक व्यक्ति भट्टे पर काम कराने के लिए मजदूरों को ले जाता था। इसके अलावा उसके चाचा पप्पू और उसका बेटा रवि भी मजदूरों को ले जाते थे। उसके पिता से सगे भतीजे रवि ने कहा कि हमारे पापा के साथ मजदूरी करने के लिए चले जाओ। उसके पिता ने अपने भाई पप्पू के साथ जाने से मना कर दिया था। उसके पापा ने कहा कि गांव के दूसरे व्यक्ति के साथ गुजरात जाएंगे। इस बात से रवि नाराज हो गया था और उसकी अपने चाचा सोने लाल से कहासुनी हो गई।

आरोपी ने अपने चाचा को जान से मारने की धमकी दी थी। आरोप है कि उसके पिता रात गुजराज के लिए घर से निकले थे। रास्ते में आरोपी रवि ने उसके पिता की डंडों से पीटकर मारडाला। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मृतक के बेटे राहुल की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मानसिक स्वास्थ्य पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: लायंस क्लब शाहजहांपुर शक्ति ने गुरु नानक पाठशाला कन्या हाई स्कूल में मानसिक स्वास्थ्य पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की थीम थी मानसिक स्वास्थ्य के लिए आगे बढ़ें, कलंक तोड़ें, सुख समृद्धि बढ़ाएं।

कार्यक्रम में लायन ललिता यादव ने छात्रों के साथ मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन और एक-दूसरे का समर्थन करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए मेडिटेशन, योग और पौष्टिक भोजन अत्यंत आवश्यक हैं। इसके अलावा उन्होंने सुझाव दिया कि रात को सोते समय गर्म दूध पीना लाभकारी होता है। कार्यक्रम में आर्ट ऑफ लिविंग टीचर लायन शुभांगी गुप्ता ने छात्रों को ध्यान योग और मेडिटेशन कराया, जिससे उन्हें मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त हुई। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को मानसिक स्वास्थ्य के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए गए। क्लब शक्ति द्वारा 12 अक्टूबर तक ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समापन वाले दिन मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों से जूझ रहे लोगों को सम्मानित किया जाएगा। विद्यालय की प्रधानाचार्य हरमीत कौर ने इस कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए सभी का धन्यवाद और आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में लायन ललिता यादव, लायन शुभांगी गुप्ता, लायन गुरमीत कौर, प्रधानाचार्य हरमीत कौर, शिक्षिकाएं और छात्र उपस्थित रहे।

आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करतीं बच्चियां। ● अमृत विचार

- मानसिक स्वास्थ्य के लिए आगे बढ़ें - कलंक तोड़ें, सुख समृद्धि बढ़ाएं थी थीम

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री पर अभद्र टिप्पणी करने वाला गिरफ्तार

पुवायां, अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के गांव करनापुर में रहने वाले सुलेमान ने दो दिन पहले अपनी फेसबुक आईडी पर शेयर पोस्ट की थी। जिसमें उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के फोटो एडिट कर अभद्र टिप्पणी करते हुए अपशब्द लिखे थे। इतना ही नहीं सुलेमान ने खुद को बरेली में हुए बवाल में आरोपी वर्ग विशेष के लोगों का साथी बताते हुए पोस्ट की थी। जिस पर हिंदूवादी संगठन के लोगों ने आपत्ति जताते हुए इसकी शिकायत पुलिस से की। इसके बाद पुलिस ने बीते दिन हिंदू युवा संगठन उत्तर प्रदेश (अ) पुवायां के नगर अध्यक्ष भारत राठौर की तहरीर पर सुलेमान निवासी करनापुर पर रिपोर्ट दर्ज की है।

हमें प्रभु प्राप्ति के लिए मिला मानव तन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- शरीर को भोजन के साथ-साथ आत्मा को भी दें खुराक
- संत राजेंद्र सिंह महाराज का 79वां जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया

अमृत विचार: सावन कृपाल रुहानी मिशन की स्थानीय शाखा कृपाल आश्रम में दयाल पुरुष दर्शन सिंह महाराज का 104वां और संत राजेंद्र सिंह महाराज का 79वां जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

सत्संग कर्ता गुलशन भल्ला ने कहा कि हम शरीर को भोजन के साथ-साथ अपनी आत्मा को भी खुराक दें। इसके लिए प्रातःकाल उठकर भजन अभ्यास करें। उन्होंने कहा कि मानव तन हमें प्रभु की प्राप्ति के लिए मिला है। संत सतगुरु के सत्संग एवं भजन अभ्यास के द्वारा मोक्ष की प्राप्ति की जा सकती है। कार्यक्रम की शुरुआत गुरु वंदना से हुई, जिसके बाद आध्यात्मिक विचार गोष्ठी प्रारंभ हुई। संस्था के सचिव डा. कैलाश चंद्र रस्तोगी ने बताया कि महापुरुषों का जन्मोत्सव मनाने का उद्देश्य उनकी शिक्षाओं का पालन करना है और अपने आप को सही रूप में जानकर अपने अंतर में परमात्मा की प्राप्ति करना है। इसके बाद लखनऊ से आए गजल गायक मनमोहन सिंह भाटिया ने आध्यात्मिक गजलें सुनाकर समा बांध दिया। उन्होंने कहा कि मैं दावे से कहता हूं सुन ले जमाना, जिंदगी की राहों में आपका सहारा है। बाल सत्संग के बच्चों ने भी सुंदर कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर हरपाल अग्रवाल, गिरीश चंद्र गुप्ता, गौरीशंकर, रामकुमार मौर्य, अनिल अग्रवाल, नरेंद्र कौर, प्रीति वर्मा, नीतू वर्मा, आदर्श तिवारी, रामवतार वर्मा, ओम प्रकाश मौर्य, पृथ्वीराज सिंह, ज्ञान प्रकाश, चिरौंजी लाल, पवन धवन, पूनम धवन, नैंसी, विश्वमोहिनी, लक्ष्मी, अलका, मैना, सुकरानी, मनोरमा आदि मौजूद रहे।

युवक को दुकान में खींचकर पीटा, वीडियो वायरल

खुटार, अमृत विचार: नगर के मोहल्ला पश्चिमी गढ़ी निवासी ओमप्रकाश का पुत्र देवेंद्र भारती ने पुलिस को बताया कि वह चार अक्टूबर की रात करीब 8:45 बजे खुटार-गोला रोड स्थित देशी शराब की दुकान पर शराब लेने गया था। लेकिन सेल्समैन ओवररेट में शराब दे रहा था। विरोध करने पर सेल्समैन जातिसूचक गाली-गलौज कर दुकान के अंदर खींच ले गया और चप्पलों, लात-घुसो से पिटाई की। मौजूद लोगों ने घटना की वीडियो मोबाइल में कैद कर ली और वायरल कर दी। आरोप है कि सेल्समैन ने उसकी जेब से 750 रुपये निकाल लिए व 25 हजार रुपये कीमत का मोबाइल फोन तोड़ दिया। पिटाई से देवेंद्र के शरीर में गुम चोटें आई हैं। रात को ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और दोनों सेल्समैन को पकड़ कर थाने ले आई थी और पूछताछ की। रविवार को दोनों पक्षों में समझौता हो गया। थाना प्रभारी आर के रावत ने बताया कि दोनों पक्षों का आपस में समझौता हो गया है। किसी भी पक्ष ने कार्यवाही के लिए तहरीर नही दी है।

अमरदीप उपाध्यक्ष और अंकुश व आशीष बने सचिव

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: सहयोग की मासिक बैठक सिंधौली मंडल के पिंड मुड़िया पवार में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता संस्था के वरिष्ठ सलाहकार वायु सेना के पूर्व कर्नल प्रमोद गुप्ता ने की। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को समझाया कि संगठन के अच्छे कार्यों को किस तरह आगे बढ़ाया जाए और रास्ते में आने वाली कठिनाइयों का सामना कैसे किया जाए।

संस्था के संरक्षक अनिल गुप्ता, प्रधान ब शाहनवाज खां ने कहा कि यदि हम किसी 80 वर्ष के बुजुर्ग के अनुभव को जानना चाहें तो 80 वर्ष का अनुभव 80 मिनट में उनके पास बैठकर प्राप्त किया जा सकता है, जबकि इसे खुद अनुभव करने के लिए हमें 80 वर्ष जीना पड़ेगा। इसलिए जीवन में बुजुर्गों की छत्रछाया अति आवश्यक है।

बैठक में नए पदाधिकारियों को माला पहनाकर दी बधाई। ● अमृत विचार

- सहयोग संस्था की बैठक में बुजुर्गों के अनुभव से लिया जीवन में सीखने का संदेश

बैठक में संस्था का विस्तार करते हुए अमरदीप सिंह को उपाध्यक्ष और अंकुश गुप्ता व आशीष शुक्ला को सचिव पद का कार्यभार सौंपा गया। सभी पदाधिकारियों ने उन्हें माला पहनाकर बधाई दी। अध्यक्ष रजनी गुप्ता, महासचिव विकास सक्सेना और कोषाध्यक्ष महेंद्र दुबे ने बताया कि संस्था की बैठक हर माह अलग-अलग स्थानों पर संपन्न होती है। बैठक के समापन पर सभी पदाधिकारियों ने मिलकर पौधारोपण किया, जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी साझा किया गया। इस अवसर पर संस्था की डायरेक्टर शालू यादव, सुमन गुप्ता, संगीता गुप्ता, शिवम वर्मा, सचिन, सवाब, मोहित कुमार व अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अमृत विचार
बरेली, सोमवार,6 अक्टूबर 2025
शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

डॉ. अनुराग को एटा में मिलेगा सम्मान

शाहजहांपुर, अमृत विचार : प्रकाश सेवा समिति एटा के द्वारा राम प्रकाश भारद्वाज की सप्तम पुण्यतिथि पर आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में एसएस कॉलेज के उप प्राचार्य एवं वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. अनुराग अग्रवाल को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सहायक निदेशक उच्च शिक्षा प्रो. बीएल शर्मा, ध्रुव पाल, संयुक्त सचिव गृह विभाग, प्रो अश्विनी गोयल पूर्व संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा, प्रो ओमप्रकाश राय प्राचार्य बरेली कॉलेज बरेली, एडीएम एटा, सीडीओ एटा, डीआईओएस एटा, बीएसए एटा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे।

युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर दी जान

शाहजहांपुर, अमृत विचार : बंडा क्षेत्र में एक युवक पारिवारिक कलह को लेकर जहरीला पदार्थ खा लिया। परिवार वालों ने उसे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। बंडा थाना क्षेत्र के गांव ढुकरी बुजुर्ग निवासी 34 वर्षीय दयाराम शनिवार की शाम शराब पीकर घर पर आया था। पत्नी ने शराब पीने का विरोध किया। इस दौरान उसकी पत्नी से कहासुनी हो गयी। उसने गुस्से में आकर जहरीला पदार्थ खा लिया। परिवार वालों ने उसे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया। इलाज के दौरान उसकी रात में मौत हो गयी। मृतक के साले लेखराम ने बताया कि दयाराम शराब के आदी थे और मजदूरी करते थे। उसके बहनोई का उसकी बहन से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गयी।

धान का भाव पूछने गए किसान की बाइक चोरी

जलालाबाद, अमृत विचार : गांव सिकंदरपुर अफगान निवासी राजेन्द्र पुत्र रामचन्द्र सुबह करीब 9 बजे अपनी बाइक से उत्पादन मंडी समिति जलालाबाद पहुंचे थे। वे आढ़ती भूरे उर्फ कृष्णपाल से धान के रेट पूछ रहे थे। थोड़ी देर बाद जब लौटे तो मोटरसाइकिल गायब थी।

नारी शक्ति की महत्ता बताने को बालिकाओं ने किया सप्त शक्ति संगम

बालिकाओं ने रानी लक्ष्मीबाई और रानी दुर्गावती का रूप धारण कर बढ़ाया कार्यक्रम का उत्साह

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः समाज में नारी सशक्तिकरण और समृद्ध भारत के निर्माण के संकल्प को ध्यान में रखते हुए रविवार को शांति देवी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हथौड़ा में 'सप्त शक्ति संगम' कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम प्रातः 11 बजे शुरू हुआ और पूरे दिन समाज सुधार, नारी सशक्तिकरण और राष्ट्रीय विकास की विचारधारा से ओत-प्रोत रहा।

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में नारी शक्ति की भूमिका को सम्मान देना, बालिकाओं को सशक्त बनाना और सामाजिक जागरूकता फैलाना था। इस अवसर पर अध्यक्ष अध्यापिका ममता, मुख्य अतिथि विनोबा सेवा आश्रम बनतारा की विमला बहन और आरएसएस की महानगर बौद्धिक प्रमुख मुख्य वक्ता

कार्यक्रम में प्रस्तुति देती छात्रा।

मंजुला बाथम ने अपने विचार साझा किए और उपस्थित लोगों को प्रेरित किया।

कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली महिलाओं को मंच पर आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। बालिकाओं ने रानी लक्ष्मीबाई, रानी दुर्गावती और अहिल्याबाई का स्वरूप धारण कर नाट्य प्रस्तुतियां दीं, जिससे

- बालिकाओं ने नारी सशक्तिकरण और देशभक्ति का संदेश भी दिया

उपस्थित दर्शकों में उत्साह और ऊर्जा भर गई।

प्रस्तुतियों के माध्यम से बालिकाओं ने नारी सशक्तिकरण और देशभक्ति का संदेश भी दिया। कार्यक्रम का संचालन संजय विद्या मंदिर की आचार्या विनीता यादव और गरिमा चौरसिया ने संयुक्त रूप से किया। साथ ही स्वाति सक्सेना, प्रियंका श्रीवास्तव, उमा श्रीवास्तव, अनुभा शुक्ला, सृष्टि, दिव्या मिश्रा और अदिति यादव सहयोगी आचार्या के रूप में कार्यक्रम में सक्रिय रहीं। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि बालिकाएं राष्ट्र का भविष्य हैं, उन्हें शिक्षा और संस्कार के माध्यम से सशक्त बनाना ही असली समाज सेवा है। नारी केवल परिवार ही नहीं, पूरे समाज की धुरी है। उसका सम्मान ही समृद्ध भारत की नींव है। आज की नारी हर क्षेत्र में अग्रणी है, हमें उसकी क्षमता को और बढ़ावा देना होगा ताकि राष्ट्र का विकास तेज गति से हो।

कार्यक्रम के अंत में संजय विद्या मंदिर की आचार्या स्नेहलता श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम का समापन किया। इस अवसर पर संजय कुमार सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य सौरभ वार्ष्णेय, उपप्रधानाचार्य बसंत कुमार त्रिवेदी और शांति देवी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक कुमार व्यवस्था प्रमुख के रूप में उपस्थित रहे।

संजय कुमार सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के तत्वावधान में सम्पन्न इस आयोजन को प्रेरणादायी और ऐतिहासिक बनाने में विद्यालय परिवार की सक्रिय भूमिका रही।

नाभि में बाण लगते ही गिरा दशानन

खुदागंज, अमृत विचारः आदर्श रामलीला कमेटी द्वारा नगर में आयोजित रामलीला मेले में रविवार को रावण वध लीला का शानदार मंचन किया गया। रावण वध देखने के लिए क्षेत्र के दर्जनों गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

लीला में राम और रावण के बीच भीषण युद्ध हुआ। इसके उपरांत विभीषण ने रावण की कमजोरी का भेद बताते हुए भगवान राम को संकेत दिया। राम ने एक साथ बाण छोड़े, जो रावण की नाभि पर लगे। बाण लगते ही रावण धराशाई हो गया। इस दौरान भगवान शिव का ध्यान भी टूट गया। मंचन के समापन पर जोरदार आतिशबाजी और "जय श्री राम" के जयघोष के बीच रावण वध का दृश्य पूरी भव्यता के साथ प्रदर्शित किया गया। रावण वध के बाद पुतले में आग लगाई गई। बड़ी संख्या में लोग पुतले में लगी अधजली लकड़ी और राख बटोरने लगे। ऐसा माना जाता है कि इस लकड़ी और राख को घर में रखने से बुरी शक्तियों का प्रवेश नहीं होता। लोग इसे अपने घर ले जाकर इसे धार्मिक मान्यता के अनुसार सुरक्षित रखते हैं।

पोस्टमार्टम हाउस मार्ग जर्जर शवों के टांके टूटने का डर

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- वाहन पलटा तो नहर में गिरेगा, सड़क से वाहन निकालना मुश्किल

अमृत विचारः पोस्टमार्टम हाउस जाने वाली सड़क की जर्जर हालत है। यदि वाहन पलटा तो नहर या खाई में गिर जाएगा। वाहन के हिचकोले से पोस्टमार्टम के बाद शव के शरीर में लगे टांके टूटने का डर रहता है। डॉक्टर व स्टाफ आदि को आने-जाने में दिक्कत होती है। चार माह से सड़क जर्जर हालत में है। नगर निगम सड़क की मरम्मत कराने में सुध नहीं ले रहा है।

शहर से पांच किमी दूर डैम से कुछ दूरी पोस्टमार्टम हाउस बना हुआ है। पोस्टमार्टम हाउस से एक सड़क मेडिकल कालेज के सामने मुख्य सड़क से मिलती है। दूसरा रोड ककरा गर्रा पुल की तरफ जाती है। डैम से पोस्टमार्टम हाउस तक सड़क जर्जर हालत में है। सड़क जगह-जगह उखड़ गई है और गड्ढे हो गए है। सड़क से वाहन निकालना मुश्किल हो गया है। सड़क करीब दो किमी तक जर्जर हालत में है। बताते है कि दो साल पहले नगर निगम ने यह सड़क बनवाई थी।

दो साल में ही सड़क उखड़ गई है। पोस्टमार्टम के बाद परिवार वाले शव को वाहन से लेकर अपने घर जाते है। वाहन के हिचकोले से यह डर रहता है कि शव के शरीर में लगे टांके कही टूट न जाए। यदि वाहन पलटा तो सड़क के किनारे खाई और नहर में पलटने का डर रहता है। डॉक्टर और स्टाफ को वाहन से आने-जाने में काफी दिक्कत होती है। स्टाफ ने इस संबंध में सड़क की मरम्मत के लिए सीएओ को अवगत करा चुके है।

इसके अलावा निर्माणाधीन नगर निगम कार्यालय रोड पर बाढ़ के पानी से सड़क कट गयी थी। नगर निगम ने सड़क को बनवाने की जरूरत तक नहीं समझी है। सहायक नगर आयुक्त एसके सिंह ने बताया कि सड़क की शीघ्र मरम्मत कराई जाएंगी।

ससुराल वालों के खिलाफ रिपोर्ट

शाहजहांपुर, अमृत विचारः रोजा थाना क्षेत्र के गांव डींगरपुर असलानी निवासीराबिया ने रोजा थाना में रिपोर्ट दर्ज करायी है कि उसकी शादी जिबराइल निवासी सिरसा थाना पिहानी जिला हरदोई के साथ हुई थी। उसके मायके वालों ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार दहेज दिया था। दहेज से ससुराल वाले संतुष्ट नहीं थे। ससुराल वालों ने उससे कहा कि मायके से बुलेट मोटर साइकिल मंगाकर दो।

नवजात मृत्यु दर कम करने को कार्यशाला आयोजित

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः भारतीय बाल अकादमी की ओर से संचालित नवजात शिशु में जन्म के वक्त सांस न आने पर कृत्रिम सांस देकर स्वांस क्रिया शुरू करने व नवजात शिशु मृत्युदर कम करने के लिए बालरोग विशेषज्ञ, रेजिडेंट डाक्टर, मेडिकल आफीसर व स्टाफ नर्स की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन मेडिकल कॉलेज परिसर में किया गया।

कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों को नवजात शिशु में जन्म के वक्त स्वशन क्रिया स्वतः आरम्भ न होने पर उनको कृतिक स्वांस देकर उनकी स्वतः स्वांस क्रिया कैसे शुरु हो की ट्रेनिंग दी गई। इस ट्रेनिंग में नवजात शिशुओं की जान बचाने व जन्म के वक्त स्वतः सांस न आने पर दिमाग में आने वाली कमी से बचाने में मदद मिलेगी। ट्रेनिंग के

जानकारी देते बाल रोग विशेषज्ञ।

उपरांत प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार ने प्रतिभागियों को सार्टीफिकेट वितरण किए। डा सत्येंद्र कुमार व डॉ. ऋतुराज शास्त्री ने कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यशाला में ट्रेनर के रुप में प्राचार्य डा राजेश कुमार, बुलंदशहर के मेडिकल कालेज से डा ब्रजेंद्र सिंह, रुहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज से डॉ. प्रीति लता राय, मेडिकल कालेज के डॉ. अखिलेश कुमार ने प्रतिभाग किया।

माध्यमिक विद्यालयों में कराए जागरुकता कार्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः मिशन शक्ति 5.0 विशेष अभियान के अंतर्गत जनपद के समस्त माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने अध्यनरत बालिकाओं को महिला सुरक्षा और लैंगिक समानता के विषय पर कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें जागरूक करने के लिए महिला सुरक्षा और लैंगिक समानता पर आधारित लघु फिल्में भी बालिकाओं को दिखाई गई। बालिकाओं की सुरक्षा करना आजकल के माहौल में अत्यंत आवश्यक है, जिसके लिए सरकार ने व्यक्तिगत, सामाजिक, डिजिटल और सरकारी स्तर पर कई प्रकार की सुविधाएं दी हैं।

बालिकाओं को मोबाइल में सुरक्षा एप्स और सरकार द्वारा दिए गए आपातकालीन नंबर जैसे पुलिस 112, महिला हेल्पलाइन 1091, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 का प्रयोग करके अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती हैं और

एबी रिच इंटर कॉलेज में महिला सुरक्षा एवं लैंगिक समानता पर लघु फिल्म देखतीं छात्राएं। ● अमृत विचार

- मिशन शक्ति-5.0 : बालिकाओं को महिला सुरक्षा और लैंगिक समानता के विषय में समझाया

सरकार को भी सार्वजनिक स्थान पर पुलिस की गस्त बढ़ानी चाहिए। सीसीटीवी कैमरा संवेदनशील स्थलों पर लगाए जाने चाहिए, जिससे बालिकाएं सुरक्षित रह सकती हैं। विनोबा भावे इंटर कालेज कांठ, राजकीय हाई स्कूल बरीलालपुर निगोही, राजकीय हाई स्कूल साहमपुर, एबी रिच इंटर कालेज शाहजहांपुर, राजकीय हाई स्कूल ढका घनश्याम बंडा, राजकीय हाई स्कूल परसोना खलीलपुर, सेठ सियाराम इंटर कालेज जलालाबाद, श्री मकरंद सिंह इंटर कालेज कलान, राजकीय हाई स्कूल नौसना खुदागंज, राजकीय हाई स्कूल सिंघापुर पनई, के विद्यालय की छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

डा. सुदामा प्रसाद इंटर कालेज, रेती में पर्सनल सेफ्टी अवेरनेस थीम के सम्बंध में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला मिशन कोऑर्डिनेटर अमृता दीक्षित ने स्कूली छात्राओं को हेल्पलाइन नम्बरों 1098, 112, 1090, 181, के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यदि आप लोगों को विद्यालय आते समय किसी व्यक्ति द्वारा किसी भी प्रकार से परेशान किया जाता है या रोजाना आने में किसी भी प्रकार से कोई बाधा बनता है तो आप लोग चाइल्ड हेल्पलाइन पर शिकायत कर सकते हैं।

कार्यक्रम में प्रधानाध्यापिका उज्जवल शुक्ला, ज्योत्सना द्विवेदी, शैलजा मिश्रा, शालिनी अग्निहोत्री, रहमान जहां, सदफ खान, रिचा त्रिवेदी, नील वर्मा, सतीश राठौर, अभिषेक सक्सेना, विनीत त्रिपाठी उपस्थित रहे।

सकारात्मक सोच पैदा करना हमारी जिम्मेदारी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर।

अमृत विचारः सद्भावना मंच जमीअतुल उलेमा की ओर से प्रोफेसर सय्यद मोहम्मद नोमान की अध्यक्षता में समस्या का समाधान संवाद विषय पर कार्यक्रम का आयोजन ईडन पब्लिक स्कूल झंडाकलं शाहजहांपुर में हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि कमल किशोर कठेरिया ने कहा कि समाज में फैल रही नफरतों को रोकने के लिए हम सबको एकजुट होकर कार्य करने की आवश्यकता है। नौजवान पीढ़ी के लिए सकारात्मक सोच को पैदा करना हम सब की जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रोफेसर सय्यद मोहम्मद नोमान ने कहा कि जमात-उल-महीन के अध्यक्ष मौलाना सैयद महमूद असद मदनी के द्वारा सद्भावना मंच

सद्भावना मंच जमीअतुल उलेमा के कार्यक्रम में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

इस बात के लिए प्रयासरत है कि समाज में फैल रही विसंगतियां तथा मतभेदों को कम करने के लिए सबको मिलजुल कर काम करना है। प्रोफेसर नोमान ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को आपस में समन्वय स्थापित करने की कोशिश करना चाहिए। इस दौरान डा. विकास खुराना, आदर्श पांडे, प्रवीण कपिल, मनोज मिश्रा, रूपक श्रीवास्तव, एमपी सिंह चौहान, राजू बग्गा, दिवेश त्रिपाठी, शाश्वत मिश्रा, मौलाना इमरान आफाक खान, मसूद, अमित त्यागी, स्वप्निल यादव, गोपाल अग्निहोत्री, वीरपाल, अयूब प्रिंसिपल इस्लामिया इंटर कालेज, फखरे आलम प्रिंसिपल चकजो इंटर कॉलेज, सैयद कासिम रजा, सैयद रिजवान अहमद ने अपने विचारों को व्यक्त किया।

डॉ. नागेश को मिला 'सुरेंद्र वर्मा साहित्य आलोचना सम्मान'

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः जनपद के सुप्रसिद्ध बाल साहित्यकार डॉ. नागेश पांडेय संजय को हरियाणा के सिरसा में आयोजित अखिल भारतीय बाल साहित्य सम्मेलन में सुरेंद्र वर्मा अखिल भारतीय बाल साहित्य आलोचना सम्मान से सम्मानित किया गया।

बाल साहित्य आलोचना के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें यह सम्मान दिया गया। इस अवसर पर प्रख्यात लेखक राजकुमार निजात, समाजसेवी शांति स्वरूप, चांद वर्मा और ललित जैन ने उन्हें प्रशस्ति पत्र, प्रतीक चिह्न, अंगवस्त्र और 3100 रुपये भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए बाल साहित्यकारों ने भाग लिया। डॉ. नागेश

सम्मान ग्रहण करते डॉ. नागेश पांडेय संजय।

पांडेय संजय 40 वर्षों से बाल साहित्य लेखन में निरंतर सक्रिय हैं। उनकी 50 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। उन्होंने बाल साहित्य आलोचना के क्षेत्र में 'बाल साहित्य के प्रतिमान', 'बाल साहित्य सृजन और समीक्षा' तथा 'बाल साहित्य का शंखनाद' जैसे महत्वपूर्ण ग्रंथों की रचना की है। डॉ. नागेश को जनपद के शिक्षाविदों, साहित्यकारों एवं साहित्य प्रेमियों ने उन्हें बधाई दी है।

रसिया खानपुर में नहीं तलाश पा रहे बीमारी की वजह

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : बुखार से तपते रसिया खानपुर गांव में स्वास्थ्य लगातार कैंप कर रहा है, लेकिन अभी तक जिम्मेदार बुखार फैलने की असल वजह तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। उनकी मानें तो डेंगू, मलेरिया और टाइफाइड की जांच नेगेटिव आ रही है।

बुखार का संक्रमण कैसे फैला इस पर संशय बना हुआ है? हालांकि दूसरी ओर गांव में फैली गंदगी और दूषित पेयजल को वजह माना जा रहा है। इसको लेकर जिम्मेदारों ने 30 घरों का सर्वे कर वहां से पानी का सैंपल लेकर उसकी जांच कर रहे हैं। जिसकी रिपोर्ट आने में करीब 48 घंटे लगेंगे। मगर गांव की हालत अब भी बुखार की तपिश में झुलस रही

- बुखार से चार लोगों की मौत का मामला, 350 से अधिक सैपलिंग भी नेगेटिव होने का दावा

> रसिया खानपुर में अब स्थिति कंट्रोल में है। यहां बुखार की चेन क्यों बनी इसको लेकर तमाम जांच चल रही है। डेंगू, मलेरिया और टाइफाइड की जांच नेगेटिव आई है। इसलिए अब पानी में बैक्टीरिया तो नहीं है। इसलिए 30 घरों से पानी का सैंपल लेकर जांच को भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी – **पंकज द्विवेदी,** जिला मलेरिया अधिकारी

है। बीसलपुर तहसील क्षेत्र के गांव रसिया खानपुर निवासी रामआसरे की 42 वर्षीय पत्नी सुनीता देवी, गांव के नाजिम हुसैन के चाचा 75 वर्षीय चाचा इजरातुल्ला चिश्ती और शौकत हुसैन की 24 वर्षीय बहन तसरुम और सात दिन पहले जन्में एक नवजात की मौत हो गई थी।

रिद्धिमा बनी जिला सहकारी बैंक में एक दिन की चेयरमैन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः सीबीएसई बोर्ड हाई स्कूल की ऑल इंडिया सेकंड टॉपर रिद्धिमा गुप्ता एक दिन के लिए जिला सहकारी बैंक की चेयरमैन बनीं। इस अवसर पर बैंक सभापति डीपीएस राठौर ने उनका रजिस्ट्रेशन कर बुके देकर स्वागत किया और अपनी सीट पर आसीन किया। रिद्धिमा ने प्रबंध समिति के साथ बैठक कर सदस्यता अभियान, प्रधान कार्यालय के पुनरुद्धार, ऑडिट, कर्मचारियों को दिए गए बोनस और बैंक की कार्यपद्धति पर विस्तृत समीक्षा की।

नवनियुक्त सभापति रिद्धिमा गुप्ता ने बैंक में चल रही योजनाओं, सदस्यता अभियान, मुख्यालय की मरम्मत एवं नवीनीकरण, पैक्स कंप्यूटराइजेशन की प्रगति और प्रदेश स्तर पर सहकारी सदस्यता अभियान में सर्वाधिक सदस्य बनाने की योजना

जिला सहकारी बैंक में एक दिन की चेयरमैन रिद्धिमा गुप्ता प्रबंध समिति के साथ बैठक करती। ● अमृत विचार

पर प्रबंध समिति के साथ विचार-विमर्श किया। सभी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास किए गए। मिशन शक्ति 5.0 के तहत रिद्धिमा ने महिलाओं के लिए लाडली बहन महाबचत योजना का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह योजना बहनों की शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

- मिशन शक्ति के तहत महिलाओं के सशक्तिकरण का संदेश

उन्होंने सभी महिलाओं से अपील की कि सहकारिता एवं कृषि क्षेत्र से जुड़कर वे न केवल अपना बल्कि देश का भला भी कर सकती हैं। बैठक का संचालन मुख्य कार्यपालक अधिकारी सौरभ द्विवेदी ने किया। प्रबंध समिति के सदस्य सोनिया राठौर, अनीता प्रजापति, रत्ना गुप्ता, महिमा चौहान, कौसर फ़ातिमा, दिव्यांशी सिंह, अवनी गुप्ता, सना गुप्ता, अनन्या अग्निहोत्री, उपमहाप्रबंधक राजेश कुशवाहा, शकील अहमद, वरिष्ठ प्रबंधक पूर्णिमा और सिंपल यादव उपस्थित रहे। उपाध्यक्ष अजय प्रजापति ने बैठक में आभार व्यक्त किया।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

हर्षिल हॉस्पिटल
क्रिटिकल केयर एण्ड पेन सेन्टर
डॉ. हिमांशू वर्मा
MBBS, MD, FICM, FIPM
क्रिटिकल केयर एवं पेन फिजिशियन
Advanced ICU & OT 24x7 Emergency Operation | TPA/कैशलेस की सुविधा उपलब्ध
पताः- प्लाट नं. 4 राघव पेट्रोल पम्प के सामने, बुखारा, बरेली
Mob : 9458702280, 8937810741

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

न्यूज ब्रीफ

महेश बाल कॉलेज में लगी विज्ञान प्रदर्शनी

बिल्सी, अमृत विचार : नगर बिल्सी के कछला रोड स्थित श्री महेश बाल विद्या मन्दिर इंटर कॉलेज में कक्षा 10, 11 और 12 के छात्र-छात्राओं ने भौतिक विज्ञान व रसायन विज्ञान विषण की विज्ञान प्रदर्शनी लगी। निर्णायक मण्डल में सैदपुर के सय्यद महाविद्यालय के शिक्षक हिरदेश कुमार और अभय चौहान ने प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। छात्र-छात्राओं से बनाए गए मॉडल पर प्रश्न किए। विद्यालय प्रबन्ध समिति के सदस्य मुकुल मालपाणी ने एवं प्रधानाचार्य डॉ. रोहताश कुमार, उप प्रधानाचार्य आलोक सक्सेना छात्र-छात्राओं का उत्साह वर्धन किया। इस मौके पर विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

मंदिर में साप्ताहिक सत्संग का किया आयोजन, जुटे भक्त

बिल्सी, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के गांव गुधनी स्थित प्रज्ञा यज्ञ मंदिर में आर्य समाज का साप्ताहिक सत्संग आयोजित किया गया। वैदिक विदुषी आचार्य तृप्ति शास्त्री ने यज्ञ कराया। वैदिक विद्वान आचार्य संजीव रूप ने कहा कि मनुष्य को अपने कर्मों का फल अवश्य भोगना होता है। यदि आप धनवान माता-पिता के घर पैदा होते हैं अथवा माता-पिता की कमाई संपत्ति आपको मिलती है तो यह आपको यूं ही नहीं मिल गई, यह इसलिए मिली है क्योंकि पिछले जन्म में आपने धन का सदुपयोग किया, दान किया, परोपकार किया मेहनत और ईमानदारी से धन कमाया। इसके विपरीत यदि आप दरिद्र माता-पिता के घर में जन्म लेते हैं और माता-पिता के ऊपर चढ़े ऋण को उतारते रहते हैं तो इसका सीधा अर्थ होता है आपने पिछले जन्म में घोटाला किया है। लोगों को लूटा, छल कपट किया, बेईमानी की। मनुष्य सुखी और दुखी ग्रहों के कारण नहीं होता अपने अच्छे बुरे कर्मों के कारण होता है। तृप्ति आर्य ने कहा कि कितने दु:ख का विषय है कि राम रावण को भी अब जाति से मान रहे है। इस देश में ही कुछ लोग राम के पुतले जला रहे हैं और कुछ लोग कह रहे हैं कि रावण ब्राह्मण था अत: रावण के पुतले को नहीं जलाना चाहिए। सच यह है कि रावण अन्याय का प्रतीक है और राम न्याय तथा पवित्रता के। इस मौके पर मुख्य रूप से मोना रानी, अगरपाल सिंह, राकेश आर्य, सत्यम आर्य, सूरजवती देवी, संतोष कुमारी आदि मौजूद रहे।

कुफरी बहार, कुफरी ख्याति, चिप्सोना और अन्य कई प्रजातियों को किया शामिल

शासन से मांगा आलू का एक हजार क्विंटल बीज

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- उद्यान विभाग ने भेजी मांग, जल्द ही किसानों को मुहैया कराया जाएगा आलू का बीज

अमृत विचार : किसान आलू की फसल बुवाई के लिए खेतों को तैयार करने में लग गए हैं। वहीं उद्यान विभाग भी किसानों को उन्नत बीज उपलब्ध कराने की तैयारी में जुट गया है। उद्यान विभाग ने एक हजार क्विंटल आलू बीज की मांग करते हुए शासन में डिमांड भेजी है। विभाग द्वारा कुफरी बहार आलू की सर्वाधिक डिमांड होने के कारण अधिक बीज मांगा है, ताकि किसानों को पर्याप्त मात्रा में आलू बीज मुहैया हो सके। पिछले साल विभाग ने 800 क्विंटल बीज की मांग की थी, लेकिन पर्याप्त मात्रा में बीज उपलब्ध न होने के कारण किसानों को बाजार से खरीदारी करनी पड़ी थी।

जनपद में आलू की पैदावार करीब 27 हजार हेक्टेयर भूमि पर की जाती है, लेकिन उद्यान विभाग का लक्ष्य 14 व 15 हजार हेक्टेयर भूमि का रहता है। चिप्स में प्रयोग होने वाले चिप्सोना आलू का उत्पादन भी जिले में भारी मात्रा में होता है। लेकिन काफी कम उत्पादन होने के कारण इस ओर आलू उत्पादक किसानों का रुझान अधिक नहीं रहता। जबकि कुफरी बहार की पैदावार अच्छी होने के कारण किसान इसी बीज की डिमांड सबसे अधिक करते हैं।

यही कारण है उद्यान विभाग की ओर से इसी आलू की डिमांड सबसे अधिक की जाती है। उद्यान विभाग की ओर से इस बार एक हजार क्विंटल आलू बीज की डिमांड की गई है। इसमें कुफरी बहार, कुफरी ख्याति, चिप्सोना के साथ ही अन्य कई प्रजातियों के बीज को भी शामिल किया है। गत वर्ष विभाग द्वारा एक हजार क्विंटल आलू के बीज डिमांड विभाग द्वारा शासन से एक हजार क्विंटल के लिए की गई थी। परंतु विभाग को मात्र 800 क्विंटल ही बीज मिल सका था। इस वजह से आलू का उत्पादन करने वाले किसानों को बाजार से बीज की खरीदारी करनी पड़ी थी। इस बार भी अगर विभाग को डिमांड के अनुसार बीज उपलब्ध नहीं होता तो किसानों को बाजार का रुख करना पड़ सकता है।

> जिले में करीब 15 हजार हेक्टेयर भूमि पर आलू की उपज होगी। इसके लिए लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हुई है। किसानों के आलू बीज डिमांड को ध्यान में रखते हुए इस बार एक हजार क्विंटल आलू बीज की मांग करते हुए शासन में डिमांड भेजी है। कुफरी बाहर के साथ अन्य प्रजाति के आलू का बीज मांगा है।
> – **सुनील कुमार**, जिला उद्यान अधिकारी

मेला देखने गया किशोर लापता गुमशुदगी दर्ज

विजय नगला, अमृत विचार :

थाना मूसाझाग क्षेत्र के गांव पुनाऊ निवासी रामऔतार ने शिकायती पत्र देकर बताया कि 3 अक्टूबर शाम 6 बजे उनका 14 साल का भतीजा अर्जित पुत्र चरन सिंह रामलीला का मेला देखने की बात कहकर घर से गया था, लेकिन अगले दिन तक घर नहीं लौटा तो परिजनों को चिंता हुई। रिश्तेदारी में किशोर की तलाश की लेकिन किशोर का कहीं पता नहीं चला तो किशोर के चाचा ने पुलिस को सूचना दी। परिजनों का कहना है कि किशोर कहीं नहीं जाता था लेकिन वह मेला देखने की बात कहकर गया। परिजनों ने किशोर के अपहरण की आशंका जताई। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

ट्रांसफार्मर की केबल जलने से गुल हुई बिजली

ओरछी, अमृत विचार : ट्रांसफार्मर की केबल जल जाने से गांव की बिजली सप्लाई ठप पड़ी है। जिसे सही कराने की मांग ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से की है।

थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव सिसरका स्थित बड़ी होली बारात घर के समीप ट्रांसफार्मर की केबल जल गई। जिससे मोहल्ले की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। बिजली सप्लाई बंद होने से लोगों के घर में पानी की किल्लत होने लगी हैं। उन्हें अंधेरे में रात गुजारनी पड़ रही है। गांव निवासी श्याम सिंह, रवि शर्मा, नंदराम, सर्वेश कुमार, तालेवर, सुखबीर, भगवानदास, निर्मल चंद, राजपाल, इतवारी लाल, रामकिशोर, राकेश शर्मा, प्रेम किशोर, गुड्डू, सोनू, बिजेंद्र सिंह, राजपाल, चंद्रभान, आदि ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को शिकायत जनसुनवाई के माध्यम से दर्ज कराई है। साथ ही आरोप लगाया है कर्मचारी ट्रांसफार्मर सही करने के लिए दो हजार की मांग कर रहे हैं।

खराब ट्रांसफार्मर दिखाते ग्रामीण।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर बनेंगे रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

सिस्टम लगाने के लिए चयनित किए 50 आंगनबाड़ी केंद्र

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- बारिश के पानी का सदुपयोग व भूजल स्तर में होगी वृद्धि
- जिला कार्यक्रम एवं पुष्टाहार विभाग को शासन से निर्देश

अमृत विचार : गिरते भू गर्भ जल को लेकर शासन चिंतित है। इसको ध्यान में रखते हुए शासन स्तर से जिला कार्यक्रम एवं पुष्टाहार विभाग को आंगनबाड़ी केंद्रों पर जल संचयन और संरक्षण की व्यवस्था के निर्देश मिले हैं। इसकी कवायद करते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने का प्रयास शुरू हो गया है। इन्हीं प्रयासों के बीच जिले में 50 आंगनबाड़ी केंद्र चयनित किए हैं। इनका चयन जल निगम विभाग द्वारा किया गया है। जल्द ही इनमें रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए जाएंगे।

आंगनबाड़ी केंद्रों की छतों और परिसरों से वर्षा जल एकत्र करने के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए जाएंगे। इसके लिए आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को जिला कार्यक्रम विभाग प्रशिक्षित करेगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी के अनुसार जिले में 2940 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं। इनमें से 2500 से अधिक आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां कार्यरत हैं।

इनमें शून्य से छह साल के बच्चों को शिक्षा के साथ ही उनके स्वास्थ्य के बारे में बताया जाता है। वहीं अब आंगनबाड़ी केंद्रों पर जल संचयन के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाया जाएगा। विभागीय अधिकारी की मानें जल विभाग के द्वारा जिले में 50 आंगनबाड़ी केंद्र चयनित किए गए हैं। इनके माध्यम से बारिश के पानी का सदुपयोग हो सकेगा। साथ ही भूजल स्तर में वृद्धि हो सकेगी। तथा आंगनबाड़ी पोषण वाटिका की सिंचाई भी संभव जाएगी। जिससे पोषण वाटिका हर समय हरी भरी रहेगी।

> जिले में संचालित 2940 आंगनबाड़ी केंद्रों में से 50 पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने की योजना तैयार की गई है। जल निगम की ओर से केंद्रों का चयन कर लिया गया है। जल्द ही उनमें सिस्टम लगाया जाएगा।
> – **पीके सिंह**, जिला कार्यक्रम अधिकारी

जल संरक्षण का दिया जाएगा संदेश

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने का उद्देश्य वर्षा जल का कुशल उपयोग करना और सामुदायिक स्तर पर जल संरक्षण का संदेश ग्रामीण लोगों को देना है। आंगनबाड़ी कार्यकत्री और सहायिकाएं बच्चों और ग्रामीण महिलाओं को जल संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक करेंगे। जिससे जल की बर्बादी रुकेगी और भूजल स्तर में सुधार होगा।

जमीन की रंजिश में मारपीट, चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

विजय नगला, अमृत विचार :

जमीनी विवाद में दबंगों ने युवक के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। चार आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

थाना बिनावर कस्बा बिनावर निवासी मुंशीलाल पुत्र गंगा लाल गुप्ता ने तहरीर देकर बताया कि गांव ददमई निवासी अवनीश, जागन, बुधपाल, विजलाल, से उनका जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। शनिवार को सुबह करीब 8 बजे वह अपने घर पर थे। जमीन के विवाद को लेकर वह लोग आए और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर उन्होंने मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर मोहल्ले के लोग आ गए। हमलावर जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज करके आगे की जांच की जा रही है।

विशेष संचारी रोग अभियान शुरू

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : विशेष संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान का आरंभ रविवार को हो गया। सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता व सीएमओ डॉ. रामेश्वर मिश्रा ने जागरुकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

शासन के निर्देश पर रविवार से 31 अक्टूबर तक विशेष संचारी अभियान चलाया जाएगा, जबकि 11 से 31 अक्टूबर तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा। अभियान शुरू करने से पहले शनिवार को जागरुकता रैली निकाली गई। रैली पूरे शहर में भ्रमण करती हुई सीएमओ कार्यालय पर ही समाप्त हुई। इस मौके पर मुख्य अतिथि सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता ने कहा कि सरकार की मंशा है कि लोग स्वयं जागरूक रहें और अपने घर व आस पास स्वयं सफाई करते रहें जिससे संक्रामक बीमारियों से बचा जा सके। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामेश्वर मिश्रा ने कहा कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान में कई विभागों को शामिल किया गया है। सभी विभाग अपने स्तर से जागरुकता लाएंगे। सफाई के प्रति लोगों को जागरूक करेंगे। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. योगेश सारस्वत ने कहा कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान जागरूकता के लिए है। जहां सफाई होगी वहां मच्छर नहीं होंगे।

रैली को रवाना करते सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता व सीएमओ डा. रामेश्वर मिश्रा।

- सीएमओ व विधायक ने रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

शिक्षा विभाग निकालेगा जागरुकता रैली

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत शिक्षा विभाग अपने स्तर से जागरुकता रैली निकाली। इससे ग्रामीणों को इस अभियान के बारे में जानकारी हो सके। स्कूली बच्चे अपने अपने गांव में लोगों को अभियान के बारे में जानकारी देंगे और खुद साफ सफाई करने को प्रेरित करेंगे।

फंदे से लटका मिला महिला का शव

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- रविवार सुबह पति काम पर गया तो कमरे में लगाया फंदा

अमृत विचार : शहर निवासी एक महिला का शव उसके घर में फंदे से लटका मिला। सूचना मिलने पर मायका पक्ष पहुंचा। ससुरालीजनों पर आरोप लगाया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला ब्राह्मपुरा निवासी सूरज पुत्र कमल एक दुकान पर काम करके परिवार का पालन पोषण करते हैं। उनकी शादी साल 2020 में मधु के साथ हुई थी। सूरज के परिजनों के अनुसार वह शनिवार शाम दुकान से वापस लौट रहे थे। घर पर एक युवक को देखा था। सूरज ने विरोध करते हुए मधु (25) की फटकार लगा दी थी। सूरज ने पत्नी के मायके वालों को भी सूचना दी थी। रविवार सुबह लगभग 8 बजे सूरज काम पर चले गए। कुछ देर के बाद मधु का शव उनके घर पर फंदे पर लटका मिला। कुछ देर के बाद सुबह साढ़े 8 बजे सूरज की मां ने फोन करके सूचना दी कि मधु ने कमरे में फंदा लगा लिया है। सूचना मिलने पर पुलिस और मायका पक्ष पहुंचा।

कमरा भीतर से बंद था। कमरे की खिड़की तोड़कर शव बाहर निकाला। मायका पक्ष ने सूरज पर आरोप लगाया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया गया। परिजनों के अनुसार वह घर पर पकड़े गए युवक के खिलाफ तहरीर देंगे।

इसी खिड़की तो तोड़कर निकाला शव।

चोरी करने का एक आरोपी गिरफ्तार

बिल्सी, अमृत विचार : कोतवाली बिल्सी क्षेत्र के गांव सिरतोल निवासी मोर सिंह ने 26 अगस्त को घर में चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने रविवार को बिल्सी-बिसौली मार्ग से गिरधरपुर जाने वाले मार्ग पर चेकिंग के दौरान दो युवकों को रोका। एक युवक भाग गया, जबकि दूसरे को पकड़ लिया गया। उसके पास से एक जोड़ हाथ फूल, एक जोड़ी पाजेब, 4500 रुपये बरामद हुए। उसने अपना नाम कोतवाली बिसौली क्षेत्र के गांव शेखूपुरा निवासी नरेश उर्फ मझले बताया। उसने भागे हुए अपने साथी का नाम उसके गांव निवासी गिरीश उर्फ भगत बताया। पुलिस ने उसे जेल भेज दिया।

ढाई लाख में पार्किंग का ठेका 15 से होगा प्रभावी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : रेलवे स्टेशन का पार्किंग ठेका तीन साल पूर्व मात्र 45 हजार रुपये साल के हिसाब से किया गया था। वही ठेका अब दो लाख 40 हजार रुपये प्रति वर्ष के लिए किया गया है। ठेका महंगा होने के कारण पुराने ठेकेदार ने लेने से इन्कार कर दिया अब नए ठेकेदार ने ठेका लिया है, जो 15 अक्टूबर से अपना काम शुरू कर देगा। रेलवे प्रशासन का कहना है कि पार्किंग की जगह 800 वर्ग फुट हो गई है इसलिए ठेका महंगा हुआ है।

रेलवे स्टेशन पर वाहन पार्किंग ठेका 2021 में शुरू किया गया था। उस समय रेलवे के पास पार्किंग को पर्याप्त जगह नहीं थी। करीब 200 वर्ग फुट में पार्किंग की जा रही थी। इसके बाद रेलवे ने अपने कुछ भवन गिरा दिए। नया निर्माण कराया तो जगह और बढ़ गई। आरपीएफ पुलिस चौकी के पीछे पूरा मैदान हो गया। इसमें पार्किंग शुरू की जानी है। कुछ समय ये यहीं पर पार्किंग की जा रही है। रेलवे द्वारा तीन साल को वाहन पार्किंग का ठेका दिया जाता है। इस बार वाहन पार्किंग ठेका चार दिन पहले कर दिया गया। ठेका महंगा होने के कारण पुराने ठेकेदार ने वाहन पार्किंग ठेका लेने से इन्कार कर दिया। अब रवि कश्यप ने वाहन पार्किंग का ठेका लिया है।

उन्हें 2 लाख 40 हजार रुपए प्रति साल के हिसाब से ठेका लिया है। रेलवे के अनुसार ठेकेदार को एक साल की धनराशि जमा करनी होती है। रेलवे प्रशासन की ओर से बताया गया कि अब तक वाहन पार्किंग के लिए पर्याप्त जगह नहीं थी। इसलिए ठेका कुछ हजार में किया गया था। लेकिन अब रेलवे ने पार्किंग जगह बढ़ा दी है इसलिए ठेका भी महंगा हो गया है। इस बार भी तीन साल को ठेका दिया गया है जो 15 अक्टूबर से प्रभावी हो जाएगा।

प्लेटफार्म एक पर डाला जा रहा पत्थर। ● अमृत विचार

अंडरपास निर्माण से हो रही परेशानी

रेलवे स्टेशन और ओवरब्रिज के बीच नया अंडरपास तैयार किया जा रहा है। अंडरपास का निर्माण कार्य चलने से रेलवे कॉलोनी के लोगों को भारी परेशानी हो रही है। रेलवे प्रशासन द्वारा अंडरपास बनाने के काम में दर्जनों मशीनें लगी हैं। मिट्टी की खुदाई की जा रही है। जेसीबी रेलवे आवास कॉलोनी से होकर गुजरती है जिससे कर्मचारियों अधिकारियों को परेशानी होती है।

प्लेटफार्म एक पर डाला जा रहा पत्थर

अमृत भारत योजना के तहत रेलवे स्टेशन का कायाकल्प किया जा रहा है। पचास साल पुराना सीमेंट का फर्श तोड़ कर अब प्लेटफार्म एक पर जयपुर का पत्थर डाला जा रहा है। करीब दो सौ मीटर से अधिक जगह पर पत्थर डाला जाएगा। फिलहाल एक पर काम किया जा रहा है इसके बाद प्लेटफार्म दो पर पत्थर डाला जाएगा। दोनो प्लेटफार्म पर पत्थर पड़ने के बाद रेलवे स्टेशन का सौंदर्यीकरण पूरा हो जाएगा। प्लेटफार्म दो पर दो जगहों पर टीनशेड डाले गए हैं जिससे यात्रियों के बैठने को जगह और बढ़ गयी है।

दौड़ाने पर चोरों ने ग्रामीणों पर की फायरिंग

संवाददाता, विजय नगला

अमृत विचार : चोरों ने गुलड़िया और बेला के नलकूपों को निशाना बनाया। स्टार्टर और केविल चोरी कर ली। आहट होने पर ग्रामीणों ने चोरों को दौड़ा दिया। चोरों ने ग्रामीणों पर फायरिंग की।

शनिवार रात चोरों ने गांव बेला के पश्चिम दिशा में दुर्वेश, शांति प्रसाद, श्रीकृष्ण वर्मा और गुलड़िया निवासी सतेंद्र पटेल, रमेश चंद्र, शिशुपाल पहलवान, रामभरोसे सिंह, विक्की पटेल के निजी नलकूप के दरवाजे तोड़कर स्टार्टर, केबिल व झटका मशीन चोरी कर ली। वहीं बेला निवासी मनोहर व रामवीर के नलकूप से चोरी का प्रयास किया। ग्रामीणों की आहट पर चोर भाग गए। रात लगभग 11 बजे किसान नलकूप पर गए तो सामान गायब देखा। किसान सन्न रह गए। दुर्वेश ने गांव में फोन किया। ग्रामीण अपने अपने नलकूप पर पहुंचे। गांव गुलड़िया के हाकिम सिंह के बेटे नरेंद्र बाइक से अपन खेत पर नलकूप पर जा रहे थे। रास्ते में चोरों ने उन्हें रोका तो नरेंद्र ने भागने का प्रयास किया। वह अपनी बाइक छोड़कर गांव की ओर शोर मचाते हुए दौड़ने लगे। शोर सुनकर ग्रामीण नरेंद्र के पास पहुंचे। नरेंद्र के बताने पर चोर उस स्थान पर पहुंचे और चोरों को ललकारा। चोरों ने फायरिंग शुरू कर दी। चोर मौके पर आधा दर्जन स्टार्टर, केविल, एल्यूमिनियम की बाल्टी छोड़कर से भाग गए। चोरों की दो जोड़ी चप्पलें रह गईं। ग्रामीणों की सूचना पर डायल 112 पुलिस पहुंची। चोरों के चलते क्षेत्र में दहशत है। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस गश्त नहीं करती है और फोन भी जल्दी नहीं उठती है।

फायरिंग के बाद खेत पर मौजूद किसान।

गन्ना भुगतान को किसान परेशान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- नवंबर से फिर शुरू हो जाएगी बिसौली की यदु शुगर मिल

अमृत विचार : बिसौली की यदु शुगर मिल अगले माह के प्रथम सप्ताह में शुरू होगी, लेकिन पिछले साल का गन्ना बकाया भुगतान अभी किसानों के खातों में नहीं पहुंचा है। मिल पर अभी तक 26 करोड़ 70 लाख बकाया है। इसके लिए विभाग और जिला प्रशासन मिल प्रशासन पर दबाव बना रहा है। भुगतान न मिलने से गन्ना किसान परेशान हैं।

जनपद का गन्ना करीब छह चीनी मिलों पर बेचा जाता है इनमें बिसौली की यदु शुगर मिल सबसे बड़ी चीनी मिल है। पिछले साल बिसौली की यदु शुगर मिल ने करीब 95 करोड़ का गन्ना खरीदा था। मिल प्रशासन पर शुरू से ही जल्द भुगतान करने का दबाव बनाया जा रहा था। मिल प्रशासन ने किश्तो में अब तक करीब 74 करोड़ का भुगतान कर दिया है। पिछले माह 27 सितम्बर को मिल प्रशासन ने करीब एक करोड़ 28 लाख का भुगतान किया था।

इसके बाद भी अभी तक किसानों का 26 करोड़ 70 लाख बकाया है। कई बार जिला प्रशासन और विभाग द्वारा चीनी मिल को पत्र लिखे गये लेकिन किसानों का भुगतान पूरा नहीं हो सका। जिसके बाद मिल प्रबंधन के खिलाफ रिपोर्ट भी दर्ज करायी गयी। फिर भी मिल प्रशासन कछुआ गति से भुगतान कर रहा है।

किसानों को एक साल बाद भी भुगतान नहीं मिलने से उनके सामने आर्थिक संकट पैदा हो गया है। गन्ना विकास समिति और जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय के किसान चक्कर लगा रहे हैं लेकिन भुगतान उनके खातों में नहीं आ रहा है। अब नया गन्ना पेराई सत्र अगले माह प्रथम सप्ताह में शुरू होने वाला है। लेकिन पिछले साल का पैसा किसानों को नहीं मिला है। ऐसी स्थिति में किसान उक्त चीनी मिल को गन्ना कैसे बेचेंगी। गन्ना किसानों ने इस मामले को लेकर नाराजगी व्यक्त की है। उधर न्योली शुगर मिल पर भी अभी कुछ करोड़ किसानों का बकाया है। चीनी मिल को पत्र लिखा गया है जिसमें इसी माह के अंत तक भुगतान करने को कहा गया है। जिला गन्ना अधिकारी अशर्फी लाल ने बताया कि हर हाल में अक्टूबर के अंत तक किसानों का पूरा भुगतान करा दिया जाएगा।

ATAL BIHARI VAJPAYEE NIELIT EXTENSION CENTRE, PILIBHIT

Ministry of Electronics and Information Technology, Government of India

Limited Seats

UPSKILLING OPPORTUNITY FOR:

* Professionals
* Scientists
* Faculties
* Students

Workshop on "ARTIFICIAL INTELLIGENCE AND TRENDING TOOLS" on 06th October 2025 (Monday) at ABV NIELIT Extension Centre, Pilibhit

SPECIAL FEATURES :

* Demonstration of AI Applications
* Sharing of Experiences by Experts
* Talks by very senior scientists
* Hands on Session on AI Trending Tools

Register at : ATAL BIHARI VAJPAYEE NIELIT EXTENSION CENTRE, PILIBHIT DRUMMOND GOVERNMENT INTER COLLEGE CAMPUS, PILIBHIT (U.P.)-262001

अमृत विचार

बरेली, सोमवार,6 अक्टूबर 2025

बदायूं

न्यूज ब्रीफ

गांव खेड़ादास में तनाव, पुलिस बल किया तैनात

ओरछी, अमृत विचार : फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र के गांव खेड़ादास में हुए खूनी संघर्ष में पुलिस ने 41 नामजद समेत अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की है। जिसके बाद से गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है।गांव खेड़ादास में गुरुवार को दो पक्षों में संघर्ष हुआ था। लाठी-डंडे और देशी तमंचों से मारपीट हुई और तमंचे लहराए गए। पीड़ित सुमित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज करके कुछ आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेजा था। गांव में तनाव है। जिसके चलते गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है। खुराफातियों पर पुलिस नजर रख रही है। पुलिस ने गश्त भी बढ़ा दी है। वहीं फरार चल रहे आरोपियों की भी तलाश की जा रही है। थाना प्रभारी रामेंद्र सिंह ने बताया कि गांव में पुलिस तैनात है। फरार आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

दवा लेकर लौट रहे लोगों को धमकाया

बिल्सी, अमृत विचार : कोतवाली बिल्सी क्षेत्र के गांव दीननगर शेखपुर निवासी छोटेलाल ने पुलिस को शिकायत पत्र देकर बताया कि 4 अक्टूबर की दोपहर उनका बेटा उन्हें दवा दिलाकर घर जा रहा था। रास्ते में बाइक सवार दो लोगों ने उन्हें घेर लिया। गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। वह डर की वजह से घर नहीं गए और अपने पड़ोस में रुके। कहा कि आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति के हैं।

बच्चों के विवाद में युवक को छत से गिराया

बदायूं, अमृत विचार : शहर के मोहल्ला खेड़ा बुजुर्ग निवासी शानू के बच्चों की पतंग पड़ोस में एक व्यक्ति के घर में जा गिरी। इसी बात को लेकर दोनों परिवारों में विवाद शुरू हो गया। पहले मारपीट और कुछ समय के बाद दोनों में पथराव शुरू हो गया। बताया जा रहा है कि दूसरे पक्ष ने शानू को छत से नीचे गिरा दिया। वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस पहुंची। जिसे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी है।

विद्यालयों में किताब वितरण के लिए क्यूआर कोड आधारित शुरू हुआ नया एप

परिषदीय स्कूलों की किताबों का ऑनलाइन होगा सत्यापन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : परिषदीय स्कूलों को बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों में वितरण करने के लिए किताबें और वर्क बुक उपलब्ध कराता है। अब इनका सत्यापन ऑनलाइन एप के माध्यम से किया जाएगा।

साथ ही ऑनलाइन रिपोर्ट भी तैयार की जाएगी। इसके लिए एनसीईआरटी के द्वारा बीएसए को पत्र भेजा गया है। पत्र मिलने के बाद जिन बच्चों में किताबें बांटी गई हैं। उनका डाटा तैयार किए गए एप पर फीड किया जा रहा है। बच्चों का डाटा एप पर अपलोड होने के बाद कितनी किताबें बच्चों को मिली और कितनी वितरण के लिए शेष बची हैं। इसकी जानकारी राज्य परियोजना के साथ साथ बेसिक शिक्षा विभाग पर रहेगी। परिषदीय स्कूलों में नामांकित बच्चों को हर साल बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा निशुल्क किताबें उपलब्ध कराई जाती हैं। इस बार कक्षा चार से आठ तक के बच्चों में करीब 25 लाख से अधिक किताबों का वितरण किया गया है। वहीं कक्षा एक से तीन तक के बच्चों को एनसीईआरटी की किताबें दी गई हैं।

बच्चों में वितरण के लिए दी गईं किताबों का सत्यापन एनसीईआरटी द्वारा उपलब्ध कराए गए एप के माध्यम से किया जाएगा। जिसके निर्देश बीएसए को राज्य परियोजना निदेशक द्वारा दिए गए हैं। राज्य परियोजना निदेशक से मिले निर्देश के बाद बीएसए ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को उनका भौतिक सत्यापन किए जाने के साथ ही नामांकित बच्चों का डाटा किताब वितरण एप पर फीड किए जाने के आदेश दिए हैं। जिसकी स्कूलों में कवायद शुरू हो गई हैं। एप के प्रयोग के निर्देश के बाद डाटा फीडिंग कार्य पूर्ण करने में विभाग जुट गया है। जिला समन्वयक सामुदायिक सहभागिता पीसी श्रीवास्तव ने बताया कि परिषदीय स्कूलों में किताब वितरण के लिए क्यूआर कोड आधारित नया एप शुरू किया गया है। इसका उपयोग प्राथमिक, उच्च प्राथमिक व कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय स्कूलों के उपयोग के लिए किया जाएगा।

- सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए बीएसए को मिला एनसीईआरटी का पत्र

> एनसीईआरटी द्वारा किताब वितरण एप शुरू किया है। इसका उपयोग करने के आदेश राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा दिए गए हैं। राज्य परियोजना का पत्र मिलने के बाद संबंधित एप पर डाटा फीडिंग का शुरू करा दिया गया है।
>
> – **वीरेंद्र कुमार सिंह**, बीएसए

किताब वितरण में आएगी पारदर्शिता

जिला समन्वयक सामुदायिक सहभागिता पीसी श्रीवास्तव ने बताया कि किताब वितरण एप क्यूआर कोड आधारित एप पाठ्य पुस्तकें, कार्य पुस्तिकाएं, शिक्षक मार्गदर्शन व अन्य सामग्री अंतिम स्तर तक समय पर पहुंचने की सुविधा है। इससे परिषदीय स्कूलों में शैक्षिक सामग्री की पारदर्शिता आएगी। बीएसए, खंड शिक्षा अधिकारी, एसआरजी, एआरपी, डायट मेंटर, स्कूलों के प्रधानाध्यापक और शिक्षक शिक्षण सामग्री प्राप्त होने के बाद क्यूआर कोड स्कैन कर विवरण दर्ज करेंगे।

सभी लोगों के लिए प्रेरक और अनुकरणीय है श्रीराम का चरित्र

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : नगर रुदायन के ज्वालामुखी मंदिर पर रविवार को रामलीला का आरंभ हुआ। भाजपा नेता मुरली मनोहर गुप्ता ने फीता काटकर शुरूआत की। मेला के संस्थापक राकेश कश्यप ने उन्हें श्रीराम दरबार भेंट किया। मेला 10 दिन तक चलेगा।

मुख्य अतिथि भाजपा नेता व चेयरमैन प्रतिनिधि मुरली मनोहर गुप्ता ने फीता काटा और गणेश पूजन करके आरती की। उन्होंने मेला कमेटी को 31 हजार रुपये की सहायता राशि दी और कहा कि रामलीला देश की अमूल्य धरोहर हैं। नई पीढ़ी को इनका ज्ञान कराना अत्यंत आवश्यक है। भगवान श्रीराम का चरित्र सभी के लिए प्रेरक और अनुकरणीय है। मदनलाल गुप्ता, अधिवक्ता मोहनलाल गुप्ता, अनूप सिंह, रविंद्र शर्मा, संजीव गुप्ता, नरेंद्र गुप्ता, अनुभव वार्ष्णेय, विष्णु गुप्ता, पदम गुप्ता, ज्ञानपाल झा, रामसिंह, राजू गुप्ता आदि मौजूद रहे।

फीता काटते मुख्य अतिथि भाजपा नेता मुरली मनोहर गुप्ता।

जिले में खुलेआम हो रहा पॉलिथीन का उपयोग

कई बार अभियान चलाकर बंद कराया फिर भी नहीं सुधरे हालात

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : पर्यावरण के लिए खतरा बन चुके सिंगल यूज पॉलिथिन का उपयोग खुलेआम बिना बे-रोकटोक हो रहा है। जिले में हर दिन करीब ढाई टन से अधिक पॉलिथीन कूड़े के ढेर पर मिल रही है, लेकिन इस ओर जिम्मेदारों का ध्यान नहीं जाता है। पॉलिथिन के अभियान के नाम पर मात्र औपचारिकताएं पूरी की जाती है।

पर्यावरण के लिए खतरा बन की चुकी सिंगल यूज पॉलिथीन पर शासन की ओर से पांच साल पूर्व प्रतिबंध लगाया गया था। उस दौरान प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए जिले भर में अभियान चलाकर कई टन पॉलिथीन जब्त की थी। इसके बाद आज तक प्रशासन का ध्यान इस ओर नहीं गया है। जिले भर में पॉलिथीन का उपयोग खुलेआम हो रहा है, जबकि पॉलिथीन से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां फैल रही हैं। पॉलिथीन खाने से जानवरों की मौत भी हो रही है। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक पॉलिथीन का इस्तेमाल निकट भविष्य में खतरे की घंटी है। शहरी क्षेत्र में पॉलिथीन की वजह से नाले-नालियां चोक हो रहे हैं। बाजारों में दुकानों, ठेलों पर पॉलिथीन खुलेआम इस्तेमाल हो रहा है। थोक में इसकी बिक्री हो रही है। सबसे बड़ी बात है यह कि पॉलिथीन के इस्तेमाल के खतरों को लेकर आम नागरिक भी जागरूक नहीं हो पा रहे हैं।

जिम्मेदार अधिकारी भी पूर्ण प्रतिबंध लगाने में नाकाम है। यह अलग बात है कि कभी कभी खानापूर्ति करते हुए नगर पालिका प्रशासन अभियान चलाकर सौ दो सौ ग्राम पॉलिथीन दुकानों से जब्त कर चेतावनी देकर छोड़ देता है। नगर पालिका प्रशासन की इसी लापरवाही का लाभ उठाकर शहर में खुलेआम दुकानदार पॉलिथीन में सामान रखकर दे रहे हैं।

ठेले पर रखी पॉलिथीन।

- ठेले से लेकर दुकानों पर खुलेआम पॉलीथिन में दिया जा रहा सामान

> पॉलिथीन के लिए जल्द ही अभियान चलाया जाएगा। वैसे पालिका की ओर से समय समय पर अभियान चलाया गया है। चेतावनी भी दी गई है। अगर किसी दुकानदार पर पॉलिथीन का उपयोग होता मिला तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।
>
> – **विनय कुमार**, ईओ नगर पालिका

थाना प्रभारी ने रामलीला महोत्सव का किया आरंभ

रामलीला मंच का फीता काटते थाना प्रभारी।

उघैती, अमृत विचार : कस्बे में श्री आदर्श रामलीला समिति के तत्वावधान में रामलीला मैदान में रामलीला का मंचन शुरू हो गया है। थाना प्रभारी अवधेश कुमार ने फीता काटकर महोत्सव का आरंभ किया।

इस दौरान थाना प्रभारी ने भगवान राम के चरित्र और जीवन पर प्रकाश डाला। तथा श्री राम के चरित्र से कुछ सीख लेने की भी अपील की। कहा रामायण के हर पात्र से अच्छाई का एक संदेश निकलता है। पहले दिन नारद मोह लीला का मंचन किया गया। इस दौरान मनोज पालीवाल, प्रेमपाल शर्मा, मुनीमजी, हरपाल झा, मुनेंद्र राठौर, रामनिवास चित्तौड़िया, उमेश चित्तौड़िया और योगेश गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

खितौरा में शुरू हुआ रामलीला महोत्सव

उघैती, अमृत विचार : उघैती थाना क्षेत्र के कस्बा खितौरा में शनिवार रात्रि रामलीला का मंचन शुरू हो गया है। रामलीला महोत्सव का बाजार मलिक समाजसेवी, ठाकुर प्रदीप कुमार सिंह ने फीता काटकर उद्घाटन किया। रामलीला मेला का शुभारम्भ वैदिक मंत्रों द्वारा विधि पूर्वक हवन-पूजन करके किया गया।

इस दौरान रामलीला कमेटी के पदाधिकारी प्रदीप कुमार सिंह ने कहा-हम सभी लोगों को रामलीला में निभाए जाने वाले किरदारों से सीख लेकर उसे अपने जीवन में उतारना चाहिए। रामलीला के माध्यम से हमें बुराई पर अच्छाई की जीत का सबक मिलता है। रामलीला कमेटी अध्यक्ष रूप किशोर गुप्ता ने कहा कि हम सभी लोगों को अपने आपसी मतभेद भुलाकर समाज में समन्वय बनाए रखने का संदेश देना चाहिए और रामलीला के इस मंचन को सही तरह से आगे बढ़ाने का कार्य करना चाहिए। मंच के माध्यम से नारद मोह लीला का मंचन किया गया । इस अवसर पर महाराज सिंह, योगेश गिरि, सुनील राणा, बलराम पाठक, रविशंकर भारद्वाज, कुलदीप राणा आदि उपस्थित रहे।

रामलीला महोत्सव का फीता काटते समाजसेवी । ● अमृत विचार

रुपये कम देने पर किन्नरों ने किया हंगामा

बदायूं, अमृत विचार : दुकानदारों से नेग मांगने के दौरान किन्नरों ने जमकर हंगामा किया। रविवार दोपहर कछला चौराहे पर किन्नर दुकानदारों से नेग में सौ रुपये मांग रहे थे। एक दुकानदार ने स्वेच्छा से 50 रुपये दिए लेकिन किन्नरों ने सौ रुपये देने को कहा। जिससे गुस्साए किन्नरों ने हंगामा शुरू कर दिया। दुकानदार से गाली-गलौज की। आरोप है कि दुकान से कुछ सामान भी उठा लिया। पुलिस मौके पर पहुंची। कुछ समय के बाद किन्नर मौके से चले गए।

हिंदू और मुस्लिम मुद्दा बनाकर चुनाव लड़ना चाहती है भाजपा

पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ साइकिल यात्रा निकालते सांसद आदित्य यादव।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- सांसद आदित्य यादव ने गुन्नौर में निकाली साइकिल यात्रा

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी से सांसद आदित्य यादव ने रविवार को लोकसभा क्षेत्र की विधानसभा गुन्नौर में आयोजित साइकिल यात्रा और पीडीए की पंचायत में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। साइकिल यात्रा बबराला चौराहे से पेंठ बाजार, रजपुरा तक चली। पीडीए पंचायत को संबोधित किया। कहा कि सरकार द्वारा पीड़ितों से न मिलने देना लोकतंत्र का गला घोटने के समान है। भाजपा आगामी चुनाव को हिंदू-मुस्लिम का मुद्दा बनाकर चुनाव लड़ना चाहती है।

मुख्य अतिथि ने कहा कि पीडीए का नारा 2024 में दिया गया। सभी एकजुट होकर चुनाव लड़े थे। 2027 के चुनाव में भी भाजपा को हराने के लिए मजबूती से चुनाव लड़ा जाएगा। पीडीए साइकिल यात्रा गांव-गांव निकालकर पिछड़ों को एकजुट करने व लोगों को सरकार की कारगुजारियों से अवगत कराना है। कहा कि सरकार ध्यान भटकने को मुस्लिम व पिछड़ों पर कार्रवाई कर रही है। सपा इस मंसूबेको पूरा नहीं होने देगी। पार्टी बूथ स्तर को मजबूत कर रही है। सपा अत्याचार व पीड़ित परिवार के साथ खड़ी होगी। इस दौरान गुन्नौर विधायक रामखिलाड़ी सिंह, जिलाध्यक्ष असगर अली, संतोष, अमित यादव, फिरोज खां, प्रीति यादव, अखिलेश यादव, केपी यादव, चरन सिंह, अवनीश, पप्पू, मुजफ्फर अली, तस्लीम, अवधेश यादव, कल्लू, संगीता पाल, अनिल गोस्वामी आदि मौजूद रहे।

लक्ष्मण ने काटी सूर्पणखा की नाक, श्रीराम के लगे जयकारे

संवाददाता, बिल्सी।

अमृत विचार : मोहल्ला संख्या छह स्थित रामलीला मैदान पर चल रही रामलीला में सूर्पणखा की नाक काटने का मंचन किया गया। पंचवटी में बैठे भगवान राम, लक्ष्मण और सीता को देखकर राम पर मोहित होकर सूर्पनखा उनसे शादी का प्रस्ताव रखती है। राम प्रस्ताव को ठुकरा कर लक्ष्मण के सामने प्रस्ताव रखने की बात कहते हैं। लक्ष्मण को शादी करने के लिए कहने पर लक्ष्मण भाई की आज्ञा के बिना शादी न करने की बात कहते हैं। एक बार फिर सूर्पनखा राम के पास जाती है, तो वही जवाब मिलता है। इस पर गुस्साई सूर्पनखा सीता को बुरा भला कहती है। लक्ष्मण के पास जाकर राम को काले रंग का कहकर लक्ष्मण को रिझाने का प्रयास करती है। भाई के लिए अपशब्द सुनने पर लक्ष्मण कटार निकालकर सूर्पनखा की नाक काट देते हैं। इस दृश्य पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से श्रीराम का जयघोष किया। मंचन के दौरान प्रबंधक विनोद पालीवाल, उमेश चंद्र गुप्ता, अजीत सिंह गूर्जर, संजीव वार्ष्णेय, विवेक राठी, जितेंद्र कुमार वार्ष्णेय, शेखर सक्सेना आदि मौजूद रहे।

तैयारी | मुख्य स्थल से लेकर गंगा घाट तक 800 मीटर तैयार की जा रही सड़क

ककोड़ा मेला मैदान में बनने लगी कच्ची सड़क

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : रुहेलखंड का मिनी कुंभ मेला ककोड़ा की तैयारियां जोरों पर की जा रही हैं। एक माह बाद मेले का मुख्य स्नान पर्व है। इसलिए मेला स्थल पर जिला पंचायत ने कच्ची सड़क तैयार करा कर उसके ऊपर पुआल और सरकारा डालना शुरू कर दिया है। इससे वाहनों का आवागमन हो सके। जिला पंचायत के अधिकारी स्वयं मेला स्थल पर पहुंच रहे हैं और अपने सामने ही सड़के तैयार करा रहे हैं।

जिला पंचायत के अधीन मेला ककोड़ा की व्यवस्थाएं रहती हैं। मेला ककोड़ा के आयोजन की पूरी जिम्मेदारी जिला पंचायत प्रशासन की होती है। इस बार बारिश और बाढ़ की वजह से मेले की तैयारियां देर से शुरू की जा रही हैं। कुछ दिन पहले ही मेला स्थल से बाढ़ का पानी सूखा है। अब जिला प्रशासन के निर्देश पर जिला पंचायत रात दिन मेले की तैयारियां करा रहा है। जिला पंचायत द्वारा कादरचौक से मेला स्थल तक जाने वाली सड़क से लेकर अंदर तक कच्ची सड़क तैयार कराई है। कच्ची सड़क पर मिट्टी डाल कर उसके ऊपर सरकरा और पुआल डाला जा रहा है। जिससे वाहन आराम से इस पर गुजर सकें। कच्ची सड़क करीब 800 मीटर तक तैयार की जा रही है। इसके बाद मेला परिसर में कुछ अन्य कच्ची सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। मुख्य स्थल से लेकर गंगा घाट तक सड़क तैयार की जाएगी। इससे पहले पूरे मेला मैदान को समतल किया गया है। ट्रैक्टर से गड्ढों को भरा गया है। झाड़ियां साफ की गई हैं। मेला स्थल पर आसपास के गांव के लोगों ने इस बार पौधे लगा दिये हैं और ईख भी लगाई है। इससे मेला परिसर को समतल करने में परेशानी आ रही है। जिला पंचायत प्रशासन के जिम्मेदारों का कहना है कि वह लोग अपने खेतों से ईख काट लें, लेकिन किसान इसके लिए तैयार नहीं है। जिला पंचायत की ओर से किसानों को करीब एक सप्ताह का समय दिया गया है। यदि वह लोग स्वयं ईख नहीं काटते हैं तो जबरन कटवा दी जाएगी। इससे मेला परिसर को साफ सुथरा बनाया जा सके।

सरकरा और पुआल से तैयार की जा रही कच्ची सड़क। ● अमृत विचार

> मेला स्थल पर पहले चरण में कच्ची सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। दूसरे चरण में अन्य कार्य कराए जाएंगे। लोक निर्माण विभाग व बाढ़ खंड के अधिकारी भी मेला स्थल पर पहुंच रहे हैं जिससे वह अपने हिसाब से दिशा निर्देश दे सकें।
>
> – **दिनेश प्रताप सिंह**, अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत

गंगा किनारे बनेंगे 50 से अधिक स्नानघर

मेला ककोड़ा में आने वाले महिला श्रद्धालुओं को स्नान के लिए करीब पचास से अधिक स्नानघर तैयार किए जाएंगे। इसके लिए गंगा घाट पर स्थान चिन्हित कर लिए गए हैं। स्नानघर बनाने को ठेका भी दे दिया गया है। जिससे ठेकेदार अब स्नानघर बनाने के लिए कुछ ही दिनो बाद काम शुरू कर देगा। मेला प्रशासन की ओर से कहा गया है कि स्नान घरों के आसपास टेंट नहीं होगा जिससे महिलाओं को किसी तरह की दिक्कत नहीं होगी।

न्यूज ब्रीफ

बिल्सी में आज निकाला जाएगा पथ संचलन

बिल्सी, अमृत विचार : संघ यात्रा के सौ वर्ष पूर्ण होने पर बिल्सी नगर में 6 अक्टूबर को विशाल पथ संचलन निकलेगा। संचलन में सभी स्वयंसेवक संघ की पूर्ण गणवेश में सहभागिता करेंगे। संचलन बिल्सी नगर के ज्वाला प्रसाद जैन बाल निकेतन जूनियर हाई स्कूल से प्रारंभ होगा। इस उत्सव को भव्य बनाने के लिए नगर के सभी स्वयंसेवक संचलन की व्यवस्था बहुत सुंदर रूप से कर रहे। नगर संघचालक डॉ उमेंद्र गुप्ता ने सभी हिंदू परिवारों से अपील की है कि प्रत्येक परिवार से कम से कम एक व्यक्ति इस विशाल पथ संचलन में पूर्ण गणवेश में सहभागिता करे और इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बने।

पथ संचलन के दौरान अध्यक्ष ने की पुष्पवर्षा

दातागंज, अमृत विचार : आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर संघ कार्यकर्ताओं ने पूर्ण गणवेश के साथ नगर दातागंज के मुख्य मार्गो पर विशाल पथ संचालन किया। नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष नैना गुप्ता के नेतृत्व में पुष्पवर्षा की गई। अध्यक्ष ने कहा कि संघ का हर स्वयंसेवक राष्ट्र को समर्पित है। यह पथ संचालन संगठन को शक्ति चरित्र निर्माण और समाज को संगठित करने में मदद करता है। दातागंज कोतवाल गौरव विश्वनोई, उसावां थानाध्यक्ष वीरपाल सिंह, हजरतपुर थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। असित गुप्ता, सत्य पाल गुप्ता, स्वयं गुप्ता, मुन्ना लाल गुप्ता, दिनेश चंद्र गुप्ता, अनूप गुप्ता, अंशुल सागर आदि मौजूद रहे।

दो युवकों को तमंचे के साथ पकड़ा, रिपोर्ट दर्ज

बदायूं, अमृत विचार : दातागंज कोतवाली क्षेत्र के गांव भटौली निवासी अनिल कुमार दूध का व्यापार करते हैं। उन्होंने बताया कि दूध को लेकर एक महीने पहले उनका उझानी निवासी युवक से रुपयों के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था। जिसके बाद युवक ने कई बार उन्हें रास्ते में घेरने का प्रयास किया था। शनिवार शाम अनिल दूध देकर आ रहे थे। गांव के बाहर युवक ने उन्हें रोककर जान से मारने का प्रयास किया। वह किसी तरह बचकर अपने घर पहुंच गए। जिसके बाद वह युवक अपने साथी के साथ अनिल के घर पहुंचे। तमंचा तानकर जान से मारने की धमकी दी। शोर सुनकर ग्रामीण आ गए और आरोपियों को पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया। आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

छुट्टा गोवंश ने किसान को पटककर मार डाला

फसल की रखवाली कर रहे थे गांव रसूलपुर कलां निवासी पुन्नी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

छुट्टा गोवंश के हमले से किसान की मौत के बाद गांव पहुंचे पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : फसल की रखवाली कर रहे किसान पर गोवंश ने हमला कर दिया। घायल किसान की मौत हो गई। यह देखकर परिजनों में चीत्कार मच गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। ग्रामीणों ने छुट्टा गोवंश से निजात दिलाने की मांग की है।

शासन के निर्देश के बाद भी छुट्टा गोवंश का आंतक कम नहीं हो रहा है। गोशालाओं में गोवंश भेजने का दावा सड़कों पर फेल होता नजर आ रहा है। छुट्टा गोवंश की हमले में लोगों की जान जा रही हैं। थाना जरीफनगर क्षेत्र के गांव रसूलपुर कलां निवासी पुन्नी (57) पुत्र बहोरी खेती करके परिवार का पालन पोषण करते थे। उन्होंने अपने खेत में बाजरे की फसल की थी। वह रात को फसल की रखवाली करने के लिए खेत पर रुकते थे। शनिवार रात वह बाजरे की फसल की रखवाली करने के लिए खेत पर गए थे। रात लगभग 11 बजे छुट्टा गोवंश खेत में घुस गया। पुन्नी ने गोवंश को खेत से बाहर भगाने का प्रयास किया। इसी दौरान छुट्टा गोवंश ने उनपर हमला कर दिया। सींघों से उठाकर कई बार खेत में पटका। वह बचाव के लिए चिल्लाए। आसपास के खेतों पर पहरा दे रहे किसान दौड़कर मौके पर पहुंचे।

हमले में मृतक की बेटी हुई घायल

ग्रामीणों ने जैसे-तैसे गोवंश को भगाकर पास के ही एक भवन में बंद कर दिया और पुन्नी को बचाया, लेकिन तब तक पुन्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर उनके परिजन खेत पर पहुंचे। परिजन घायल को अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सक ने घायल को मृत घोषित कर दिया। यह देखकर परिजनों में कोहराम मच गया। रविवार सुबह परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस गांव पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। किसान की मौत से उनकी पत्नी दीपाली व चार अविवाहित बेटियों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों का कहना है कि छुट्टा गोवंश अक्सर ही किसी न किसी पर हमला करके घायल कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन समस्या का निस्तारण नहीं करा पा रहा।

युवक पर सांड़ ने किया हमला गंभीर घायल

कुंवरगांव, अमृत विचार : सलारपुर ब्लॉक क्षेत्र के गांव यूसुफ नगर में एक युवक पर सांड़ ने हमला कर घायल कर दिया। परिजनों ने युवक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। वहां उसका उपचार चल रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि छुट्टा पशुओं को पकड़कर गोशाला में भिजवाया जाए। ताकि इन पशुओं की वजह से जो हादसे हो रहे उनपर अंकुश लग सके।

यूसुफ नगर निवासी कुलदीप पुत्र कृष्णपाल शनिवार देर शाम लगभग साढ़े सात बजे घर के बाहर घूम रहा था। इस दौरान सांड़ ने कुलदीप पर हमला कर दिया। कुलदीप के पेट के नीचे सांड़ का सींग लगने से गंभीर चोट आई है। घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यूसुफ नगर के राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में दर्जनों गोवंशीय पशुओं का झुंड रहता है जिनको किसी गोशाला में आज तक संरक्षित नहीं किया गया है, जबकि गांव में अस्थाई गोशाला है। ग्रामीणों का कहना है कि सांड़ पहले भी विशाल और कल्लू पर हमला कर चुका है फिर भी सांड़ को पकड़ा नहीं जाता है। इससे ग्रामीणों में रोष है।

ब्राह्मणों के उत्थान को सरकार गंभीर नहीं, जताया रोष

गोठा में ब्राह्मण एकता परिषद की बैठक में शामिल लोग। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद की एक बैठक तहसील बिसौली, के ग्राम गोठा और नदवारी में हुई। बैठक में सर्व प्रथम भगवान परशुराम व अन्य सभी देवी-देवताओं का पूजन अर्चन किया गया। परिषद के साथ संकल्पों का वाचन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अवध प्रान्त, उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष राम अवतार मिश्रा ने की। उन्होंने कहा कि ब्राह्मणों के उत्थान के प्रति सरकार गंभीर नहीं है।

उपाध्यक्ष राम अवतार मिश्रा ने कहा कि वर्तमान सरकार का नारा है कि सबका साथ, सबका विकास। हम सब ब्राह्मणों ने भारतीय जनता पार्टी का साथ दिया था और सरकार बनी, लेकिन सरकार ब्राह्मणों के उत्थान के लिए प्रयास नहीं कर रही है। ब्राह्मण अत्यंत दयनीय स्थिति में हैं। त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में ब्राह्मणों को स्थान आरक्षित किए जाए और ब्राह्मणों की सुरक्षा की जाए। अत्याचारों को रोका जाए। ग्राम अध्यक्ष गोठा रमेश उपाध्याय, ग्राम अध्यक्ष नदवारी रिंकू उपाध्याय, ध्रुव शर्मा, किशनवीर शर्मा, बन्टू शर्मा, प्रशांत शर्मा, पवन शर्मा, अशोक शर्मा, पप्पू शर्मा, राम वीर शर्मा, रमेश शर्मा, अनुज शर्मा, जगपाल शर्मा, उमाशंकर शर्मा, शिव कुमार शर्मा, ग्राम नदवारी में अभिषेक पाठक आदि मौजूद रहे।

कांग्रेसियों ने चलाया वोट चोर -गद्दी छोड़ अभियान

बदायूं, अमृत विचार : रविवार को उसहैत के बॉर्ड 10 नखासा रोड पर वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इसका नेतृत्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीत यादव व जिला कोषाध्यक्ष साजिद खान और यूनुस सकलैनी ने किया। हस्ताक्षर अभियान सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलाया गया।

अजीत यादव ने कहा कि वोटर फ्रॉड के कारण कांग्रेस को करीब 70 सीटों का नुकसान हुआ। चुनाव आयोग वोटर लिस्ट में हेराफेरी पर जवाब नहीं दे रहा है। यदि वोट चोरी नहीं हुई होती तो पिछले लोकसभा चुनाव में मोदी सरकार नहीं बनती। जिला कोषाध्यक्ष साजिद खान व उसहैत कार्यक्रम संयोजक यूनुस सकलैनी ने कहा कि चुनाव आयोग की मिलीभगत से भाजपा वोट चोरी कर रही है। जिला कंट्रोल रूम प्रभारी तजम्मुल अंसारी व सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष नवनीत यादव ने कहा कि मोदी सरकार लोकतंत्र की हत्या कर रही है। वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान में जिला कोषाध्यक्ष साजिद खान, जिला कंट्रोल रूम प्रभारी तजम्मुल अंसारी, जिला सोशल मीडिया प्रभारी नवनीत यादव, दिव्यांग कांग्रेस जिलाध्यक्ष फितरत खान, उसहैत संयोजक यूनिस सकलैनी, मौलाना जहीरुल हसन, हनीफ आदि मौजूद रहे।

दीर्घायु के साथ अच्छे स्वास्थ्य का समागम है पतंजलि आयुर्वेद

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● पतंजलि परिवार कार्यकर्ता के सम्मेलन में बोले राकेश

अमृत विचार : पतंजलि परिवार पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में आयोजित योग एवं सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन ऑडिटोरियम हॉल में हुआ। मुख्य अतिथि स्वामी रामदेव के परम शिष्य व पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के मुख्य केंद्रीय प्रभारी राकेश ने कहा कि योग से ही जीवन है। योग ही सभी समस्याओं का समाधान है। पूरे देश में आज पतंजलि की एक लाख निशुल्क कक्षाएं संचालित हैं।

उन्होंने कहा कि योग आयुर्वेद स्वदेशी शिक्षा का आंदोलन आज पूरे देश में चल रहा है । इसी से हमारा देश पुनः विश्व गुरु व समृद्धशाली बनेगा। हम भी योग करें और अधिक से अधिक योग कक्षा लगा कर पुण्य अर्जित करें। भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के तहत आज पतंजलि योगपीठ अपनी सेवाओं का लाभ पूरे भारतवर्ष में लोगों तक पहुंचा रहा है। कार्यक्रम में अलीगढ़, बरेली, मुरादाबाद, संभल, पीलीभीत, रामपुर, कासगंज, एटा, शहजहांपुर आदि जनपदों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। राज्य प्रभारी सुनील शास्त्री, किसान सेवा समिति के राज्य प्रभारी दयाशंकर आर्य, पतंजलि योग समिति के राज्य प्रभारी विपिन आर्य, गिरधारी सिंह राठौर, आवेश कुमार, उपदेश कुमार, मदनलाल, पुरुषोत्तम सिंह आदि मौजूद रहे।

नहीं किया रिचार्ज तो गुल होगी बिजली

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● मैसेज आने पर प्रीपेड में परिवर्तित हो जाएगा पोस्टपेड बिजली मीटर

घर पर लगा बिजली का पोस्टपेड मीटर।

अमृत विचार : घरों पर लगे बिजली के पोस्टपेड मीटर को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। लोगों का मानना है कि जब से यह मीटर लगे हैं बिल ज्यादा आ रहा है। अब इन मीटर को प्री पेड में परिवर्तित किया जा सकता है। आवेदन करने के बाद आवेदक के मोबाइल पर अलर्ट का मैसेज आएगा। इससे पहले एक महीने तक बिजली बकाया पर कटौती नहीं होगी, लेकिन दूसरे महीने में रिचार्ज न करने पर बिजली काट दी जाएगी।

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अधिकारियों के निर्देश पर स्मार्ट मीटर लगाने के एक से दो माह में कार्यदायी संस्था प्री पेड में बदलने का काम करेगी। पहले चरण में हर बिजली उपकेंद्र से रैंडम में उपभोक्ताओं को लिया जा रहा है। प्रीपेड होने के बाद उपभोक्ता के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर मध्यांचल विद्युत वितरण निगम की तरफ से एक मैसेज आता और उपभोक्ता का स्मार्ट मीटर प्रीपेड हो जाएगा। विभागीय अधिकारियों के अनुसार रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर मैसेज आने के बाद उपभोक्ता को सतर्क रहना होगा। प्रीपेड होने के बाद अगर दूसरे महीने भी बकाया बिल जमा नहीं किया तो बिजली कट जाएगी। जिले में अब तक 25 हजार स्मार्ट मीटर लगे हैं।

यह है प्रीपेड के भुगतान की प्रक्रिया

यूपीपीसीएल की वेबसाइट पर जाना होगा। फिर मध्यांचल डिस्कॉम का चयन करें। इसके बाद कंज्यूमर नंबर डालकर आगे बढ़ना होगा। इसके बाद किसी भी ऑनलाइन प्लेटफार्म से भुगतान कर सकते हैं। साथ ही मोबाइल एप से भी भुगतान और बैलेंस चेक किया जा सकता है। इसके लिए उपभोक्ता को अपने मोबाइल में यूपीपीसीएल स्मार्ट एप डाउनलोड करना होगा। अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर कंज्यूमर नंबर डालकर ओटीपी प्राप्त करना होगा। ओटीपी डालते ही मोबाइल पर बैलेंस दिख जाएगा।

नरौली में मदरसा व मकानों पर बड़े एक्शन की तैयारी

मदरसे पर लगाया लाल निशान।

● राजस्व टीम ने पैमाइश कर एसडीएम को सौंपी रिपोर्ट

संभल/चंदौसी, अमृत विचार: नरौली में सरकारी जमीन पर बने मदरसा व मकानों पर प्रशासन बड़ी कार्रवाई की तैयारी में है। राजस्व टीम ने जांच के बाद रिपोर्ट एसडीएम को सौंप दी है। कार्रवाई की भनक लगने के बाद लोगों में भी खलबली है।

नरौली में सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण को लेकर दो साल पूर्व हुई शिकायत पर प्रशासन पहले ही धारा 67 की कार्रवाई कर चुका है। एक बार फिर प्रशासन हरकत में आया है। मामले की जांच में सामने आया कि सरकारी पांच बीघा जमीन पर कुछ लोगों ने कब्जा कर मदरसा बना लिया और कई लोग मकान बनाकर रह रहे हैं। एसडीएम आशुतोष तिवारी ने लेखपाल राजीव शर्मा सहित अन्य राजस्व कर्मियों की टीम को मौके पर भेज दिया। टीम ने भूमि की पैमाइश शुरू की तो भीड़ जुटने लगी। पैमाइश पूरी होने पर एक मदरसा सहित लगभग एक दर्जन मकान अवैध रूप से बने होने की पुष्टि हुई। लेखपाल राजीव शर्मा ने अपनी रिपोर्ट एसडीएम को सौंप दी है। रविवार को वहां सन्नाटा पसरा रहा और मदरसा भी बंद रहा। जिन लोगों ने सरकारी जमीन पर मकान बना लिए हैं वह भी कुछ बोलने से बचते हुए नजर आए।

कांग्रेसियों ने चलाया हस्ताक्षर अभियान, बनाई रणनीति

वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान के तहत हस्ताक्षर अभियान चलाते कांग्रेसी।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : शहर कांग्रेस कमेटी कार्यालय परशुराम चौक पर रविवार को मासिक बैठक मुन्ना लाल सागर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव ओमकार सिंह, पूर्व प्रदेश सचिव जितेंद्र कश्यप, पूर्व शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष असरार अहमद भी उपस्थित रहे।

मासिक बैठक में ओमकार सिंह ने कहा कि वोट चोर, गद्दी छोड़ अभियान के अंतर्गत अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रांतीय आवाहन पर 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक वोट चोरी रोको फार्म पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं। बैठक में शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मुन्नालाल सागर, असरार अहमद, जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सुरेश राठौर, वीरेश तोमर, गौरव सिंह राठौर, इगलास हुसैन, उपाध्यक्ष जाहिद सिद्दीकी ने कहा कि वोट चोरी रोको हस्ताक्षर अभियान में हम लोगों को मिलकर बहुत तेजी से काम करना पड़ेगा।

स्वयंसेवकों ने किया पथ संचलन

संवाददाता, बिनावर

कस्बा बिनावर में पथ संचलन करते आरएसएस के स्वयंसेवक। ● अमृत विचार

स्वयंसेवकों के साथ पथ संचलन करते भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता व अन्य।

● कस्बा बिनावर के शिव मंदिर से शुरू हुआ पथ संचलन

अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 साल पूरे होने पर कस्बा बिनावर में पथ संचलन का आयोजन किया। स्वयंसेवक कस्बा से गुजरे। जगह-जगह पुष्पवर्षा करके स्वयंसेवकों का स्वागत किया गया। स्वयंसेवकों को संघ की स्थापना के उद्देश्यों के बारे में बताया।

रविवार सुबह सैकड़ों स्वयंसेवक कस्बा बिनावर स्थित शिव मंदिर पर एकत्र हुए। कुछ समय के बाद पथ संचालन शुरू हुआ। स्वयंसेवक कस्बा से बिलहत मार्ग, नई बस्ती आदि मार्गों से होकर निकले। रास्ते में लोगों ने पुष्पवर्षा की। एक गाड़ी में भारत माता बनी बच्ची चलती रही। थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ स्वयंसेवकों के आगे चलते रहे। शिव मंदिर पर पथ संचलन का समापन हुआ। संघ के पूर्व स्वयंसेवकों के संघ की स्थापना की आवश्यकता व उद्देश्य और सौ साल की यात्रा के बारे में चर्चा की। पथ संचलन के दौरान मुख्य वक्ता अंकुर, खंड संघ चालक ओंकार, जिला सेवा प्रमुख सुरेश सिंह, खंड प्रचारक कपिल नगर, कार्यवाह देश दीपक सिंह, नरेंद्र सिंह चौहान, राम रतन पाल सिंह, संजीव, सनी ठाकुर, मुनेंद्र गुप्ता, तरुण कांत उपाध्याय, सत्यवीर सिंह, धीरज साहू, सत्य बाबू साहू, आदेश शर्मा, डॉ. आशीष शर्मा, अशोक चौहान, पूर्व प्रधान दयालु, सुदेश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

संघ ने पथ संचलन करके अनुशासन का दिया संदेश

बदायूं, अमृत विचार : नगर सहसवान में स्वयंसेवक संघ ने पथ संचलन करके अनुशासन का संदेश दिया। पथ संचलन में उत्साह के साथ सैकड़ों स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग किया। लोगों ने पुष्प वर्षा से स्वागत किया। विभिन्न स्थानों पर विजयदशमी उत्सव और शास्त्र पूजन का भी आयोजन किया गया। वक्ताओं ने संघ के उद्देश्य और शताब्दी वर्ष के महत्व के बारे में बताया। घोष की धुन पर पूर्ण गणवेश में कदमताल करते हुए सैकड़ो स्वयंसेवकों ने करीब दो किमी के पथ संचलन में भाग लिया। बड़ी संख्या में स्वयंसेवक इसकी व्यवस्था में लगे। पथ संचलन यात्रा संस्कृत पाठशाला से चलकर नवादा, बाजार विल्सनगंज, पठान टोला, निनोहर बस्ती, अकबराबाद, नयागंज होते हुए संस्कृत पाठशाला पर जाकर समाप्त हुई।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र फारूख को गलत चाल-चलन एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **उरमान शाह पुत्र नन्हें शाह निवासी आलमपुर गजरौला थाना बिथरीचैनपुर तहसील व जिला बरेली। मो. 916395642452**

सूचना

मैंने अपने बड़े पुत्र तौसीव खान व पुत्रवधू रवीना पत्नी तौसीव खान को उनके दुर्व्यवहार के कारण सम्बंध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में वह अपने लेन-देन, कृत्यों आदि के स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता नहीं होगा। **सद्दीक खां पुत्र फते खां निवासी परतापुर चौधरी थाना-इज्जतनगर, बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र शिवम मिश्रा को गलत चाल-चलन एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **अनूप कुमार मिश्रा पुत्र श्री मदनलाल मिश्रा निवासी मोहल्ला बहोर नगला कस्बा व तहसील नवाबगंज जिला बरेली।**

सूचना

मेरे सभी अभिलेखों में नाम SARVESH KUMAR PREMI दर्ज है जोकि सही है जबकि मेरे पुत्र AYANK PREMI के स्कूल अभिलेखों में मेरा नाम SARVASH PREMI भूलवश दर्ज हो गया है जोकि गलत है। **सर्वेश कुमार प्रेमी पुत्र विजय बाबू प्रेमी निवासी 364 कुंवरपुर तलैया, बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

मजाक मियां के उर्स का समापन, पूर्व मंत्री ने की चादरपोशी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● रात तक चला कव्वाली का दौर अकीदतमंदों ने बजाई तालियां

● मुअज्जिज लोगों ने की चादरपोशी मांगी दुआ

अमृत विचार : विश्व प्रसिद्ध दरगाह कुत्बे औलिया हजरत मजाक मियां रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह पर चल रहे तीन दिवसीय उर्स के आखिरी दिन कव्वाली के बाद रविवार को कुल शरीफ की महफिल की रस्स अदायगी हुई। अकीदतमंद कव्वाली के कलामों में खोकर मस्ती में झूंम उठे। बरेली के कव्वाल जीशान फैजान, सिरौली के बिट्टू शेरी, आरिफ नियाजी, शाहजहांपुर के मासूम व सलमान, रामपुर के माजिद नियाजी, तनवीर की टोलियों ने पाकीजा व रुहानी कलाम पेश किए। अकीदतमंदों व जायरीनों ने हजरत मजाक मियां की मजार पर गुल व चादरपोशी करके दुआ मांगी।

रविवार दोपहर तीसरे कुल शरीफ की रस्म अदायगी कर वतन व कौम की खुशाली व सलामती की दुआ मांगी गई। तीन दिनों तक दूर-दराज से आए अकीदतमंदों ने उर्स में हाजिरी लगाई। लोगों बताया कि हजरत मजाक मियां के आस्ताने की सच्चे दिल से की गई हाजिरी कभी खाली नहीं जाती है। सच्चे दिल से मांगी मुराद पूरी होती है। दरगाह के सज्जादानशीन हजरत ख्वाजा सैयद मोहम्मद इख्तियार अली शाह अल मजाकी, हजरत ख्वाजा सैयद आसार, हजरत ख्वाजा सैयद इजहार, हजरत ख्वाजा सैयद फजल ने चादरपोशी व गुलपोशी करने में लोगों की मदद की। पूर्व मंत्री आबिद रजा ने भी उर्स में हाजिरी लगाई। चादरपोशी करके मुल्क व कौम की दुआ मांगी। उर्स कमेटी ने पूर्व मंत्री का इस्तकबाल किया। साहिबे सज्जादा ने दुआओं से नवाजा। मोहताशाम सिद्दीकी, मुहम्मद मियां, सभासद अनवर खां आदि मौजूद रहे। वहीं सपा की महिला सभा की जिलाध्यक्ष संतोष कश्यप चादरपोशी की। सज्जादानशीन ने उनकी मदद की। कमेटी ने दरगाह की चादर पहनाकर उन्हें सम्मानित किया। अमन मयंक शर्मा ने गुल पेश किए। वरिष्ठ पत्रकार हामिद ने अफजल अजीज खान, आदिल हुसैन जकरिया, मुहम्मद शमसुद्दीन शम्स, इंतजार हुसैन, सोहिल हमजा, ताहिर अली, नेत्रपाल सैलानी के साथ चादरपोशी की।

दरगाह पर चादरपोशी करने जाते पूर्व मंत्री आबिद रजा। ● अमृत विचार

करवा चौथ को लेकर बाजार में बढ़ी रौनक

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : त्योहारी सीजन शुरू हो चुका है। नवरात्र के बाद दशहरा पर्व लोगों ने हर्षोल्लास के साथ मनाया। त्योहारों के द्वारा बाजारों की रौनक दोगुना हो गई है। करवा चौथ का त्योहार आ रहा है। यह पर्व 10 अक्टूबर को मनाया जाएगा। त्योहार के चलते शहर के बाजारों में चमक अधिक बढ़ गई है। करवा चौथ के चलते बाजारों में सोलह श्रृंगार से लेकर सजावटी थालियों की मांग बढ़ी गई है। महिलाएं खरीदारी के लिए बाजार में पहुंचकर रही हैं। ग्राहकों की आमद से व्यापारी खुश दिखाई दे रहे हैं।

करवा चौथ पर्व नजदीक होने के चलते बाजार की रौनक बढ़ गई है। साड़ियों और कॉस्मेटिक की दुकानों पर अधिक भीड़ दिखाई दे रही है। इन दुकानों पर महिलाएं खरीदारी के लिए जुट रही हैं। शहर के बड़ा बाजार, चूना मंडी, टिकटगंज सहित अन्य बाजारों में चुनरी, चूड़ियां, सोलह श्रृंगार, सजावट की थालियां, करवा और सजावटी सामान खूब बिक रहे हैं। दुकानदार भी त्योहार को देखते हुए ग्राहकों को लुभाने के लिए नए-नए ऑफर और स्कीमें निकाल रहे हैं। इससे ज्यादा से ज्यादा ग्राहक आकर्षित हो सकें। खासकर कपड़ों की दुकानों में ज्यादा भीड़ देखी जा रही है।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 6 अक्टूबर 2025

वाल्मीकि जयंती के लिए 75 लाख रुपये आवंटित

सरकार ने हर जिले में रामायण पाठ, दीपदान और सांस्कृतिक आयोजन के दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

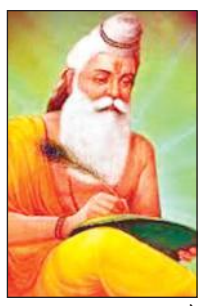

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर 7 अक्टूबर को प्रदेशभर में महर्षि वाल्मीकि जयंती श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई जाएगी। शासन ने 75 लाख रुपये की धनराशि आवंटित करते हुए सभी जिलाधिकारियों को आदेश दिया है कि यह कार्यक्रम न केवल धार्मिक परंपरा के रूप में, बल्कि सामाजिक समरसता, समानता और सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक उत्सव के रूप में आयोजित किया जाए।

सभी मंदिरों, आश्रमों और वाल्मीकि स्थलों पर रामायण पाठ, भजन-कीर्तन, दीप प्रज्ज्वलन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों, स्थानीय निकायों और सामाजिक संगठनों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर बल दिया है। साथ ही, प्रत्येक जिले में साफ-सफाई, प्रकाश, ध्वनि, सुरक्षा और पेयजल जैसी व्यवस्थाओं के लिए विशेष निर्देश जारी किए गए हैं।

शासन ने सभी जिलों को दिया बजट : महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोहों के लिए प्रति जिला एक लाख का बजट जारी किया गया है। कुल 75 लाख की स्वीकृति के साथ शासन ने स्पष्ट किया है कि यह राशि दीपदान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, मंच साज-सज्जा और जनसहभागिता संबंधी कार्यों पर व्यय की जाएगी। संस्कृति विभाग को निधि के पारदर्शी उपयोग और ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी दी गई है। जिलाधिकारियों को आयोजन की फोटो, वीडियो और रिपोर्ट शासन पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

चित्रकूट के लालापुर में होगा राज्य स्तरीय आयोजन

राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम चित्रकूट के लालापुर में आयोजित होगा, जिसे महर्षि वाल्मीकि की तपोस्थली माना जाता है। यहां कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11 बजे दीप प्रज्ज्वलन से होगी। इसके बाद रामायण पाठ, पूजन-अर्चन, भजन और लव-कुश प्रसंग की झांकी प्रस्तुत की जाएगी। आयोजन में प्रसिद्ध कलाकार दयाराम रैकवाड़ और उनकी टीम सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेगी। अन्य प्रमुख स्थलों बिठूर (कानपुर), श्रावस्ती, अयोध्या, प्रयागराज और राजापुर (चित्रकूट) में भी भव्य आयोजन होंगे। जिला प्रशासन, संस्कृति, सूचना और पर्यटन विभागों को संयुक्त रूप से इन कार्यक्रमों के समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से राजभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने राज्यपाल को पुस्तक 'विवेकानंद और मोदी-दो युगपुरुष, जिन्होंने भारत की दशा व दिशा बदली' भेंट की।

बंदी भगाने की कोशिश दो सिपाही गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गाजियाबाद के कविनगर थाने में जेल प्रशासन ने दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार : गाजियाबाद के डासना जेल से शनिवार को बंदी को भगाने की कोशिश करने वाले दो सिपाहियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनके खिलाफ कविनगर थाने में पुलिस लाइन के प्रतिसार निरीक्षक ने रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। आरोपियों की कोशिश जेल अधीक्षक की सतर्कता से नाकाम हो गई।

गाजियाबाद पुलिस लाइन में तैनात सिपाही राहुल कुमार और सचिन की ड्यूटी कैदियों को पेशी के लिए हवालात और कोर्ट में ले जाने की थी। उस दिन छह कैदियों की कोर्ट में पेशी थी। पर, राहुल और सचिन बिजेंद्र को गौतमबुद्धनगर ले जाने की जिद करने लगे। पांच अन्य कैदियों को साथ न ले जाने की बात से साजिश का संदेह हुआ। इस पर जेल अधीक्षक ने पुलिस लाइन में इसकी सूचना दी। जांच में सामने आया कि दोनों सिपाही निजी वाहन से आये हैं। इस पर पुलिस को सूचना दी गई। इसी बीच सिपाही सचिन वहां से भाग निकला। कविनगर थाने की टीम ने राहुल को हिरासत में ले लिया। वहीं कुछ देर बाद सचिन को भी गिरफ्तार किया गया। डासना जेल में बंद मेरठ निवासी बिजेंद्र के खिलाफ ईडी ने जालसाजी की रिपोर्ट दर्ज की है।

न्यूज ब्रीफ

आज काशी जाएंगे मुख्यमंत्री योगी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को दो दिवसीय दौरे पर काशी जाएंगे। उनका यह दौरा स्वच्छता, जनसेवा और विकास कार्यों को समर्पित होगा। मुख्यमंत्री चांदपुर स्थित अंतरराष्ट्रीय धान अनुसंधान संस्थान (इरी) के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र आईसार्क में आयोजित सम्मेलन में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री पिपलानी कटरा में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 400 सफाई कर्मियों को स्वच्छता किट वितरित कर सम्मानित करेंगे। इसके बाद वे अन्नपूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मचर्य आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे, जहां मुख्यमंत्री 150 कन्याओं को सिलाई-कढ़ाई मशीनें वितरित करेंगे। मुख्यमंत्री योगी विकास परियोजनाओं और कानून व्यवस्था की समीक्षा भी करेंगे। इसके साथ ही वे काशी विश्वनाथ मंदिर और काल भैरव मंदिर में दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद लेंगे व काशी में रात्रि विश्राम करेंगे।

प्रदेशभर की आशा कर्मियों का प्रदर्शन आज

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन जो कि ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियंस (ऐक्टू) से सम्बद्ध है, के आह्वान पर सोमवार को इको गार्डन में प्रदेशभर की हजारों आशा और संगिनी कार्यकर्ता अपनी लंबित मांगों के समर्थन में धरना देंगी। इस प्रदर्शन में ऐक्टू के राज्य सचिव अनिल वर्मा, भाकपा (माले) के राधे श्याम मौर्या, कॉमरेड रमेश सेंगर, मिड डे मील यूनियन की कमला गौतम, स्कीम वर्कर्स फेडरेशन की अनीता वर्मा, तथा दलित चिंतक देव कुमार कबीर भी शामिल होंगे। आशा कार्यकर्ताओं की प्रमुख मांगों में मानदेय में बढ़ोतरी, स्थायी रोजगार का दर्जा और सामाजिक सुरक्षा शामिल है। यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

सामाजिक न्याय सम्मेलन करेगी कांग्रेस

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश में सामाजिक न्याय के मुद्दे को और गर्माने की रणनीति बनाई है। पार्टी पिछड़ा वर्ग के समुदायों को एकजुट करने की मंशा के साथ प्रदेशभर सामाजिक न्याय सम्मेलन आयोजित करेगी। अभियान की शुरुआत लखनऊ से होगी। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि सामाजिक न्याय और सभी जातियों को सम्मान व अधिकार दिलाने पर पार्टी का फोकस है। इन सम्मेलनों के जरिए पार्टी न केवल पिछड़े वर्गों को एकजुट करेगी, बल्कि यह भी विश्वास दिलाएगी कि हम संसद में उनकी आवाज उठा रहे हैं।

बारबाडोस सम्मेलन में शामिल होंगे महाना

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना 5 से 12 अक्टूबर तक ब्रिजटाउन (बारबाडोस) में आयोजित होने वाले 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन (सीपीसी) में उत्तर प्रदेश विधानसभा का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह सम्मेलन राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) की 180 शाखाओं की सबसे बड़ी वार्षिक बैठक है, जिसमें विश्वभर के संसद अध्यक्ष और प्रतिनिधि लोकतंत्र, सुशासन एवं वैश्विक सहयोग जैसे विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला कर रहे हैं। इस प्रतिनिधिमंडल में महाना सहित विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं के पीठासीन अधिकारी शामिल हैं। सतीश महाना को बारबाडोस रवाना होने से पूर्व शिकागो में प्रवासी भारतीयों की ओर से सम्मानित किया गया।

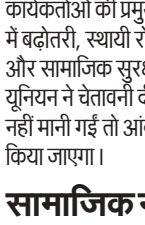

प्रदेश में भी कफ सिरप की बिक्री पर लगी रोक

राज्य औषधि प्रशासन ने लिया फैसला, एकत्र किए जाएंगे सैंपल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बच्चों के लिए उपयोग किए जाने वाले कोल्ड्रिफ कफ सिरप पर प्रतिबन्ध के बाद राज्य सरकार ने भी इसे गंभीरता से लिया है। राज्य के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने सभी जिलों में औषधि निरीक्षकों को पत्र जारी कर प्रदेश भर में मिलावटी कफ सिरप की बिक्री पर रोक लगा दी है।

राज्य औषधि प्रशासन के सहायक आयुक्त ने रविवार को जारी आदेश में सहायक आयुक्त (औषधि) दिनेश कुमार तिवारी ने स्पष्ट किया है कि मीडिया और विभिन्न रिपोर्टों के माध्यम से यह सामने आया कि सर्दी-खांसी के इलाज में उपयोग होने वाले कुछ सिरप छोटी उम्र के बच्चों की जान ले रहे हैं। इन सिरपों में मिलावट या गुणवत्ता की कमी की आशंका जताई गई है।

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि, श्रेसन फार्मास्युटिकल मैन्यू फैक्चर, बंगलौर द्वारा निर्मित कोल्ड्रिफ सिरप बैच नंबर एसआर-13, मई 2025 में पाए गए डायथायलेन ग्लाइकोल नामक मिश्रण हानिकारक है। दिनेश कुमार तिवारी ने सभी औषधि निरीक्षकों को निर्देश दिया है कि वे मेडिकल स्टोरों, थोक दवा विक्रेताओं एवं निर्माण इकाइयों पर जाकर कफ सिरप के नमूने संकलित करें और प्रयोगशाला परीक्षण के लिए भेजें। जब तक सिरप की परीक्षण रिपोर्ट उपलब्ध नहीं होती, तब तक इनकी बिक्री पर रोक लगाने के आदेश दिए गए हैं।

संदिग्ध उत्पादों की होगी पहचान

शासन ने औषधि निरीक्षकों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि वे दुकानों पर रखे कफ सिरप के बैच नंबर, निर्माता कंपनी और वितरण नेटवर्क की जानकारी संकलित करें, जिससे संदिग्ध उत्पादों की पहचान की जा सके। इतना ही नहीं, संकलित कफ सिरप के नमूनों का विवरण गूगल शीट पर देखा जाए, साथ ही सुनिश्चित किया जाए कि सैंपल प्रदेश में कई बार न लिया गया हो। सैंपल जांच के लिए लखनऊ प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेजा जाए, उक्त आदेश का कड़ाई से अनुपालन किया जाए।

बच्चों को कफ सिरप देना सुरक्षित नहीं

डॉ.राम मनोहर लोहिया संस्थान में पीडियाट्रिक गैस्ट्रोइंट्रोलाजिस्ट डॉ.पीयूष उपाध्याय ने बताया कि पांच वर्ष तक के बच्चों को कफ सिरप देना सुरक्षित नहीं होता है। इसमें मौजूद डेक्सट्रोमेथोर्फेन बच्चों में सांस की दिक्कत, चक्कर, उल्टी और बेहोशी की संभावना को बढ़ाता है। अवंती बाई महिला चिकित्सालय लखनऊ के वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ.सलमान खान का कहना है कि बिना डॉक्टर की सलाह के बच्चों को दवा नहीं देनी चाहिए, जबकि अमूमन देखा गया है कि अस्पताल में आने से पहले बच्चे सिरप का सेवन कर चुके होते हैं। डॉक्टरों को तो सिरप लिखने से बचना ही है, बल्कि अभिवावकों में भी जागरूकता होनी चाहिए।

किडनी फेल होने, मौत की घटनाएं आईं सामने

मध्य प्रदेश की एक लैब रिपोर्ट में कोल्ड्रिफ नामक कफ सिरप में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल नामक जहरीले रसायन की मौजूदगी का खुलासा हुआ है, जो इंसानों के लिए बेहद खतरनाक माना जाता है। इस केमिकल के सेवन से मध्य प्रदेश और राजस्थान में अब तक 11 से अधिक बच्चों की मौत हो चुकी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की सलाह

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सतर्क रहने की सलाह दी है। मंत्रालय ने कहा है कि दो साल से छोटे बच्चों को किसी भी प्रकार का कफ सिरप नहीं दिया जाना चाहिए, जबकि पांच साल से कम उम्र के बच्चों को केवल डॉक्टर की सलाह पर ही यह दवा दी जाए।

8 तक कई जिलों में बारिश का अनुमान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में मौसम का मिजाज बता रहा है कि चंद ही दिनों में पड़ने वाली दिवाली के त्योहार तक मॉनसून जाड़े की दस्तक देकर ही लौटेगा। दरअसल, पश्चिमी विक्षोभ के चलते आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड समेत कई राज्यों में झमाझम बारिश होगी। इस दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश के इलाकों में भारी बारिश व ओले गिरने की भी आशंका है। उत्तर प्रदेश में अक्टूबर की शुरुआत के साथ ही बारिश का सिलसिला है। मौसम विभाग ने 8 अक्टूबर तक प्रदेश के कई जिलों में बारिश का अनुमान जताया है। पूर्वी यूपी में जहां भारी बारिश का अलर्ट है, वहीं आने वाले दिनों में तेज हवाओं की भी चेतावनी है। पश्चिमी यूपी में भी भारी बारिश की संभावना है और 6 अक्टूबर को ओलावृष्टि हो सकती है।

नकली सोना गिरवी रख 88.32 लाख लोन कराने वाले दो गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एसबीआई में गोल्ड लोन स्कीम में 2015 में हुआ था फर्जीवाड़ा
- ईओडब्ल्यू लखनऊ व वाराणसी की टीम ने आरोपियों को दबोचा

अमृत विचार : भारतीय स्टेट बैंक भदोही शाखा में नकली सोना गिरवी रखकर 88.32 लाख रुपये का लोन कराने वाले गिरोह का पर्दाफाश ईओडब्ल्यू ने किया। लखनऊ व वाराणसी की संयुक्त टीम ने इस गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ 2015 में एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसकी जांच ईओडब्ल्यू द्वारा की जा रही है।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक, पकड़े गये आरोपियों में वाराणसी के लक्सा स्थित जद्दू मंडी निवासी रविशंकर वर्मा और चंदौली मुगलसराय के भोजपुर रतनपुर का संतोष कुमार सेठ शामिल है। टीम ने आरोपियों को चंदौली कोर्ट में पेश किया। जहां से जेल भेज दिया गया। इस मामले में जांच के दौरान 26 आरोपियों के नाम सामने आये। इनमें से 14 के खिलाफ ईओडब्ल्यू की टीम ने आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल कर दिया है। अभी 10 आरोपियों की तलाश की जा रही है।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक, आरोपियों ने बैंक के अधिकारियों व कर्मचारियों से सांठगांठ कर नकली सोने के जेवर का फर्जी टेस्टिंग प्रमाण पत्र श्रीकृष्णा गोल्डवार टेस्ट लैब वाराणसी के नाम से तैयार किया। भूमि की फर्जी खतौनी, नकली सोना गिरवी के रूप में बैंक की भदोही शाखा में रखा। इसके बदले में कई बार में 88,32,882 रुपये का लोन हासिल किया। इसके बाद तत्कालीन शाखा प्रबंधक की तहरीर पर 2015 में भदोही कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। शासन के आदेश पर ईओडब्ल्यू वाराणसी यूनिट को मामले की जांच सौंपी गई। ईओडब्ल्यू की जांच के दौरान रविशंकर वर्मा और संतोष कुमार सेठ का नाम सामने आया। टीम ने शनिवार देर शाम को दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

डिप्टी एसपी बने 82 अफसरों को मिली तैनाती

रविवार को शासन ने जारी की सूची, एक माह पूर्व इंस्पेक्टर हुए थे प्रोन्नत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : इंस्पेक्टर से डिप्टी एसपी बने 82 अधिकारियों को रविवार को शासन ने तैनाती दे दी है। एक माह पूर्व पदोन्नत हुए इन अधिकारियों के कार्यक्षेत्र तय कर दिये गये। जारी सूची के अनुसार, विनोद कुमार दुबे को सहायक सेनानायक 48वीं वाहिनी पीएसी सोनभद्र, राकेश कुमार शर्मा को पुलिस उपाधीक्षक एसीओ सेक्टर लखनऊ में तैनाती दी गई है।

वहीं, भैया संतोष कुमार सिंह को डिप्टी एसपी कौशांबी, विकास राय को अयोध्या, सुनील कुमार सिंह को सुल्तानपुर, शेषधर पांडेय को प्रयागराज कमिश्नरेट में एसीपी, धर्मेंद्र कुमार यादव को सीतापुर का पुलिस उपाधीक्षक बनाया गया है।

इसी तरह मुकेश कुमार को पुलिस उपाधीक्षक मैनपुरी, जिज्ञासा पाराशर को पुलिस उपाधीक्षक ईओडब्ल्यू मुख्यालय, उमाशंकर यादव को पुलिस उपाधीक्षक सीआईडी गोरखपुर, रामकृष्ण द्विवेदी को मैनपुरी और कुशलपाल सिंह को इटावा, भरत कुमार गौतम को पुलिस उपाधीक्षक गाजीपुर, बृजेश कुमार को पुलिस उपाधीक्षक सीतापुर बनाया गया है।

नवरत्न एसीपी लखनऊ व राजेश दीक्षित सीओ जीआरपी

शासन से जारी सूची के अनुसार नवरत्न गौतम को एसीपी लखनऊ कमिश्नरेट, शैलेन्द्र सिंह को पुलिस उपाधीक्षक ईओडब्ल्यू वाराणसी और वीरेंद्र कुमार सिंह को कुशीनगर, रविन्द्र कुमार सिंह को एएनटीएफ प्रयागराज, सुरेश कुमार मिश्र को एलआईयू गोंडा, दया शंकर द्विवेदी को मंडलाधिकारी बरेली, विवेक वार्ष्णेय को एलआईयू अयोध्या और रमेश चंद्र यादव को सहायक सेनानायक 10वीं वाहिनी पीएसी बाराबंकी बनाया गया है। इसी तरह आनंद कुमार ओझा को एसीपी कानपुर, दिनेश कुमार पांडेय को मुख्यमंत्री सुरक्षा, पवन कुमार बहराइच, हारून राशिद को सहायक सेनानायक यूपी विशेष परिक्षेत्र सुरक्षा वाहिनी लखनऊ बनाया गया है। अजय कुमार सिंह को सहायक सेनानायक 6वीं वाहिनी एसएसएफ अयोध्या, विपिन कुमार पांडेय को पुलिस उपाधीक्षक यातायात निदेशालय, राजेश कुमार सिंह को एसीपी वाराणसी कमिश्नरेट और मीनाक्षी शर्मा प्रथम को सहायक सेनानायक 8वीं वाहिनी पीएसी बरेली बनाया गया है।

डेंगू-मलेरिया पर नियंत्रण को अभियान की शुरुआत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने जागरूकता रैली को किया रवाना

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि डेंगू-मलेरिया व मच्छर जनित अन्य बीमारियों पर हमने करारा वार किया है। संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं घर-घर दस्तक अभियान से इन बीमारियों की रोकथाम में काफी मदद मिली है।

उप मुख्यमंत्री रविवार को अलीगंज के अर्बन सीएचसी में पांच से 31 अक्टूबर तक संचालित विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं 11 से 31 अक्टूबर तक संचालित घर-घर दस्तक अभियान के तीसरे चरण की शुरुआत करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि व्यापक स्तर पर इस अभियान का संचालन प्रदेश स्तर पर किया जाएगा। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री ने संचारी रोगों के उपचार एवं रोकथाम के लिए जागरूकता रैली भी निकाली। रैली में बड़ी संख्या में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल रहे। साथ ही फॉगिंग मशीनों को भी रवाना किया गया। उन्होंने कहा कि डेंगू, मलेरिया, जापानी इंसेफेलाइटिस और दिमागी बुखार जैसे रोगों पर नियंत्रण पाने के लिए 13 विभागों के तहत संयुक्त रूप से यह अभियान चलाया जा रहा है।

छूटे छात्रों को छात्रवृत्ति का अंतिम मौका

10 से 14 अक्टूबर तक लॉक करना होगा मास्टर डाटा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : समाज कल्याण विभाग ने वर्ष 2024-25 के लिए दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना की ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया की समय-सारिणी जारी कर दी है। इस योजना के तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, सामान्य तथा अल्पसंख्यक वर्ग के ऐसे छात्र जिन्हें गत वर्ष छात्रवृत्ति नहीं मिल पाई थी, उन्हें आवेदन का अंतिम अवसर प्रदान किया गया है।

इसके अनुसार, शैक्षणिक संस्थानों द्वारा मास्टर डेटा लॉक करने की प्रक्रिया 10 से 14 अक्टूबर तक पूरी की जाएगी। इसके बाद विश्वविद्यालय, एफिलेटिंग एजेंसी द्वारा मास्टर डाटा का सत्यापन किया जाएगा। 26 अक्टूबर तक जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा सीटों और शुल्क का सत्यापन करते हुए लॉक किया जाएगा।

27-31 अक्टूबर तक होंगे ऑनलाइन आवेदन

वर्ष 2025-26 के लिए ऑनलाइन आवेदन और रजिस्ट्रेशन की अवधि 27 से 31 अक्टूबर तक निर्धारित है। छात्रों को आवेदन पत्र का प्रिंट निकालकर संस्थान में 1 नवम्बर तक जमा करना होगा। संस्थान द्वारा ऑनलाइन सत्यापन 2 नवम्बर तक और विश्वविद्यालयों, एफिलेटिंग एजेंसी द्वारा डाटा सत्यापन 3 से 6 नवम्बर तक किया जाएगा।

त्रुटि सुधार का भी मिलेगा अवसर

छात्रों को आवेदन में त्रुटि सुधार के लिए 8 से 11 नवम्बर तक अवसर दिया जाएगा। संशोधित आवेदन को 12 नवम्बर तक संस्थान द्वारा अग्रसारित किया जाएगा। 25 नवम्बर तक जिले स्तर पर डाटा सत्यापन एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा डिजिटल सिग्नेचर लॉकिंग की जाएगी।

उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में 4जी सेवा देगा बीएसएनएल

अमित कुमार पाण्डेय, लखनऊ

- 4जी नेटवर्क के जरिए बढ़ेगी सूचना तक पहुंच

अमृत विचार : उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में अब केवल सेना के जवान ही नहीं, बल्कि बीएसएनएल भी उग्रवाद के खात्मे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है। देश की इस प्रमुख सरकारी दूरसंचार कंपनी ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में 2जी मोबाइल सेवा को 4जी में अपग्रेड करने की दिशा में तेजी से काम शुरू कर दिया है। इस परियोजना का उद्देश्य न केवल बेहतर संचार सुविधा देना है, बल्कि सुरक्षा बलों को भी स्थानीय स्तर पर सूचना जुटाने में सहयोग प्रदान करना है।

इस परियोजना के तहत कुल 78 साइटों को 4जी नेटवर्क में अपग्रेड किया जा रहा है। इनमें से 25 साइटों पर काम पूरा हो चुका है, जबकि शेष 53 साइटों पर कार्य प्रगति पर है। इन सभी साइटों पर स्वदेशी तकनीक से बने उपकरणों का इस्तेमाल किया जा रहा है जिससे 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को भी मजबूती मिल रही है।

सेना को मिलेगा संचार में लाभ

उग्रवाद प्रभावित इलाकों में जब संचार व्यवस्था मजबूत होगी, तो वहां तैनात सुरक्षाबलों को स्थानीय स्तर पर सूचनाएं जुटाने में मदद मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में आम लोगों से प्राप्त जानकारी को संकलित करने और आवश्यकतानुसार त्वरित कार्रवाई करने में भी यह नेटवर्क बेहद सहायक सिद्ध होगा।

ग्रामीण भारत को मिलेगी मजबूत कनेक्टिविटी

बीएसएनएल की यह पहल न केवल सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में डिजिटल समावेशन की दिशा में भी एक बड़ा कदम है। मुख्य महाप्रबंधक दूरसंचार उत्तर प्रदेश (पूर्व) अरुण कुमार गर्ग ने बताया कि बेहतर मोबाइल कनेक्टिविटी से शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग और प्रशासनिक सेवाएं इन क्षेत्रों में पहुंच सकेंगी। बीएसएनएल का नेटवर्क विस्तार लगातार जारी है और ग्राहक संख्या में भी वृद्धि हो रही है। कंपनी का लक्ष्य है कि देश के ग्रामीण, दूरस्थ और अति पिछड़े क्षेत्रों में सशक्त और भरोसेमंद कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जाए। यह परियोजना न केवल डिजिटल भारत की नींव को मजबूत कर रही है, बल्कि उग्रवाद के खिलाफ जंग में एक नया रणनीतिक आयाम भी जोड़ रही है। हमारा उद्देश्य है कि बीएसएनएल की पहुंच दूर-दराज और अति पिछड़े इलाकों तक हो, जिससे हर व्यक्ति संचार के माध्यम से जुड़ सके। बीएसएनएल द्वारा लगाए जा रहे 4जी बीटीएस को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि भविष्य में बिना नया टॉवर लगाए ही उन्हें 5जी में अपग्रेड किया जा सकेगा।

चुनावी रण

सपा, कांग्रेस, बसपा के नेताओं को सौंपा गया प्रचार का जिम्मा

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर यूपी में भी सरगर्मी तेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- भाजपा से मंत्रियों तो कांग्रेस से अजय राय और अविनाश को मिली जिम्मेदारी

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश के राजनीतिक हलकों में बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हैं। सभी राजनीतिक पार्टियों के नेता बिहार दौरा कर अपने-अपने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रहे हैं। चाहे सत्तासीन भाजपा हो, उसका सहयोगी दल सुभासपा या फिर सपा, कांग्रेस और बसपा जैसे विपक्षी दल, सभी ने फिलहाल बिहार पर फोकस कर रखा है।

इसी कड़ी में बसपा तो बिहार में उम्मीदवारों की सूची जारी करने वाली पहली पार्टी बनी। दरअसल, बीते चुनाव में खासकर उत्तर प्रदेश से सटे हुए इलाके में पार्टी का अच्छा प्रदर्शन रहा था, इसलिए उन विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार की घोषणा पहले ही कर दी गई। बसपा को विधानसभा चुनाव 2020 में एक सीट पर जीत मिली भी थी।

बीते दिनों कैबिनेट मंत्री और एनडीए सहयोगी ओम प्रकाश राजभर ने भी बिहार की सियासत में दिलचस्पी दिखाते हुए घोषणा की थी कि सुभासपा चुनाव में एनडीए के साथ मिलकर मैदान में उतरेगी। इस बीच कांग्रेस ने अपने नेताओं को उप्र. से पहले बिहार की चुनावी परीक्षा में उतार दिया है। पार्टी ने बिहार विधान सभा चुनावों में यूपी कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय समेत कई को जिम्मेदारी सौंपी है।

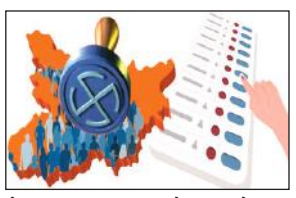

इधर, उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव लगातार बैठकों और चर्चाओं के जरिए बिहार चुनाव के मद्देनजर संगठन से फीडबैक ले रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, सपा पहले बिहार चुनाव में होमवर्क करेगी और वहां विधानसभा चुनाव के समाप्त होते ही पार्टी कई सीटों पर उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर सकती है।

सत्तासीन भाजपा के दिग्गज भी सक्रिय

उत्तर प्रदेश भाजपा ने बिहार विधान सभा चुनाव में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को प्रदेश चुनाव सह प्रभारी बनाने के साथ ही राज्य के बड़े नेताओं की फौज भी चुनाव मैदान में उतार दी है। ऐसे में यूपी के दिग्गज भाजपाई अब बिहार की जनता को साधेंगे। इनमें संगठन के साथ ही योगी सरकार के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा, गन्ना विकास राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार और पार्टी के सांसद व विधायक भी शामिल हैं। सभी को एक या दो लोक सभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन लोक सभा क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले विधान सभा क्षेत्रों में ये प्रचार करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

कबड्डी में आरएसएम धामपुर विजेता

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालीय प्रतियोगिताओं की रविवार से शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में अंतर महाविद्यालीय कबड्डी पुरुष प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें आरएसएम धामपुर की टीम विजेता रही और विवि परिसर की टीम दूसरे स्थान पर रही। शुरुआत मुख्य अतिथि कुलसचिव हरीश चंद्र ने की। क्रीड़ा सचिव डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि अंतर महाविद्यालयी कबड्डी प्रतियोगिता में से ही नॉर्थ जोन कबड्डी टीम का चयन किया जाना है।

खानकाह ए वामिकिया में उर्स 10 से

बरेली, अमृत विचार : शाहदाना वली रोड स्थित दरगाह आले रसूल खानकाह ए वामिकिया पर होने वाले उर्स को लेकर रविवार दोपहर दरगाह पर प्रेसवार्ता का आयोजन हुआ, जिसमें उर्स का पोस्टर जारी कर कार्यक्रम की जानकारी दी गई। सज्जादानशीन सय्यद असलम मियां वामिकी जीलानी ने पोस्टर जारी करते हुए बताया कि सय्यद वामिक मियां का 80 वां और ताजुल औलिया, सय्यद निशात मियां का 47 वां उर्स 10 से 12 अक्टूबर तक मनाया जाएगा।

कमेटी खुद ही तोड़ने लगी गौसुलवरा मस्जिद

राया बुजुर्ग गांव में मस्जिद के सरकारी जमीन पर बने अगले हिस्से को बुलडोजर से ढहाया गया

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: असमोली थाना क्षेत्र में आने वाले राया बुजुर्ग गांव की मस्जिद को ध्वस्त करने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली तो रविवार को मस्जिद कमेटी ने खुद ही मस्जिद तुड़वानी शुरू कर दी। एक घंटे तक बुलडोजर ने मस्जिद का अगला हिस्सा तोड़ दिया। कुछ निर्माण ग्रामीणों व मजदूरों ने भी तोड़ा। गांव के मुस्लिमों का कहना है कि इलाहबाद उच्च न्यायालय ने उन्हें निचली अदालत में जाने की सलाह दी है। लेकिन अब वे कहीं नहीं जा रहे हैं। प्रशासन ने चार से छह दिन की मोहलत दी है उसमें मस्जिद के सरकारी जमीन वाले हिस्से को खुद तोड़ लेंगे।

रायां बुजुर्ग गांव में खाद के गड्ढों के नाम दर्ज सरकारी जमीन पर मस्जिद व तालाब की जमीन पर बैंकट हाल बना लिए जाने की शिकायत पर तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह की अदालत में मुकदमा दायर होने के बाद तहसीलदार ने

संभल के राया बुजुर्ग गांव में मस्जिद का अवैध निर्माण तोड़ता बुलडोजर। ● अमृत विचार

- निचली अदालत में जाने की बात पर हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी याचिका

धारा 67 के तहत तालाब में खाद के गड्ढों की जमीन को कब्जा मुक्त करने का आदेश पारित किया था। 2 अक्टूबर को आधा दर्जन से ज्यादा बुलडोजर ने मैरिज हाल को ध्वस्त कर दिया था। मस्जिद कमेटी ने मस्जिद का निर्माण खुद हटा लेने के लिए प्रशासन ने चार दिन की मोहलत ले ली थी। 3 अक्टूबर को मस्जिद का कुछ हिस्सा तोड़ा लेकिन दूसरी तरफ ध्वस्तीकरण के आदेश पर रोक लगाने के लिए मस्जिद कमेटी ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर दी। 4 अक्टूबर को उच्च न्यायालय ने मस्जिद कमेटी की याचिका खारिज कर उन्हें निचली अदालत में जाने को कह दिया। इसके बाद कयास लगाये जा रहे थे कि मस्जिद कमेटी निचली अदालत में जायेगी। इस असमंजस के बीच रविवार को दोपहर बाद 510 वर्गमीटर सरकारी जमीन पर बनी मस्जिद को खुद ही तोड़ना शुरु कर दिया। असमोली थाना प्रभारी राजीव कुमार मलिक पुलिस बल के साथ गांव पहुंच गए। बुलडोजर ने मस्जिद की दो बाहरी दीवारों को तोड़ दिया जबकि ग्रामीणों ने मुख्य दरवाजे के ऊपर के निर्माण को तोड़ने का काम किया। एक घंटे तब बुलडोजर गरजा लेकिन उसके बाद शांत होकर खड़ा हो गया। कहा यह गया कि बुलडोजर में खराबी आ गई है।

निचली अदालत में नहीं जायेंगे: कमेटी

इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने वाले मस्जिद के मुतवल्ली मिंजार हुसैन ने बताया कि हाईकोर्ट ने कहा निचली अदालत में जाओ। हम निचली अदालत में नहीं जाएंगे। प्रशासन का जो आदेश है उसका पालन करते हुए मस्जिद को तोड़ रहे हैं। हमें प्रशासन ने जो चार से छह दिन का समय दिया था उसी समय में अवैध निर्माण तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। मजदूरों से काम कराया लेकिन उतना काम नहीं हो पा रहा था। इसीलिए हमने बुलडोजर मंगाया। मिंजार हुसैन ने कहा कि हमें नहीं पता था कि जिस जमीन पर मस्जिद बनी है वह सरकारी है। अब कहीं जमीन लेकर कानूनी तरीके से मस्जिद बनाएंगे।

लंदन की यूनिवर्सिटी में प्रवेश का झांसा देकर14 लाख ठगे

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- खुद को एड्यूलाइफ काउंसिलिंग फर्म का बताकर की वसूली , तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: लंदन की यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया में प्रवेश दिलाने के नाम पर युवक से 14 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। युवक ने जब पैसे वापस मांगे तो उसे जान से मारने की धमकी दी। बारादरी थाना पुलिस ने शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की। अब एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

बदायूं के थाना बिसौली के गांव लक्ष्मीपुर निवासी सत्यप्रकाश ने बताया कि वह मौजूदा समय में बारादरी क्षेत्र के स्टेडियम रोड पर रह रहे हैं। उसकी मुलाकात रमनीत, जसप्रीत और दविंदर कौर से हुई। आरोप है कि तीनों ने बताया कि उनकी एड्यूलाइफ काउंसलिंग सर्विस प्राइवेट लिमिटेड फर्म है। उन्होंने लंदन की यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया में प्रवेश दिलाने के नाम पर 27 सितंबर 2022 को 32 हजार और 21 अक्टूबर 2022 को 15 हजार, 2 दिसंबर को 76 हजार, 15 दिसंबर को 80 हजार, 22 अगस्त 2023 को 1 लाख 74 हजार ले लिए। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने 2022 से लेकर फरवरी 2024 के बीच करीब 12.74 लाख रुपये ऑनलाइन और 1.85 लाख रुपये नकद दिए। पैसे मिलने के बाद आरोपियों ने उन्हें फर्जी ऑफर लेटर और कागजात थमा दिए। पीड़ित का कहना है कि आरोपियों ने उसी दौरान उसके नाम पर एचडीएफसी और एक्सिस बैंक में खाते खुलवाए और उसके ब्लैंक चेक पर साइन कराकर रख लिए, जिन्हें अब गलत तरीके से इस्तेमाल करने की धमकी दी जा रही है। जिसके बाद उन्हें अपने साथ हुई ठगी का अहसास हुआ। एसएसपी के आदेश पर डीडीपुरम निवासी रमनीत सिंह, जसप्रीत सिंह और उनकी नानी दविंदर कौर के खिलाफ बारादरी थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

सरकारी विभागों के निजीकरण से कर्मचारियों का अस्तित्व खतरे में

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के द्विवार्षिक अधिवेशन में बोले मुख्य अतिथि वीके मिश्रा
- अधिवेशन के चुनाव में सर्वसम्मति से अध्यक्ष समेत चार पदों पर निर्वाचित हुए पदाधिकारी

अमृत विचार: राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का द्विवार्षिक अधिवेशन का चुनाव रविवार को तीन सौ बेड अस्पताल के सभागार में हुआ, जिसमें सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष अजयपाल सिंह गंगवार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जीवन सिंह यादव, चेयरमैन संघर्ष समिति रामनरेश सिंह पटेल, जिला मंत्री जनार्दन सिंह और संप्रेक्षक जगपाल सिंह निर्वाचित किए गए। अधिवेशन में 75 जिलों के अध्यक्ष, मंत्री और संबद्ध संगठनों के अध्यक्ष, महामंत्री और पर्यवेक्षक शामिल हुए।

मुख्य अतिथि इप्सेफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्र ने कहा कि वर्तमान में कर्मचारियों का अस्तित्व खतरे में है क्योंकि सरकार विभागों का निजीकरण करती जा रही है। भर्तियां आउटसोर्स से हो रही हैं। आयोग की ओर से कुछ पदों पर चयन होता है तब तक उतने ही कर्मचारी सेवानिवृत्ति हो जाते हैं। परिषद के अध्यक्ष सुरेश रावत ने कहा कि आउटसोर्सिंग संविदा पर भर्ती बंद कर सभी पदों पर नियमित भर्ती की जाए और पदोन्नतियां समय से की जाएं। पुरानी पेंशन को बहाल किया जाए।

महामंत्री अतुल मिश्रा ने अधिवेशन में कर्मचारी हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। निर्वाचित पदाधिकारियों ने इप्सेफ के पदाधिकारियों का अभिवादन करते हुए विश्वास दिलाया कि देशभर के कर्मचारियों के हित में जो भी कार्यक्रम होगा उसे पूर्व की भांति सफल बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के आदेश पर कोई सुधार नहीं हो रहे हैं, जिससे बड़े आंदोलन की स्थिति बन रही है। उप्र पशु चिकित्सा फार्मासिस्ट संघ के जिलाध्यक्ष नागेश तोमर ने बताया कि इप्सेफ के आह्वान पर देशभर के कर्मचारियों की 14 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल रैली होगी। चुनाव अधिकारी गंगाराम गंगवार व सहायक चुनाव अधिकारी जीवीसी यादव ने पंकज द्विवेदी को उपाध्यक्ष और आशीष मिश्रा को जिला संयुक्त मंत्री पद के लिए नामित किया। पवन चतुर्वेदी, रामश्री, बीसी यादव, हरीश चंद्र सिंह, अखिलेश सक्सेना, अनय कन्नौजिया, विशाल रस्तोगी, नवल जोशी, कपिल गंगवार, जावेद वसी, राम नारायण सक्सेना, उदयवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

उत्तरायणी जन कल्याण समिति की 21 सदस्यीय टीम ने ली शपथ

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पदाधिकारियों ने जल्द उत्तरायणी मेला 2026 की तारीखों का ऐलान करने की बात कही

अमृत विचार: स्टेडियम रोड स्थित खुशहाली सभागार में रविवार को उत्तरायणी जन कल्याण समिति के निर्विरोध नवनिर्वाचित अध्यक्ष अमित पंत, महामंत्री मनोज पांडेय और कोषाध्यक्ष कमलेश बिष्ट को मुख्य चुनाव अधिकारी रामेश्वर पांडेय ने शपथ ग्रहण करायी।

शपथ ग्रहण करने के बाद महामंत्री मनोज पांडेय ने 21 सदस्यीय टीम की घोषणा की, जिसमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश पांडेय, वरिष्ठ सचिव रामेश्वर पांडेय, मुख्य सलाहकार मुकुल भट्ट, मीडिया प्रभारी रमेश शर्मा, सांस्कृतिक प्रभारी पूरन दानू, प्रचार सचिव दिनेश पंत, स्मारिका प्रभारी प्रकाश पाठक, सचिव मोहन चंद्र पाठक, एनडी पांडेय, कुंवर सिंह बिष्ट, उपाध्यक्ष विनोद जोशी, सलाहकार डॉ. मनोज कांडपाल, कार्यकारिणी सदस्य में चंदन नेगी, तारा जोशी, पुष्कर राणा, जगदीश सती, अजय बिष्ट, जगदीश आर्या को शामिल किया। नयी टीम का माला पहनाकर अभिनंदन किया। सर्वसम्मति से जानकारी दी गयी कि जल्द ही आने वाले उत्तरायणी मेला 2026 की तारीखों का ऐलान किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. विनोद पागरानी ने टीम को बधाई देते हुए आने वाले कार्यक्रमों में सहयोग देने का वायदा किया। कार्यक्रम में पदम रावत, सीबी तिवारी, जीत सिंह बोहरा, चंद्र प्रकाश जोशी, प्रकाश जोशी, भवानी जोशी, कैप्टन शेर सिंह, कैप्टन मोहन सिंह बसंत, लेखक गौरव पांडेय, महेश पांडेय, कमला पांडेय, शंकर सिंह बोहरा का सहयोग रहा।

गैस का टैंकर नदी में गिरा, दो की मौत

कार्यालय संवाददाता, बिजनौर

नदी में पड़ा टैंकर। ● अमृत विचार

- दोनों मृतक चालक-हेल्पर रामपुर के टांडा के रहने वाले थे
- काशीपुर से हरिद्वार जा रहा था टैंकर, पुलिया तोड़ नचना में गिरा

अमृत विचार: जनपद के अफजलगढ़ क्षेत्र में शनिवार रात लिक्विड कार्बन डाइऑक्साइड से भरा एक टैंकर अनियंत्रित होकर नचना नदी में जा गिरा। चालक-परिचालक की मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, यह हादसा थाना अफजलगढ़ क्षेत्र के मेघपुर मोड़ पर देर रात करीब ढाई बजे हुआ। बताया गया कि तेज़ रफ्तार में जा रहा टैंकर अचानक नियंत्रण खो बैठा और पुलिया तोड़ते हुए सीधे नदी में जा गिरा। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टैंकर के परखच्चे उड़ गए। राहत-बचाव दल को शव निकालने में घंटों मशक्कत करनी पड़ी।

रामपुर के टांडा निवासी सतपाल कश्यप (32) और रोबिन कश्यप उर्फ भोला (24) काशीपुर से लिक्विड कार्बन डाई ऑक्साइड से भरा टैंकर लेकर हरिद्वार की ओर जा रहे थे। अफजलगढ़ क्षेत्र के मेघपुर मोड़ पर टैंकर अनियंत्रित हो गया और नचना नदी की पुलिया तोड़ते हुए नीचे गिर गया।

टैंकर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। तेज आवाज सुनकर लोग पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची अफजलगढ़ पुलिस ने दोनों को निकाला। तब तक उनकी मौत हो गई थी। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में पाया गया है कि हादसे के समय परिचालक वाहन चला रहा था। उसने संतुलन खो दिया और टैंकर नदी में जा गिरा। फिलहाल दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच जारी है।

अस्पताल की इमरजेंसी में ठोकी कार, दो बंदी रक्षक निलंबित

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- कार की टक्कर से गमले, स्ट्रेचर और रेलिंग टूटी, एक युवक घायल

अमृत विचार: जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में रविवार सुबह 7 बजे तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से एक युवक घायल हो गया और स्ट्रेचर, गमले और रेलिंग टूट की गई। कार में दो बंदी रक्षक थे, जिनकी ड्यूटी जिला अस्पताल में भर्ती एक बंदी की सुरक्षा में लगी थी। दोनों मौके से फरार हो गए। लोगों ने बताया कि दोनों नशे में थे। जेल अधीक्षक ने दोनों को निलंबित कर दिया है।

चश्मदीदों ने बताया कि रविवार सुबह एक तेज रफ्तार कार जिला अस्पताल के मुख्य द्वार से अंदर दाखिल हुई। अस्पताल में आने के बावजूद कार की रफ्तार को चालक ने धीमा नहीं किया। कार लेकर वह इमरजेंसी वार्ड की तरफ आया और सीधा वार्ड के गेट के आगे लगे पोल में जा घुसा। हादसे में कार पोल से टकराने के बाद वार्ड में रखा स्ट्रेचर तक क्षतिग्रस्त हो गया। इसके अलावा कई गमले भी टूट गए। वहीं इमरजेंसी वार्ड में भर्ती यादराम मरीज भी घायल हो गया।

जिला अस्पताल प्रबंधन की तरफ से जेल अधिकारियों को जानकारी दी गई। जांच में पता चला कि सेंट्रल जेल-2 (जिला जेल) के बीमार बंदी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बंदी की अभिरक्षा में बंदी रक्षक रोहित राणा और पुष्पेंद्र तैनात थे। जेल अधीक्षक विपिन मिश्रा ने दोनों को लापरवाही बरतने के मामले में निलंबित कर दिया और मामले की जांच शुरू करा दी है।

नफीस ने वर्दी उतरवाने की दी थी धमकी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- आई लव मुहम्मद लिखे पोस्टर हटवाने के बाद किला इंस्पेक्टर का हाथ कटवाने की दी थी धमकी
- वीडियो हुआ था वायरल इंस्पेक्टर ने खड़े होकर चलवाया बुलडोजर

अमृत विचार : आईएमसी प्रमुख तौकीर रजा खां के करीबी कहे जाने वाले नफीस ने 21 सितंबर को इंस्पेक्टर किला की वर्दी उतरवाने और हाथ काट लेने की धमकी दी थी। नफीस का ये वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर वायरल हुआ था। इसके बाद किला पुलिस ने नफीस समेत दो लोगों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किया था। इस घटना के एक सप्ताह बाद ही आई लव मुहम्मद को लेकर शहर में बड़ा बवाल हो गया और कार्रवाइयों का सिलसिला शुरू हो गया। नफीस ने जिन किला इंस्पेक्टर सुभाष कुमार की वर्दी उतरवाने और हाथ काटने की धमकी दी थी, उन्हीं के सुरक्षा घेरा में दो दिन चली कार्रवाई में नफीस का बरातघर रजा पैलेस ध्वस्त कर दिया गया।

आई लव मुहम्मद पोस्टर को लेकर चल रहे विवाद के दौरान आईएमसी प्रमुख तौकीर रजा ने 26 सितंबर को इस्मामिया इंटर कॉलेज मैदान में भीड़ के साथ राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन देने का ऐलान किया था। इस ऐलान के बाद से शहर भर में जगह-जगह आई लव मुहम्मद की पोस्टरबाजी शुरू हो गई थी। किला क्षेत्र में आई लव मुहम्मद लिखे पोस्टर लगाए जाने की जानकारी मिलने पर इंस्पेक्टर किला सुभाष कुमार पुलिस बले के साथ मौके पर पहुंचे थे। इंस्पेक्टर ने धमकाकर भीड़ को मौके से खदेड़ते हुए पोस्टर हटवा दिए थे। इसकी जानकारी होने पर नफीस वहां पहुंचे और लोगों के सामने रौब गालिब करते हुए इंस्पेक्टर की वर्दी उतरवाने और हाथ कटवाने की धमकी दी थी। किसी ने नफीस की धमकी देने का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। इसके बाद पुलिस ने 21 सितंबर को नफीस समेत दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था।

पुलिस अभी इस मामले की जांच कर ही रही थी और धमकी देने के मामले में उनके खिलाफ कार्रवाई होती, इससे पहले 26 सितंबर को जुमे की नमाज के बाद बड़ा बवाल हो गया। मौलाना तौकीर रजा के समेत उनके करीबियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ और कार्रवाई का सिलसिला जारी है।

बीडीए ने किला क्षेत्र के जखीरा मोहल्ले में स्थित नफीस के बरातघर रजा पैलेस को अवैध बताते हुए शनिवार से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की। इंस्पेक्टर किला सुभाष कुमार की सुरक्षा व्यवस्था में दो दिन में शांतिपूर्ण तरीके से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पूरी हुई है।

प्रतिबंधित छात्र को मिड टर्म परीक्षा के लिए मिलेगा प्रवेश

बरेली, अमृत विचार: रुहेलखंड विश्वविद्यालय के विधि विभाग की शिक्षिका के साथ अभद्रता मामले में छात्र का प्रवेश प्रतिबंधित किया गया है। छात्रहित में चीफ प्रॉक्टर रवेंद्र कुमार ने आंतरिक परीक्षा (मिड टर्म) के लिए अनुमति दी है।

चीफ प्रॉक्टर ने विधि विभागाध्यक्ष को पत्र लिखा कि कुलपति के आदेश पर उच्चस्तरीय तीन सदस्यीय समिति ने जांच पूरी होने तक छात्र का तत्काल प्रभाव से विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश प्रतिबंधित किया है। छात्र की आंतरिक परीक्षा 8 अक्टूबर को प्रस्तावित है।

छात्रहित को ध्यान में रखते हुए छात्र को लिखित परीक्षा देने की अनुमति प्रदान की जाती है। छात्र की उत्तर पुस्तिका सीलबंद लिफाफे में रखी जाएंगी। समिति की रिपोर्ट आने के बाद ही छात्र की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाएगा।

फुटबॉल हॉस्टल ने लीग पर किया कब्जा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- फाइनल में यूथ एफसी को 2-0 से हराया

अमृत विचार: जिला फुटबॉल एसोसिएशन की ओर से स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित जिला फुटबॉल लीग का रविवार को समापन हो गया। फाइनल में फुटबॉल हॉस्टल ने यूथ एफसी को 2-0 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा किया।

फुटबाल हॉस्टल ने शुरू से आक्रामक रुख के साथ खेल को आगे बढ़ाया। खेल के 29 वें मिनट में हॉस्टल के प्रशांत ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। प्रशांत ने शानदार मूव बनाते हुए 31वें मिनट में गोल कर बढ़त को 2-0 कर दी। हाफ टाइम के बाद यूथ एफसी की टीम ने गोल करने के बेहतरीन मूव बनाए लेकिन हॉस्टल के गोलकीपर प्रांजल ने सारे प्रयासों को विफल करते हुए टीम को जीत दिलाई। यूथ के शान ने मैच में शानदार खेल का प्रदर्शन किया। हॉस्टल के गौरव और यूथ के शान को येलो कार्ड दिखाकर बाहर किया गया। फाइनल में रेफरी के निर्णय को लेकर भी आलोचना की गई। मैच में डॉ. श्वेतांक गंगवार और डॉ. कमल जिंदल ने खिलाड़ियों को फ्री ओपीडी की सुविधा दी। विजेता, उपविजेता और रेफरी को रोटरी क्लब की ओर पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. रितु भूटानी, ब्लॉक प्रमुख सतेंद्र यादव, अमरजीत सिंह बक्शी, मून रौविशन, डॉ. प्रेम मोहन झा, पवन सक्सेना, मनोज शर्मा, देवेन्द्र तिवारी, कोच नसीम अख्तर, अनिल, देवेन्द्र देवलिया, मंजूर, मुशताक, आशु भारती उपस्थित रहे।

एक साल पहले बाग कटवाकर बनाया था अवैध बरात घर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- वर्ष 2024 के अक्टूबर माह में बनकर तैयार हुआ था बरात घर
- एक साल ही हो सका संचालन, अब तक हो चुकी छह शादियां

अमृत विचार : आईएमसी प्रमुख तौकीर रजा खां के करीबी नफीस ने किला के जखीरा मोहल्ले में जिस स्थान पर इस अवैध बरात घर रजा पैलेस का निर्माण कराया था वहां पर एक साल पहले तक हरा भरा बाग हुआ करता था। इसकी ठंडी छांव में मुहल्ले के बच्चे और बुजुर्ग ठंडक का आनंद लेते हुए आराम फरमाते थे। एक साल पूर्व रसूख के दम पर बाग को कटवाकर यहां मिट्टी का भरान करवाया। इसके बाद इस अवैध बरात घर का निर्माण कराना आरंभ किया था।

स्थानीय लोगों के अनुसार, इस बारात घर का निर्माण वर्ष 2024 के अक्टूबर में पूरा हुआ है, लेकिन इसके एक माह तक यहां पर कोई भी वैवाहिक कार्यक्रम होते लोगों को नहीं देखा, लेकिन फिर यहां वैवाहिक कार्यक्रम हुए। अब तक करीब 6 से 7 कार्यक्रम यहां हो चुके होंगे। अब बीडीए की कार्रवाई के बाद से आसपास के लोग भी सकते में है। उन्हें इसकी भनक तक नहीं थी बरात घर रजा पैलेस का निर्माण पूरी तरह से अवैध रूप से कराया जा रहा है।

घर के बाहर बैठकर बरातघर टूटे देखते रहे : रजा पैलेस के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू होने से पहले ही भारी पुलिस बल ने यहां आसपास की गलियों को बंद कर आवागमन रोक दिया था, इसलिए मौके पर तो भीड़ नहीं जुट सकी, लेकिन कुछ लोग अपने घरों के बाहर बैठकर अवैध निर्माण ध्वस्त होते घंटों ताकते रहे। कई महिलाएं और बच्चे छतों और छज्जों से कार्रवाई को देखते रहे। पूछने पर एक बुजुर्ग ने बताया कि क्या ही कहें मियां, बुरे का अंत बुरा ही होता है।

क्या है बरात घर के ठीक पीछे बनी कब्र का सच

जैसे ही बीडीए की टीम ने इस बरात घर के पीछे के हिस्से को ध्वस्त करना आरंभ किया तो एक चौंकाने वाला नजारा देखने को मिला। बरात घर के ठीक पीछे खाली पड़ी जमीन पर दो कब्र बनी हुईं हैं। हालांकि इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि जिस जमीन पर ये बरात घर बनाया गया है ये वक्फ की संपत्ति हो सकती है हालांकि ये प्रशासन की जांच के बाद ही साफ हो सकेगा।

कोई चला रहा था हथौड़ा तो कोई ड्रिल मशीन

रजा पैलेस करीब 500 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बना हुआ था। इसका निर्माण इतनी मजबूती से कराया गया था कि पहले दिन बीडीए के चार बुलडोजर भी इस दो मंजिला भवन को ध्वस्त करने में कम पड़ गए। शनिवार की देर शाम तक ध्वस्तीकरण की कार्रवाई चलने के बाद भी रजा पैलेस का सिर्फ 70 फीसदी हिस्सा ही ध्वस्त हो सका। वहीं रविवार को शेष भाग को ध्वस्त करने के लिए भी देर शाम तक कार्रवाई चली। दो बुलडोजर के साथ ही अन्य सदस्य हथौड़ा और ड्रिल मशीन लेकर भी निर्माण को घंटों तोड़ते नजर आए। जो काफी मशक्कत के बाद टूटा।

घर आया रिश्तेदार गहने लेकर फरार

बरेली, अमृत विचार: गायत्रीनगर निवासी विनोदा सक्सेना ने बताया कि बदायूं के दातागंज निवासी राहुल उर्फ हनी रिश्तेदार है। 28 जून की सुबह को वह उसके घर आया था। बेड के पास डिब्बे में दवा के साथ पायल रखी थी। वह घर की छत पर बने मंदिर में पूजा करने चली गईं। नीचे आकर राहुल से नाश्ते को कहा तो उसने मना किया और वहां से चला गया।

रात में मंदिर जाने के लिए वह पायल निकालने गईं तो नहीं मिली। कमरे में जाकर देखा तो बक्से में रखे सोने का हार, चार सोने की चूड़िया, टीका समेत लगभग 6 तोला सोने का सामान गायब था। उसने राहुल से कॉल करके गायब जेवर के बारे में पूछा तो उसने जानकारी होने से इन्कार कर दिया। उसने इज्जतनगर पुलिस से शिकायत की, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। अब डीजीपी के निर्देश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की।

शत्रु संपत्तियां अभिलेखों में दर्ज नहीं, हुए कब्जे

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- शत्रु संपत्तियों की अमल-दरामद कराकर तैयार होगी नए सर्किल रेट से मूल्यांकन रिपोर्ट
- तहसील सदर, आंवला, बहेड़ी, फरीदपुर और नवाबगंज को अभियान चलाने के निर्देश

अमृत विचार : नगर निगम सहित जिले की पांच तहसीलों में सैकड़ों शत्रु संपत्तियां ऐसी हैं जो राजस्व अभिलेखों में दर्ज नहीं हैं। इन संपत्तियों पर लोगों ने कब्जा कर लिया है। ऐसी संपत्तियों को चिह्नित कर उनका अमल-दरामद कराने के लिए लखनऊ से वेस्टिंग आर्डर जारी किया गया है। इसके बाद नगर निगम के साथ सदर, बहेड़ी, आंवला, बहेड़ी, फरीदपुर और नवाबगंज तहसीलों में शत्रु संपत्तियों को चिह्नित कर उनका अमल-दरामद कराया जाएगा। इसके साथ नवीन सर्किल रेट के आधार पर निर्धारित प्रारूप पर जिला मूल्यांकन रिपोर्ट और संयुक्त सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार होगी।

शत्रु संपत्ति प्रभारी एवं एडीएम सिटी सौरभ दुबे ने वेस्टिंग ऑर्डर के आधार पर शत्रु संपत्तियों का अमल दरामद कराने के लिए नगर निगम के अपर नगर आयुक्त, सदर, आंवला, बहेड़ी, फरीदपुर, नवाबगंज के तहसीलदारों को पत्र जारी किया है। सभी को निर्देश दिए हैं कि जिले की कई शत्रु संपत्तियां राजस्व अभिलेखों में दर्ज नहीं है। इन पर अवैध कब्जे कर लिए गए हैं। इससे सरकार का अहित हो रहा है। जो व्यक्ति पाकिस्तान चले गये, वहां की नागरिकता प्राप्त कर ली, उनके संबंध में जिला प्रशासन की आख्या, स्थानीय अभिसूचना इकाई की आख्या भी उपलब्ध है। ऐसी शत्रु संपत्तियों के संबंध में वेस्टिंग आर्डर जारी किया है। इसमें शत्रु संपत्तियों से संबंधित कागजातों की छाया प्रतियां अमल-दरामद के लिए भेजी गयी हैं।

अमल-दरामद कराकर नए सर्किल रेट के आधार पर निर्धारित प्रारूप पर जिला मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार की जानी है। पत्र में आदेशित किया है कि एक अभियान चलाकर कागजातों के आधार पर शत्रु संपत्तियों को शत्रु संपत्ति अभिरक्षक, गृह मंत्रालय के नाम दर्ज कर अवगत कराएं। एडीएम सिटी ने सभी को निर्देश दिए हैं कि निर्देशों के अनुक्रम में विशेष अभियान चलाकर कागजातों के आधार पर अमलदरामद कराकर खतौनी की प्रति सहित आख्या एक सप्ताह के अंदर उपलब्ध कराएं, जिससे आख्या शत्रु संपत्ति कार्यालय लखनऊ को भेजी जा सके।

अमृत विचार

सोमवार, 6 अक्टूबर 2025

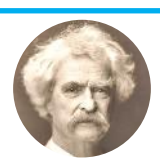

किताबें उन लोगों के लिए हैं, जो चाहते हैं कि वे कहीं और हों।
–मार्क ट्वेन, अमेरिकन राइटर

ताकि दर्द न दे दवा

राजस्थान और मध्य प्रदेश में कथित तौर पर कफ सिरप पीने से बच्चों की मृत्यु अत्यंत दुखद है। पहली मौत के बाद जांच में देरी और भी त्रासदीपूर्ण रही। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हमारी दवा नियंत्रण प्रणाली में गहरी खामियां हैं, यदि इन्हें समय रहते दुरुस्त नहीं किया गया तो कहीं भी अत्यंत दारुण स्थिति उत्पन्न हो सकती है। घटना के बाद कुछ राज्यों ने संदिग्ध कफ सिरप पर रोक लगाई, तो दवा निर्माण में अग्रणी आधा दर्जन से अधिक राज्यों में दवा उत्पादों की सघन जांच शुरू हो गई। केंद्र सरकार ने भी अपेक्षाकृत त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए सभी राज्यों के स्वास्थ्य सचिवों और ड्रग कंट्रोलर्स की आपात बैठक बुलाई- यह स्वागतयोग्य कदम है, पर दीर्घकालिक सकारात्मक परिणाम तभी मिलेंगे, जब औपचारिक दिशा-निर्देशों पर ईमानदारी से कार्रवाई भी हो। सरकार द्वारा दवा निर्माताओं, वितरकों और विक्रेताओं के काम को सुगम करने के लिए जन विश्वास विधेयक के तहत ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की धारा 27D में फेरबदल का प्रस्ताव यदि कानून बना, तो पहले जिन गड़बड़ियों को गंभीर अपराध माना जाता था और जेल की सजा निश्चित थी, वे कृत्य केवल जुर्माने तक सीमित हो सकते हैं। यह बदलाव दवा सुरक्षा पर भारी असर डाल सकता है।

आज भारतीय बाजार में बिकने वाले दवा उत्पादों में से 20 फीसद से ज्यादा नकली हैं। 5 फीसद जेनेरिक दवाएं बेकार। पैरासिटामोल, ओआरएस घोल और सामान्य आई-ड्रॉप्स जैसी सैकड़ों सामान्य उपयोग की दवाएं संदूषित या अमानक हैं। हम दुनिया की 'फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड' कहलाते हैं। देश में तीन हजार से अधिक दवा कंपनियां और लगभग 10,500 क्रियाशील दवा उत्पादक इकाइयां हैं। हम 185 से अधिक देशों को दवाइयां निर्यात करते हैं और 2030 तक अपने दवा बाजार को 130 अरब डॉलर के पार ले जाने का लक्ष्य रखते हैं। इस प्रतिष्ठा और लक्ष्य को बचाने के लिए नियमों को सरल नहीं, बल्कि कठोर और प्रभावी बनाना होगा।

समस्या केवल उत्पादन स्तर की नहीं है; निगरानी, गुणवत्ता-परीक्षण और लाइसेंसिंग की ढीली व्यवस्थाएं भी जिम्मेदार हैं। कई बार जानलेवा बताई जाने वाली दवाओं को रिकॉल और रैपिड-अलर्ट दिशा-निर्देशों के तहत 24 घंटे के भीतर वापस नहीं लिया जा सका। सरकार के सामने अब दोहरी चुनौती है। दवा उद्योग को राहत देने के साथ उसकी विश्वसनीयता बनाए रखना और आम नागरिकों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करना। ऐसे में सख्त नियमों के साथ प्रत्येक राज्य में आधुनिक प्रयोगशालाएं और त्वरित परीक्षण व्यवस्था स्थापित करने की आवश्यकता है। ड्रग इंस्पेक्टरों की संख्या और प्रशिक्षण स्तर में भी सुधार लाना होगा और दवा-निर्माण से लेकर बिक्री तक की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल ट्रैकिंग से जोड़कर हर बैच का स्रोत और गुणवत्ता तुरंत जांचने योग्य बनाना होगा, ताकि दर्द न दे दवा, यदि सरकार सख्ती, पारदर्शिता और जवाबदेही को समान रूप से आत्मसात करना, देश की दवाओं तथा भारतीय दवा उद्योग की विश्वसनीयता को बचा लेगा।

प्रसंगवश

सांस्कृतिक परिधान और मानसिकता का प्रश्न

भारतीय समाज में परिधान केवल फैशन या आराम का विषय नहीं रहा, बल्कि पहचान, संस्कृति, धर्म और नैतिकता से जुड़ा प्रतीक माना गया है। विडंबना यह है कि जिन पुरुषों ने स्वयं पश्चिमी जीवनशैली और वस्त्रों को सहज रूप से अपना लिया है, वे ही महिलाओं पर 'भारतीयता' या 'धार्मिकता' के नाम पर पारंपरिक या अरबी पोशाक थोपने की सबसे ज्यादा आवाज उठाते हैं। भारत जैसे बहुलतावादी देश में परिधान सदा से विविध और परिवर्तनशील रहे हैं। मुगल काल में सलवार-कमीज, ब्रिटिश काल में पैंट-शर्ट और कोट, व्यापार और प्रवास के साथ अरब और फारस से आए बहुविध वस्त्र, इन सबने भारतीय परिधान संस्कृति को प्रभावित किया। अगर सदियों से वस्त्र विनिमय होता रहा है, तो महिलाओं के लिए 'शुद्ध भारतीय' या 'विशेष धार्मिक' पहनावे का दबाव ऐतिहासिक चेतना से मेल नहीं खाता।

उपेंद्र चौधरी
वरिष्ठ पत्रकार

आज अधिकांश भारतीय पुरुष ऑफिस, कॉलेज, सार्वजनिक जीवन और विदेश यात्राओं में जीन्स, सूट, टी-शर्ट या शर्ट-पैंट पहनते हैं। वे इसे 'व्यावहारिक' और 'सुविधा जनित' मानते हैं, लेकिन वही पुरुष जब महिलाओं की बात करते हैं, तो उनका स्वर सांस्कृतिक संरक्षक का हो जाता है। वे कहते हैं, "भारतीय नारी को सूट-साड़ी ही पहनना चाहिए।" "मुस्लिम महिला को बुर्का या अबाया पहनना चाहिए।" "लज्जा ही महिला की पहचान है।" यानी वैश्विकता पुरुषों के लिए आधुनिकता और महिलाओं के लिए नियंत्रण का उपकरण बन जाती है।

जब रीति-रिवाजों और धार्मिक मानदंडों की बात आती है, तो भारतीय पुरुष अक्सर धर्म का चयनात्मक सहारा लेते हैं। वे कुरान, वेद, पुराण या धार्मिक परंपराओं का हवाला देकर महिलाओं की पोशाक पर नियम थोपते हैं, जबकि स्वयं धार्मिक पोशाकों में नहीं रहते। सवाल उठता है कि अगर चूड़ीदार-कुर्ता या धोती-कुर्ता भारतीय संस्कृति का प्रतीक है, तो पुरुष सूट-बूट, पैंट-शर्ट और टाई को क्यों अपना लेते हैं? अगर इस्लामी समाज में पर्दा धार्मिक मर्यादा है, तो पुरुषों के लिए कुरानी पोशाक अनिवार्य क्यों नहीं मानी जाती? यह चयनात्मक आस्था वस्त्रों से अधिक सत्ता का मसला है।

महिलाओं के कपड़ों को 'सम्मान', 'शुचिता' या 'इज्जत' से जोड़ देना भारतीय समाज की एक जड़ मानसिकता है, जबकि वस्त्र नैतिकता की कसौटी नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामाजिक, पर्यावरणीय और सांस्कृतिक परिवर्तनों का परिणाम होते हैं। भारत के संविधान ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता, समानता और गरिमा को मौलिक अधिकार के रूप में स्वीकार किया है। फिर परिधान का प्रश्न महिलाओं की स्वतंत्रता के बजाय पुरुषों की भावनाओं या धर्म की दीवारों से क्यों नापा जाए?

वस्त्र व्यक्तिगत पसंद और सामाजिक व्यवहार से तय हों, न कि लैंगिक नैतिकता से। धर्म का उपयोग आस्था के लिए हो, नियंत्रण के लिए नहीं। पुरुषों को अपनी आधुनिकता और महिलाओं की स्वायत्तता का एक समान सम्मान करना होगा। परंपरा थोपे जाने से नहीं, विकल्प दिए जाने से जीवित रहती है। जिस समाज में पुरुष आधुनिक कपड़े पहनकर 'भारतीय संस्कृति' या 'धर्म' का प्रमाण-पत्र बांटते हों, वहां समस्या वस्त्रों की नहीं, मानसिकता की होती है। वस्त्र कोई धर्मग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन परिस्थितियों और समय का प्रतिबिंब हैं, इसलिए असली सवाल यह नहीं कि महिलाएं भारतीय या अरबी वस्त्र पहनें, बल्कि यह है कि क्या पुरुष वही स्वतंत्रता महिलाओं को दे सकते हैं, जो स्वयं बिना अपराधबोध के भोग रहे हैं? संस्कृति की रक्षा महिलाओं के सीने या सिर पर वस्त्र डालकर नहीं, बल्कि उनके अधिकारों को सम्मान देकर होगी।

यूएन में भारत की सदस्यता व वीटो का पेच

दिग्विजय सिंह
कानपुर

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत, ब्राजील, जापान को स्थायी सदस्यता के साथ ही वीटो पावर की ताकत देने पर पेच फंसा हुआ है। भारत को स्थायी सदस्यता देने का विरोध करता आया चीन भी अब उदार नजर आ रहा है। अगर वास्तव में चीन समर्थन करता है, तो भारत स्थायी सदस्य बन जाएगा। अलबत्ता गलवान घाटी में हुए संघर्ष के बाद चीन और भारत के संबंधों में अविश्वास अब भी कायम है, हालांकि दोनों देशों की तरफ से इस अविश्वास को खत्म करने को लेकर लगातार प्रयास हो रहे हैं। सीमा पर विवाद खत्म करने के लिए भी प्रयास हो रहे हैं, लेकिन फिलहाल कोई ठोस परिणाम सामने आता नहीं दिख रहा है। गलवान घाटी में सैनिकों की तैनाती जारी है। इसमें सैनिकों की संख्या में कुछ कमी जरूर आई है। अहम यह है कि दोनों देशों में अविश्वास खत्म हो और पूर्ण भरोसा कायम हो। इसके लिए कूटनीतिक और शीर्ष स्तर पर प्रयास भी हो रहे हैं।

भारत के ज्यादातर प्रधानमंत्री अलग-अलग मंचों पर, यहां तक कि महासभा में भी परिषद में स्थायी सदस्यता का मुद्दा उठा चुके हैं। दुनिया के तमाम देशों ने भारत को स्थायी सदस्य बनाए जाने का समर्थन भी किया है, बावजूद इसके भारत को स्थायी सदस्यता पाने में सफलता नहीं मिल पाई है। भारत न सिर्फ खुद को स्थायी सदस्य बनाए जाने की वकालत कर रहा है, बल्कि ब्राजील, जापान और दक्षिण अफ्रीका के लिए भी स्थायी सदस्यता पर बल दे रहा है। भारत की स्थायी सदस्यता की राह में अब तक सबसे बड़ा रोड़ा चीन रहा है, हालांकि चीन ने भी भारत को यूएन में बड़ी जिम्मेदारी देने की बात कहकर हर किसी को चकित कर दिया है। चीन चाहता रहा है कि भारत को यदि सदस्यता मिले तो पाकिस्तान को भी स्थायी सदस्य बनाया जाए। पहला मौका है जब चीन ने ऐसी शर्त नहीं रखी है।

चीन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ज्यादा समावेशिता सुनिश्चित करना अंतरराष्ट्रीय शांति और स्थिरता के लिए आवश्यक है। यह बयान तब दिया गया, जब न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक से इतर ब्रिक्स देशों की बैठक हुई। इसमें रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अपने बयान में कहा कि ब्राजील, भारत और अफ्रीकी देशों को सुरक्षा परिषद में स्थायी प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। इसके बाद चीन ने भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य के रूप में भारत और ब्राजील की यूएन में ज्यादा भूमिका निभाने की आकांक्षाओं का समर्थन किया। ऐसा माना जा रहा है कि दुनिया के तमाम देशों पर टैरिफ लगा रहे अमेरिका को अलग-थलग करने के उद्देश्य से ही चीन ने भारत का समर्थन किया है।

चीन का यह बयान बदलते जियो-पॉलिटिक्स को दर्शाता है। साथ ही पाकिस्तान पर भी कूटनीतिक दबाव डालने का तरीका है, क्योंकि पाकिस्तान इस वक्त अमेरिका के करीब जा रहा है और अमेरिका से कई बड़े सौदे करने की तैयारी में है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और सेना प्रमुख तीन बार अमेरिका का दौरा भी कर चुके हैं। चीन द्वारा भारत के समर्थन में दिए गए बयान का यह मतलब नहीं है कि वो भारत को यूएन में स्थायी सदस्य बनाने के लिए तैयार हो गया है। यह सही है कि इस दिशा में उसने कुछ कदम जरूर आगे बढ़ाया है। भारत को स्थायी सदस्यता और वीटो पावर मिलने का मतलब है कि चीन का दबदबा कम होना और भारत का उसके बराबर खड़ा हो जाना। भारत अपनी अर्थव्यवस्था, आबादी, सैन्य ताकत आदि के आधार पर परिषद में स्थायी सदस्यता की मांग कर रहा है और उसकी मांग वाजिब भी है, लेकिन इस मांग पर भारत का समर्थन करने से पहले चीन को कई बार सोचना पड़ रहा है, क्योंकि पाकिस्तान से उसके रिश्ते प्रभावित होंगे।

खुद को एशिया के सबसे बड़े ताकतवर देश के रूप में मान्यता देने वाला चीन अब तक नहीं चाहता था कि वह सुरक्षा परिषद में भारत को अपने बगल में बैठाए, लेकिन न्यूयार्क में हुई ब्रिक्स देशों की बैठक में रूसी विदेश मंत्री के भारत को सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की मांग का समर्थन करना सबको चकित कर गया। माना जा रहा है कि अब चीन, भारत को खुले दिल से समर्थन दे सकता है, लेकिन अभी यह वक्त की बात है। परिषद के चार स्थायी सदस्य रूस, अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन बहुत पहले से ही भारत को स्थायी सदस्यता देने को तैयार हैं, लेकिन वे नहीं चाहते कि नए स्थायी सदस्यों को वीटो का अधिकार मिले। बिना वीटो के स्थायी सदस्य बनने का कोई मतलब नहीं रह जाता है। यही वजह है कि भारत लगातार कह रहा है कि ब्राजील, जापान और अफ्रीकी देशों को भी स्थायी सदस्यता के साथ वीटो का अधिकार दिया जाए अन्यथा परिषद लगातार कमजोर होता जाएगा।

चीन वास्तव में खुले मन से यदि परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए समर्थन देता है, तो फिर भारत को इसमें शामिल होने से कोई रोक नहीं सकता है। अब पेच फंसा है, वीटो पावर को लेकर। भारत कूटनीतिक स्तर पर स्थायी देशों को तैयार करने पर लगा है कि वह उनका समर्थन वीटो पावर की ताकत के साथ करे। अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए कार्य करने वाले परिषद में 10 अस्थायी सदस्य और पांच स्थायी सदस्य हैं। अस्थायी सदस्यों का कार्यकाल दो साल का होता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी परिषद में भारत की सदस्यता का समर्थन किया है और भारत को बहुपक्षीय व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण आवाज बताया है। इससे यह संकेत मिलता है कि वे भी चाहते हैं कि भारत को स्थायी सदस्यता मिले, पर देखना यह है कि वीटो पावर के साथ स्थायी सदस्य भारत को खुले मन से स्वीकार कर पाते हैं या नहीं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत, ब्राजील, जापान को स्थायी सदस्यता के साथ ही वीटो पावर की ताकत देने पर पेच फंसा हुआ है। भारत को स्थायी सदस्यता देने का विरोध करता आया चीन भी अब उदार नजर आ रहा है।

आमने

मोदी सरकार को बताना चाहिए कि आखिर रूस, जो कभी भारत का सबसे भरोसेमंद रणनीतिक सहयोगी था, अब पाकिस्तान को मदद क्यों दे रहा है। रूस ने पाकिस्तान के चीन निर्मित JF-17 फाइटर जेट्स के लिए एडवांस RD-93MA इंजन देने का फैसला किया है।

–जयराम रमेश
कांग्रेस प्रवक्ता

सामने

रूस ने उन खबरों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि मॉस्को पाकिस्तान को RD-93MA इंजन देने जा रहा है। यह सिर्फ अफवाह है और कांग्रेस के कम्युनिकेशन हेड ने फिर से भारत का साथ देने के बजाय दुश्मन का पक्ष ले लिया है।

–अमित मालवीय
बीजेपी प्रवक्ता

सोने की बढ़ती कीमतें और निवेशकों की चिंता

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारत में सोना केवल एक धातु नहीं बल्कि संस्कृति, परंपरा और आर्थिक सुरक्षा का प्रतीक है। भारत में सोने का महत्व केवल आभूषणों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सुरक्षित निवेश और परंपरा का प्रतीक भी है। दीपावली जैसे शुभ अवसरों पर सोना खरीदना परंपरा रही है, लेकिन इस बार सोने की कीमतों ने आम निवेशक और खरीदारों की चिंता बढ़ा दी है। दीपावली जैसे शुभ अवसरों पर सोना खरीदना सौभाग्य और समृद्धि का सूचक माना जाता है, लेकिन पिछले कुछ महीनों में सोने की कीमतों ने जिस तरह लगातार ऊंचाइयां छुई हैं, उसने आम निवेशक और खरीदारों को उलझन में डाल दिया है। पिछले एक वर्ष में सोना-सितंबर 2024 में 24 कैरट सोने की कीमत लगभग 77,500 प्रति 10 ग्राम थी, जो अप्रैल 2025 में बढ़कर 1,02,000 तक पहुंच गई। अगस्त 2025 में यह दर करीब 1,05,170 हो गई और वर्तमान में (सितंबर 2025) यह 1,11,000 से 1,12,750 प्रति 10 ग्राम के बीच पहुंच चुकी है। यानी, पिछले बारह महीनों में सोने में लगभग 43–45 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़त देखने को मिली है। इतनी तेजी से बढ़ती कीमतों ने सवाल खड़ा किया है कि आखिर निवेशक अब क्या करें और कैसे निवेश करें, ताकि उनकी जेब पर अतिरिक्त बोझ न पड़े।

सोने की कीमतें क्यों बढ़ रही हैं, इसके पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारण जिम्मेदार हैं। वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता, अमेरिका और यूरोप में ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव, डॉलर की मजबूती, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और मध्य पूर्व सहित कई क्षेत्रों में भू-राजनीतिक तनाव ने सोने को 'सेफ हेवन एसेट' बना दिया है। निवेशक डॉलर और शेयर बाजार से हटकर सोने में पैसा लगा रहे हैं। त्योहारी सीजन में बढ़ती मांग भी इस तेजी में योगदान दे रही है।

रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने अंतर्राष्ट्रीय बाजार में असुरक्षा का माहौल बना दिया है। ऐसे समय में निवेशक सोने को सुरक्षित विकल्प मानते हैं, जिससे मांग बढ़ जाती है। अमेरिका और अन्य विकसित देशों में ब्याज दरों की अनिश्चितता और डॉलर इंडेक्स में उतार-चढ़ाव का सीधा असर भी सोने की कीमतों पर पड़ता है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोना उपभोक्ता देश है और त्योहारों व शादी के सीजन में घरेलू मांग अचानक बढ़ने से दाम और ऊपर चले जाते हैं। महंगाई बढ़ने की स्थिति में सोना मुद्रास्फीति से सुरक्षा के रूप में काम करता है और यही कारण है कि निवेशक इसे और प्राथमिकता देते हैं।

ऐसे हालात में आम भारतीय निवेशक के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि वह सोने में निवेश कैसे करे? क्या महंगे आभूषण खरीदना ही एकमात्र विकल्प है या ऐसे अन्य रास्ते भी हैं, जिनसे सोने में निवेश सुरक्षित और किफायती ढंग से किया जा सकता है? विशेषज्ञों का मानना है कि आज के समय में निवेशकों को परंपरागत सोने की खरीदारी से हटकर आधुनिक विकल्पों पर ध्यान देना चाहिए।

इस स्थिति में लझन समझ में आती है। सीधे आभूषणों में निवेश करने से न केवल जेब पर भारी बोझ पड़ता है, बल्कि मेकिंग चार्ज और शुद्धता की समस्या भी बनी रहती है। ऐसे में समझदारी इसी में है कि निवेशक सोने में नए विकल्पों को अपनाएं। सबसे बेहतर विकल्पों में गोल्ड ईटीएफ शामिल है, जिसमें आप छोटे-छोटे यूनिट्स खरीद सकते हैं और भौतिक सोने की सुरक्षा या चोरी की चिंता नहीं रहती। छोटे निवेशक डिजिटल गोल्ड का विकल्प चुन सकते हैं, जिसे सौ से भी खरीदा जा सकता है। वहीं गोल्ड म्यूचुअल फंड्स उन लोगों के लिए बेहतर हैं जो शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड्स से जुड़े हैं और विशेषज्ञों द्वारा प्रबंधित पोर्टफोलियो में निवेश करना चाहते हैं।

जिन्हें त्योहार पर शगुन या परंपरा निभानी है, वे छोटे सिक्कों या हल्के आभूषणों का विकल्प चुन सकते हैं, ताकि परंपरा भी निभ जाए और जेब पर अतिरिक्त बोझ भी न पड़े। निवेशकों को इस समय लालच से बचना चाहिए और अपनी कुल बचत का केवल 10–15 प्रतिशत हिस्सा ही सोने में लगाना चाहिए। इसे कम से कम 5–7 साल की लंबी अवधि के लिए रखना चाहिए, ताकि अल्पकालिक उतार-चढ़ाव का असर न हो। केवल सोने पर निर्भर रहने के बजाय इक्विटी, फिक्स्ड डिपॉजिट और बॉन्ड्स जैसे विविध निवेश विकल्प भी अपनाने चाहिए। साथ ही, यदि आपको लगता है कि कीमतें और बढ़ सकती हैं तो आंशिक खरीद अभी करें और बाकी निवेश धीरे-धीरे किस्तों में करें।

दीपावली पर सोने की बढ़ती कीमतें भले ही चिंता बढ़ा रही हों, लेकिन निवेशकों के पास कई समझदारी भरे विकल्प मौजूद हैं। भौतिक सोने की जगह ईटीएफ, डिजिटल गोल्ड चुनना ज्यादा सुरक्षित और किफायती है। पिछले एक साल में सोने की कीमतों में लगभग 45 प्रतिशत की तेजी यह संकेत देती है कि आने वाले समय में यह संपत्ति महंगी होती जाएगी। ऐसे में निवेशकों को चाहिए कि वे सोने को केवल आभूषण नहीं, बल्कि दीर्घकालिक सुरक्षा कवच मानें और छोटे-छोटे कदमों में निवेश कर अपनी वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करें, ताकि भविष्य में बढ़ती कीमतों से प्रभावित हुए बिना लाभ भी कमा सकें और परंपरा भी निभा सकें।

पिछले कुछ महीनों में सोने की कीमतों ने जिस तरह लगातार ऊंचाइयां छुई हैं, उसने आम निवेशक और खरीदारों को उलझन में डाल दिया है।

सोशल फोरम

10 पन्नों की किताब, पढ़ने को चाहिए 20 करोड़ साल

ट्रवल प्वाइंट
फेसबुक

क्या आप जानते हैं कि एक ऐसी किताब भी है, जिसे कोई भी इंसान अपनी पूरी जिंदगी में कभी पूरा नहीं पढ़ सकता और उसमें सिर्फ 10 पन्ने हैं? 1960 में, फ्रेंच लेखक रेयमों क्वेनो (Raymond Queneau) ने शायद दुनिया की सबसे लंबी किताब पेश की थी। इसका नाम है Cent mille milliards de pomes यानी एक लाख अरब कविताएं। यह किताब मात्र दस पन्नों की है और हर पन्ने पर एक सॉनेट (Sonnet) छपा हुआ है। इन कविताओं की पंक्तियां एक ही तुकबंदी पैटर्न को साझा करती हैं और इन्हें स्ट्रिप्स (पट्टियों) पर छापा गया है, जिससे पाठक अलग-अलग सॉनेट की पंक्तियों को आपस में मिलाकर नई कविताएँ बना सकते हैं।

इस अनोखी संरचना की वजह से कुल संभावित संयोजनों की संख्या 10 यानी सौ लाख करोड़ (100 ट्रिलियन) बनती है। इसका मतलब यह है कि इस किताब में सौ लाख करोड़ अलग-अलग कविताएं हैं और इतनी सारी संभावनाओं को पढ़ना किसी भी इंसान के लिए नामुमकिन है। अगर कोई लगातार, बिना खाए-पिए, सोए या कुछ और पढ़े बिना, केवल यही किताब पढ़ता रहे, तब भी उसे सारी कविताएं पढ़ने में लाखों साल लग जाएंगे और यह सब केवल 10 पन्नों से निकलता है।

हर बार जब आप इन स्ट्रिप्स को मिलाते हैं, तो एक नई कविता बनती है, जिसमें सही स्टैंजा, लय और तुक होती है। सबसे रोचक बात यह है कि बहुत संभव है कि जो कविता आप बनाएंगे, वह इससे पहले किसी ने कभी नहीं पढ़ी होगी।

खुद क्वेनो ने कहा था कि अगर एक कविता पढ़ने में लगभग 45 सेकंड और अगली कविता तैयार करने में 15 सेकंड लगते हैं, तो सारी संभावित कविताएं पढ़ने में लगभग 20 करोड़ साल लगेंगे।

सामयिकी

पेपर लीक प्रकरण और परीक्षार्थियों का दर्द

उत्तराखंड में पेपर लीक मामले के विरोध में सड़कों पर आंदोलन कर रहे छात्रों में उस समय प्रसन्नता की लहर दौड़ गई जब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वयं छात्रों के बीच पहुंचकर भर्ती परीक्षा रद्द करने के एलान के साथ-साथ मामले की जांच की मांग भी स्वीकार कर ली। राजधानी देहरादून के परेड ग्राउंड से आरंभ हुआ यह आंदोलन धीरे-धीरे उत्तराखंड के सभी तेरह जिलो तक फैल गया था। मामला 21 सितंबर को ग्रेजुएट लेवल की UKSSC की भर्ती परीक्षा के प्रश्न पत्र के परीक्षा के दौरान बाहर आने का है, जिससे सालों से तैयारी कर रहे परीक्षार्थियों का सड़कों पर उतरकर परीक्षा रद्द करने और सीबीआई जांच की मांग जायज थी।

बीना नयाल
लेखिका

किसी भी परीक्षण की पहली शर्त इसकी गोपनीयता, वैधता और विश्वसनीयता होती है, जिसे बनाए रखने की जिम्मेदारी परीक्षा आयोजित करने वाले आयोग की होती है। प्रश्न पत्र निर्मित के लिए स्थापित मानदंडों से कहीं ऊपर है शांत, सुचारु, विश्वसनीय और सुरुचिपूर्ण ढंग से सभी आवंटित सेंटरों में परीक्षाओं का आयोजन होना। पेपर लीक मामले ने सिस्टम के प्रति छात्रों में हताशा, निराशा और अविश्वास तो भरा ही है, लेकिन इससे ऊपर परीक्षा को रद्द न करना उनके आक्रोश का मुख्य कारण था।

उत्तराखंड व अन्य राज्यों में रोजगार के हालात किसी से छिपे नहीं है। यहां युवा सरकारी नौकरियों के लिए दुर्गम इलाकों में स्थित अपने घरों से दूर जाकर शहरी इलाकों में महंगे कोचिंग सेंटरों में मोटी फीस देकर रोजाना घंटों मेहनत करते हैं, तब जाकर चुनिंदा युवाओं की भर्ती की विभिन्न कठिन प्रक्रियाओं से गुजरने के पश्चात नौकरी लगती है। उत्तराखंड के अनेक युवा ऐसे भी हैं, जो खराब आर्थिक परिस्थितियों के कारण दिल्ली शहर में अपने संबंधियों के घर पर रहकर 15 से 20 हजार वेतन में नौकरी करने को विवश हैं। वे नौकरी के साथ उत्तराखंड राज्य आयोग के अधीन विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी भी कर रहे हैं और दोगुनी मेहनत करके सरकारी नौकरी का ख्वाब देख रहे हैं, क्योंकि सरकारी नौकरी महज उनके जीविकोपार्जन और भावी जीवन को बेहतर बनाने का ही सपना नहीं है, वरन् उनके माता-पिता व उनके लिए चिकित्सीय व अन्य सुविधाओं की भी गारंटी है।

ऐसे में पेपर लीक होना इन युवाओं के मनोबल को तोड़ने के साथ उन्हें आगामी परीक्षा की तैयारी के लिए हतोत्साहित भी करता है और कौशलविहीन छात्रों को महानगरों में जाकर कठिन परिस्थितियों में 15 से 20 हजार मासिक वेतन पर जीवन यापन को मजबूर भी करता है। पिछले कुछ वर्षों से वैसे भी सरकारी सेवा क्षेत्र में भर्तियों की संख्या क्रमशः घटती जा रही है, जिसका मुख्य कारण संविदा पर काम लेने की बढ़ती प्रवृत्ति और बड़े-बड़े सेवा प्रदाता क्षेत्रों का निजीकरण होना भी है।

जो चुनिंदा भर्तियां निकलती भी हैं, तो उनमें भी अलग-अलग वर्गों के अनुसार उच्चतम आयु सीमा के कठोर मानदंड है, साथ ही प्रश्न पत्र के पैटर्न पूरी तरह उच्च स्तरीय वैचारिक कौशल और अनुप्रयोग आधारित हैं, जिसे हल करने के लिए गहन तैयारी, उच्च स्तर की एकाग्रता और पठन सामग्री की विविधता के साथ उसे पूर्ण समझ के साथ आत्मसात करना अनिवार्य है। यह अच्छी बात है कि सरकार ने पेपर लीक प्रकरण से उपजे रोष को देखते हुए पूर्व न्यायाधीश के नेतृत्व में कमेटी गठित कर दी है, परंतु अब आयोग को चाहिए की शीघ्रतातीत पूर्ण पारदर्शिता और विश्वसनीयता से रद्द परीक्षा दोबारा आयोजित कराए, जिससे छात्रों का सिस्टम पर विश्वास बना रहे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

भरोसेमंद एसयूवी
टाटा सिएरा का नया अवतार

90 *के दशक की मशहूर एसयूवी टाटा सिएरा भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में एक बार फिर हलचल मचाने को तैयार है। पेट्रोल और डीजल वर्जन के बाद, इलेक्ट्रिक मॉडल, लेवल 2 एडीएएस (एडवांस्ड ड्राइवर-असिस्टेंस सिस्टम) और ट्रिपल स्क्रीन फीचर्स के साथ लौट रही है। टाटा मोटर्स, हमेशा से अपनी मजबूत और भरोसेमंद एसयूवी के लिए जानी जाती है। टाटा अपनी लोकप्रिय कार 'सिएरा' को नए अवतार में वापस लाने की तैयारी में है। कंपनी इस बार इसे केवल एक कॉम्पैक्ट एसयूवी नहीं, बल्कि एक हाईटेक, प्रीमियम इलेक्ट्रिक और एडवांस्ड स्मार्ट मशीन के रूप में पेश करने की योजना बना रही है।*

क्या कहना है एक्पर्ट का

टाटा मोटर्स की यह रणनीति उनके ईवी पोर्टफोलियो को मजबूत करेगी और उन्हें ग्लोबल ईवी बाजार में एक मजबूत स्थिति दिलाएगी। नई सिएरा सिर्फ एक एसयूवी नहीं होगी, बल्कि यह भारतीय बाजार में टेक्नोलॉजी, आराम और सुरक्षा का नया मानक सेट करेगी।

ऑटो इंडस्ट्री एनालिस्ट

टाटा सिएरा का रीलॉन्चिंग सिर्फ एक कार का लॉन्च नहीं होना नहीं है, बल्कि यह भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में एक नए युग की शुरुआत हो सकती है। इलेक्ट्रिक वर्जन के साथ इसकी शुरुआत और पेट्रोल-डीजल मॉडल के बाद में आगमन, इसे हर तरह के ग्राहकों के लिए आकर्षक और बेहतर विकल्प बना देगा। आने वाला साल एसयूवी और ईवी प्रेमियों के लिए रोमांचक साबित होने वाला है।

> **सिएरा का इलेक्ट्रिक वर्जन**
>
> टाटा मोटर्स का निर्णय है कि यह नई सिएरा पहले इलेक्ट्रिक वर्जन के रूप में लॉन्च होगी। इसका मतलब है कि भारत में यह एसयूवी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी। पेट्रोल और डीज़ल मॉडल बाद में बाजार में उपलब्ध होंगे। यह रणनीति टाटा मोटर्स को ईवी सेगमेंट में पहले स्थान पर लाने के साथ-साथ पर्यावरण और भविष्य की टेक्नोलॉजी में भी आगे बढ़ाएगी।

लॉन्चिंग का समय

ऑटोमोबाइल बाजार की खबरों की माने तो टाटा मोटर्स इस नई सिएरा को अगले साल की शुरुआत में भारतीय बाजार में पेश कर सकती है। यह कदम कंपनी के लिए सिर्फ एक नई गाड़ी लॉन्च करने से कहीं अधिक ब्रांड की विरासत को आगे बढ़ाने और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में नेतृत्व दर्ज करने का अवसर है।

क्यों है महत्वपूर्ण

टाटा सिएरा की वापसी भारतीय एसयूवी प्रेमियों के लिए एक भावुक पल होगा, क्योंकि एसयूवी के शौकीन लोगों के लिए यह कार 90 के दशक में बेहद लोकप्रिय थी।

- इलेक्ट्रिक वर्जन भारतीय ईवी मार्केट में एक नई दिशा दे सकता है।
- एडीएएस और ट्रिपल स्क्रीन जैसे फीचर्स इसे प्रीमियम सेगमेंट में सीधे प्रतिस्पर्धी बनाएंगे।

हाई-टेक फीचर्स

ट्रिपल स्क्रीन लेआउट

इन्फोटेनमेंट, ड्राइव डेटा और नेविगेशन के लिए तीन अलग स्क्रीन, जिससे इंटरफेस और राइड एक्सपीरियंस बेहतरीन होगा।

लेवल 2 एडीएएस

इसमें लेन कीपिंग, ऑटोमैटिक ब्रेकिंग, अडैप्टिव क्रूज कंट्रोल और ब्लाइंड-स्पॉट डिटेक्शन जैसे फीचर्स शामिल हो सकते हैं।

मॉडर्न डिजाइन : एयरोडायनामिक बॉडी, एलईडी लाइट्स, प्रीमियम इंटीरियर्स और स्मार्ट कनेक्टिविटी के साथ मॉडर्न डिजाइन में उपलब्ध रहेगी।

इंजन और परफॉर्मेंस

इलेक्ट्रिक वर्जन (ईवी) में हैरियर ईवी जैसा ड्यूल-मोटर सेटअप मिलने की उम्मीद है, जिससे इसे ऑल-व्हील ड्राइव (एडब्ल्यूडी) क्षमता मिल सकती है। इसकी रेंज 500 किमी से ज्यादा होने की भी उम्मीद है।

पेट्रोल वेरिएंट

इसमें नया डेवलप किया गया 1.5-लीटर टर्बोचार्ज्ड इंजन मिल सकता है, जो लगभग 168 पीएस की पावर और 280 एनएम का टॉर्क देगा।

टाट की नई सिएरा में ग्राहकों को मिलने वाले फीचर्स इसे बाजार में एक अलग पहचान देने वाले साबित होंगे।

डीजल वेरिएंट

डीजल वेरिएंट में 2.0-लीटर डीजल इंजन मिलने की उम्मीद है, जो लगभग 170 पीएस की पावर और 350 एनएम का टॉर्क देगा।

ट्रांसमिशन

ग्राहकों को 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का विकल्प मिल सकता है।

टिप्स

बाइक सिर्फ सवारी नहीं, एक एहसास है... रखें इसका भी ख्याल

बहुत से लोगों के लिए 'बाइक' सिर्फ एक जगह से दूसरी जगह जाने का जरिया नहीं होती, बल्कि एक इमोशनल अटैचमेंट होता है। दोस्तों के साथ शाम की सैर हो या किसी शादी-ब्याह में स्टेशन से मेहमानों को लाना हो। हर वक्त बाइक साथ निभाती है। यहां तक कि अगर मूड खराब हो, तो ठंडी हवा खाने के लिए भी यही साथी बन जाती है। क्या कभी सोचा है कि जितनी वफादारी से बाइक आपका साथ देती है, क्या आप उतनी ही ईमानदारी से उसकी देखभाल करते हैं? क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही उसके इंजन को नुकसान पहुंचा सकती है। इंजन को बाइक का दिल माना जाता है। अगर ये ठीक न रहे, तो पूरी मशीनरी पर असर पड़ता है और मरम्मत में जेब भी हल्की हो जाती है। इसलिए यह जानना जरूरी है कि इंजन ऑयल कब बदलना चाहिए, ताकि आपकी बाइक हमेशा फिट और फास्ट बनी रहे।

■ इंजन से तेज आवाज आना

आपकी बाइक का इंजन पहले से ज्यादा आवाज करने लगे, तो यह संकेत हैं कि बाइक का इंजन ऑयल बदलने का समय आ गया है, क्योंकि नया ऑयल इंजन के पार्ट्स पर सेफ्टी लेयर बनाता है, जिससे धातु के पुर्जे आसानी से चल सकें। जब यह लेयर कमजोर हो जाती है, तो पुर्जों में घर्षण बढ़ जाता है और इंजन की आवाज तेज हो जाती है।

■ इंजन का जल्दी गर्म होना

आपकी बाइक थोड़ी देर चलाने पर ही गरम होने लग जाती है, तो यह संकेत है कि इंजन ऑयल या तो कम हो गया है या खराब हो चुका है। खराब ऑयल इंजन को पर्याप्त लुब्रिकेशन नहीं देता, जिससे इंजन पर ज़ोर पड़ता है और डैमेज का खतरा बढ़ जाता है। यह बाइक की इंजन की लाइफ पर भी असर डालता है।

■ बाइक की स्पीड कम होना

अगर आपकी बाइक पहले जैसा स्पीड और जैसी स्मूद राइड नहीं दे पा रही है और ज्यादा एक्सीलरेटर देने पर भी स्पीड नहीं बढ़ रही? यह संकेत है कि इंजन ऑयल अपना असर खो चुका है। कम लुब्रिकेशन से पावर आउटपुट घट जाता है, जिससे बाइक की परफॉर्मेंस डाउन हो जाती है।

■ ऑयल लेवल कम दिखना

बाइक के इंजन ब्लॉक के साइड में बनी छोटी सी खिड़की से ऑयल लेवल देखा जा सकता है। अगर तेल का स्तर मिनिमम मार्क से नीचे चला गया है तो बिना देरी किए बाइक के इंजन का ऑयल चेंज करवा लें। इंजन की सेहत जांचने का यह सबसे आसान और भरोसेमंद तरीका है।

■ ऑयल का रंग बदल जाना

नए इंजन ऑयल का रंग हल्का भूरा होता है, जबकि पुराना ऑयल काला और गाढ़ा हो जाता है। अगर डिपस्टिक या उंगली से जांचने पर ऑयल खुरदुरा लगे या उसमें छोटे-छोटे कण दिखाई दें, तो ये साफ संकेत है कि अब ऑयल बदलने का वक्त आ गया है।

सफर में कार की बैटरी डेड होने पर अपनाएं ये आसान ट्रिक्स

कार किसी भी सफर को आरामदायक और यादगार बनाती है, लेकिन अगर बीच रास्ते में इंजन अचानक बंद पड़ जाए और कार स्टार्ट न हो, तो यह किसी भी ड्राइवर के लिए तनाव भरा पल बन जाता है। खासकर तब, जब आप किसी सुनसान जगह पर हों और मदद के लिए आसपास कोई भी इंसान न दिखे। अक्सर यह परेशानी कार की बैटरी डेड होने की वजह से होती है। बैटरी खत्म हो जाने पर गाड़ी स्टार्ट नहीं होती और लोग घबरा जाते हैं। यह हमेशा हमारी जरा सी लापरवाही की वजह से हमको इस स्थिति से दो-चार होना पड़ता है। सफर में गाड़ी जब भी बंद हो जाए या बैटरी डेड हो जाए तो हमको घबराने या चिंता करने की जरूरत नहीं है। ऐसे में कुछ आसान और कारगर उपाय अपनाकर आप अपनी कार को खुद स्टार्ट कर सकते हैं और इस मुश्किल हालात से आसानी से बाहर निकल सकते हैं। आज हम आपको वह टिप्स बताते हैं, जिनको अपनाकर आप डेड बैटरी के कारण सफर के बीच में बंद हुई कार को स्टार्ट कर सकते हैं। आइए जानते हैं वो ट्रिक्स-

■ धक्का देकर करें स्टार्ट

कार को धक्का देकर स्टार्ट करना सबसे पुराना, लेकिन आज भी असरदार तरीका है। सबसे पहले गाड़ी को न्यूट्रल गियर में डालें और इग्निशन ऑन करें। अब किसी साथी से कहें कि वो कार को पीछे से धक्का लगाए। जैसे ही कार थोड़ी रफ्तार पकड़ ले, क्लच दबाएं, दूसरे या तीसरे गियर में डालें और धीरे-धीरे क्लच छोड़ दें। अक्सर पहली या दूसरी कोशिश में ही इंजन चालू हो जाता है। यह तरीका खासतौर पर मैनुअल ट्रांसमिशन वाली कारों में काम करता है।

■ जंपर केबल का करें प्रयोग

अगर आपके पास जंपर केबल है और आसपास कोई दूसरी गाड़ी मौजूद है तो यह सबसे आसान समाधान है। दोनों गाड़ियों को पास-पास खड़ा करें और ध्यान रखें कि दोनों के इंजन बंद हों। अब जंपर केबल को दूसरी कार की बैटरी से जोड़कर अपनी गाड़ी की बैटरी में लगाएं। इसके बाद कार को स्टार्ट करने की कोशिश करें। ज्यादातर मामलों में इंजन तुरंत चालू हो जाता है। इसलिए एक्सपर्ट्स सलाह देते हैं कि कार में हमेशा जंपर केबल रखना चाहिए, ताकि ऐसी स्थिति में परेशानी न हो।

एक्सपर्ट की सलाह

ऑटो एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर आपकी कार लंबे समय तक पार्क रहती है या रोजाना इस्तेमाल में नहीं आती, तो बैटरी जल्दी कमजोर हो जाती है। ऐसे में समय-समय पर इंजन चालू कर बैटरी को एक्टिव रखना जरूरी है। इसके अलावा, लाइट, म्यूजिक सिस्टम या एसी चालू छोड़कर इंजन बंद न करें, क्योंकि इससे बैटरी पर अतिरिक्त लोड पड़ता है।

कार स्टार्ट होने के बाद करें ये काम

अगर आपकी कार धक्का देकर या जंपर केबल से स्टार्ट हो गई है, तो उसे तुरंत बंद न करें। कम से कम 20 से 30 मिनट तक चलाएं या थोड़ी दूरी तक ड्राइव करें। इससे बैटरी दोबारा चार्ज हो जाएगी। इसके बाद बैटरी की स्थिति जांच लें। अगर वोल्टेज कम है या चार्ज जल्दी खत्म हो रहा है, तो नई बैटरी लगवाना ही बेहतर विकल्प रहेगा। इससे आगे ऐसी समस्या दोबारा नहीं होगी।

अगले सप्ताह टीसीएल व एलजी का आईपीओ

नई दिल्ली। दो प्रमुख कंपनियां टाटा कैपिटल लिमिटेड (टीसीएल) और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड अपने आईपीओ पेश करने की तैयारी में हैं, जिनका मूल्य 27,000 करोड़ से अधिक है। ये आईपीओ ऐसे समय आ रहे हैं, जब व्यापक इक्विटी बाजार में तनाव के बावजूद, भारतीय प्राथमिक बाजार में तेजी है। वर्ष 2025 में कुल 78 कंपनियां पहले ही आईपीओ के जरिये मुख्य बाजार में प्रवेश कर चुकी हैं, और इस महीने कई निर्गम आने की योजना है।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 6 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2520, राज श्री 1801, फ़ॉर्चून कि. 2200, रविन्द्रा 2485, फॉर्चुन 13किग्रा 1935, जय जवान 1960, सचिन 2005.51, सूरज 1960, अवसर 1870, उजाला 1900, गृहणी 13किग्रा 1875, क्लासिक (किग्रा) 2100, मोर 2155, चक्र टिन 2285, ब्लू 2105, आशीर्वाद मस्टर्ड 2410, स्वास्तिक 2375

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8600, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4480, पीलीभीत 4400, सितारगंज 4360, धामपुर 4480

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5200, मसूरी- 2300, बासमती- 9200, परमल- 3000

दाल दलहन : काला चना- 7000, साबुत चना दाल- 7100, मूंग साबुत- 9000, राजमा- 12200-14100, दाल उड़द- 9000, साबुत मसूर दाल- 7100, मसूर दाल- 6800, उड़द साबुत- 8100, काबुली चना- 10000, अरहर दाल- 11000, लोबिया/करमानी- 9200

आर्थिक आंकड़े शेयर बाजार को करेंगे प्रभावित

वैश्विक रुझानों और आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टीसीएस के तिमाही नतीजों पर होगी निवेशकों की नजर

- अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर भी देंगे ध्यान

नई दिल्ली, एजेंसी

विश्लेषकों के मुताबिक इस सप्ताह शेयर बाजार में कारोबारी धारणा व्यापक आर्थिक आंकड़ों, वैश्विक रुझानों और आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टीसीएस के तिमाही नतीजों से तय होगी। कारोबारी विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर भी नजर रखेंगे। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) सितंबर माह में बिकवाल बने रहे। उन्होंने भारतीय इक्विटी से 23,885 करोड़ रुपये बेच दिए हैं, जो अब तक जारी है।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा कि यह सप्ताह महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के आय सत्र की शुरुआत हो रही है, और आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी टीसीएस नौ अक्टूबर को अपने नतीजे घोषित करेगी। व्यापक आर्थिक मोर्चे पर एचएसबीसी सेवाओं और समग्र पीएमआई के साथ ही बैंकिंग क्षेत्र के ऋण और जमा वृद्धि के आंकड़ों पर कड़ी नजर रहेगी। इस बीच, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। ऑनलाइन कारोबार फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि व्यापक संकेतों के स्थिर होने के साथ ही बाजार का ध्यान दूसरी तिमाही की आय और प्रबंधन की टिप्पणियों पर जाएगा। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 780.71 अंक या 0.97 प्रतिशत चढ़ा, और निफ्टी में 239.55 अंक या 0.97 प्रतिशत की तेजी आई।

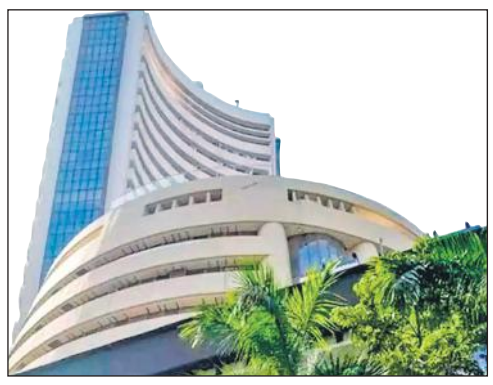

शीर्ष सात कंपनियों की पूंजी 74,573 करोड़ रुपये बढ़ी

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में सात का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 74,573.63 करोड़ रुपये बढ़ गया। इस दौरान एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 780.71 अंक या 0.97 प्रतिशत चढ़ा, और निफ्टी में 239.55 अंक या 0.97 प्रतिशत की तेजी आई। एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को फायदा हुआ, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल और इंफोसिस के मूल्यांकन में गिरावट आई। देश में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान रहा।

एफपीआई ने सितंबर माह में 23,885 करोड़ रुपये के शेयर बेचे

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) सितंबर में भारतीय इक्विटी के शुद्ध विक्रेता बने रहे। इस दौरान उन्होंने 23,885 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, और इस साल अब तक उन्होंने कुल 1.58 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली की है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक अगस्त में 34,990 करोड़ रुपये और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये की भारी बिकवाली के बाद यह निकासी का लगातार तीसरा महीना है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के प्रमुख, प्रबंधक अनुसंधान हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि हालिया बिकवाली कई कारकों से प्रेरित थी, जैसे अमेरिका का भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाना और एच-1बी वीजा पर एकमुश्त एक लाख अमेरिकी डॉलर की शुल्क वृद्धि। रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर तक गिरने से मुद्रा जोखिम भी बढ़ा, जबकि भारतीय इक्विटी के अपेक्षाकृत उच्च मूल्यांकन के चलते एफपीआई ने दूसरी एशियाई बाजारों की ओर रुख किया। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि मौजूदा बिकवाली के बावजूद स्थितियां धीरे-धीरे भारत के पक्ष में हो सकती हैं। एंजेल वन के वरिष्ठ फंडामेंटल विश्लेषक वकारजावेद खान ने कहा कि मूल्यांकन अब अधिक उचित हो गए हैं और जीएसटी दरों में कटौती तथा वृद्धि समर्थक मौद्रिक नीति जैसे कारक विदेशी निवेशकों की दिलचस्पी को एक बार फिर जगा सकते हैं।

- विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने की 2025 में कुल 1.6 लाख करोड़ रुपये की निकासी

कई कारकों से सोने के दाम अस्थिर रहने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी

- अमेरिका के वित्त पोषण विधेयक श्रम बाजार के आंकड़ों व फेडरल रिजर्व के बयानों पर रहेगा ध्यान

आगामी सप्ताह में सोने के दाम अस्थिर रह सकते हैं, क्योंकि निवेशक अमेरिकी सरकार के वित्त पोषण विधेयक, श्रम बाजार के आंकड़ों और फेडरल रिजर्व के बयानों पर नजर रखेंगे। विश्लेषकों ने कहा कि गुरुवार को फेडरल ओपन मार्केट कमेटी की बैठक के विवरण जारी होने से भी सर्राफा बाजार की धारणा प्रभावित होने की संभावना है।

जेपीएम फाइनेंशियल सर्विसेज के उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा कि आगामी सप्ताह अपेक्षाकृत कम आंकड़ों वाला है, लेकिन अस्थिरता ज्यादा रहने की उम्मीद है। मुनाफावसूली बढ़ सकती है, जिसके बाद नए सिरे से खरीदारी भी हो सकती है। आंकड़ों के मोर्चे पर श्रम बाजार व फेडरल रिजर्व की टिप्पणी पर फेड प्रमुख जेरोम पॉवेल के भाषण पर भी ध्यान होगा। मेर ने कहा कि सोने की कीमतों में 3.5 से 4% और वृद्धि हुई है। यह बढ़ोतरी कमजोर अमेरिकी डॉलर और आंशिक अमेरिकी सरकार के बंद होने की चिंताओं से हुई है, जिससे महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों के जारी होने में देरी हुई है। बाजार सहभागी फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना पर भी विचार कर रहे हैं।

भारत में सोने-चांदी का आयात लगभग दोगुना

शुक्रवार को सोना 1,18,113 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ, जो इतिहास के सबसे ऊंचे स्तर 1,18,444 रुपये के करीब था। अल्फा मनी में इक्विटी और पीएमएस के प्रबंध साझेदार ज्योति प्रकाश ने कहा कि सोने की कीमतों में 2.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में बढ़ती हिस्सेदारी, केंद्रीय बैंकों की संभावित नई मांग और सट्टेबाजी की मजबूत स्थिति सोने की कीमतों में उछाल को बढ़ावा दे रही है। त्योहारों और शादी के मौसम के कारण भारत में सितंबर में सोने और चांदी का आयात अगस्त की तुलना में लगभग दोगुना हो गया है।

भारत का शीर्ष कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बना रहेगा रूस

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस से भारत के कच्चे तेल के आयात में सितंबर में मामूली गिरावट देखी गई, लेकिन इसका देश की कुल तेल खरीद में एक-तिहाई से अधिक हिस्सा बना रहा। गौरतलब है कि रूस से तेल खरीदने के कारण अमेरिका ने भारत पर दंडात्मक शुल्क लगाया है।

सितंबर में भारत का कच्चा तेल आयात लगभग 47 लाख बैरल प्रतिदिन था, जो मासिक आधार पर 2.2 लाख बैरल प्रतिदिन अधिक था और सालाना आधार पर स्थिर रहा। रूसी कच्चे तेल ने भारत के सबसे बड़े एकल आपूर्तिकर्ता के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखी। भारत के कुल तेल आयात में इसकी हिस्सेदारी लगभग 16 लाख बैरल प्रतिदिन या 34 प्रतिशत रही। वैश्विक व्यापार विश्लेषण फर्म केप्लर के प्रारंभिक आंकड़ों से पता चला कि यह 2025 के पहले आठ महीनों के दौरान आयातित औसत रूसी तेल से लगभग 1.6 लाख बैरल प्रतिदिन कम था।

- भारत के कच्चे तेल के आयात में आई मामूली गिरावट, देश के कुल तेल खरीद में एक-तिहाई से अधिक हिस्सेदारी

गिरावट के बावजूद रिफाइनरों के लिए किफायती विकल्प

केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक (रिफाइनिंग एवं मॉडलिंग) सुमित रिटोलिया ने कहा कि गिरावट के बावजूद, रूसी कच्चा तेल भारतीय रिफाइनरों के लिए सबसे किफायती विकल्पों में से एक बना हुआ है। इराक भारत का दूसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता था, उसके बाद सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का स्थान रहा। अमेरिका 2.06 लाख बैरल प्रतिदिन के साथ भारत का पांचवां सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता था। रिटोलिया ने कहा कि रिफाइनरी स्पष्ट रूप से पश्चिम एशिया, अमेरिका और अफ्रीका में विविधीकरण पर जोर दे रही हैं, लेकिन रूस भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता बना रहेगा।

निर्यात से देश के कारखाने 25% तक बन रहे हरित

नई दिल्ली, एजेंसी

निर्यात व्यावसायिक वृद्धि में सहायक होने के साथ ही भारतीय कारखानों को हरित भी बना रहा है। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), लखनऊ ने दो दशकों के आंकड़ों का विश्लेषण करने के बाद किए अध्ययन में यह पाया।

अध्ययन में जांच की गई कि क्या निर्यात से भारतीय विनिर्माण कंपनियां हरित प्रथाओं को अपनाने को प्रोत्साहित हो रही हैं। आईआईएम-लखनऊ में अर्थशास्त्र और व्यावसायिक पर्यावरण के प्रो. चंदन शर्मा के नेतृत्व में किया गया अध्ययन प्रतिष्ठित एनर्जी इकोनॉमिक्स (एल्सेवियर) पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। विकासशील देशों में पर्यावरणीय दबाव बढ़ाने के लिए अक्सर व्यापार की आलोचना की जाती है, लेकिन इस बात के सीमित प्रमाण हैं कि निर्यात आधारित कंपनियां हरित प्रथाओं को अपनाती हैं। खासकर ऊर्जा उपयोग के मामले में ऐसा देखा गया। शर्मा ने बताया कि निर्यात न केवल वृद्धि को बढ़ावा देता है, बल्कि भारतीय कारखानों को भी हरित बनाता है। वैश्विक बाजारों में प्रवेश करने के कुछ ही वर्षों के भीतर, कंपनियां उन्नत तकनीकों को अपनाकर अधिक ऊर्जा कुशल बन जाती हैं। अध्ययन के निष्कर्ष इस आम धारणा को चुनौती देते हैं कि वैश्वीकरण विकासशील देशों में पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है। इसके मुताबिक गैर-निर्यातक कंपनियों के मुकाबले किसी निर्यातक कंपनी की ऊर्जा दक्षता में तीन वर्षों के भीतर 25 प्रतिशत की वृद्धि होती है।

राष्ट्रीय

पीओके भारत का एक कमरा, उसे वापस लेकर रहेंगे

आरएसएस प्रमुख भागवत बोले- भाषा या संप्रदाय कुछ भी हो पर 'हम सब एक हैं, हम सब हिन्दू हैं'

सतना (मध्यप्रदेश), एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) को भारत का अभिन्न हिस्सा बताते हुए कहा कि यह भारत के घर का एक कमरा है, जिस पर अजनबियों ने कब्जा कर रखा है। उन्होंने कहा कि पीओके को एक दिन भारत में वापस लाया जाएगा। भागवत ने कहा कि चाहे कोई खुद को किसी भी भाषा या संप्रदाय का माने, लेकिन सच्चाई यह है कि हम सब एक हैं, हम सब हिन्दू हैं।

भागवत ने सिंधी कैंप स्थित गुरुद्वारा का उद्घाटन करने के बाद बीटीआई मैदान में आयोजित सभा में अखंड भारत की अवधारणा का उल्लेख करते हुए कहा कि जो लोग अपना घर वहां छोड़कर आए हैं, कल वापस लेकर फिर से डेरा डालना है। आज हम लोगों की स्थिति ऐसी है कि हम टूटा हुआ आईना देखकर अपने आपको अलग मान रहे हैं। एकता चाहिए, झगड़ा क्यों है? चाहे हम अपने आप को किसी भी भाषा या संप्रदाय का कहें लेकिन यह सत्य है कि हम सब एक हैं। भागवत ने कहा कि एक चतुर अंग्रेज आया, हमसे लड़ाई की, हमें हराकर हम पर राज किया। उसने हमसे आध्यात्मिकता का दर्पण छीन लिया और भौतिकवाद का टूटा हुआ दर्पण थमा दिया। तब से हम खुद को अलग मानने लगे और छोटी-छोटी बातों पर झगड़ने लगे।

उन्होंने कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि बंटवारे के समय सिंधी समुदाय के लोग पाकिस्तान नहीं गए। जो लोग अपना घर छोड़कर आए हैं, जिनको हड़प लिया गया, उन्हें कल वापस लेकर फिर से वहीं डेरा डालना है। भागवत ने कहा कि पूरा भारत एक घर है। हमारे घर का एक कमरा, जहां हमारी मेज, कुर्सी और कपड़े रखे थे, उसे किसी ने कब्जा लिया है। एक दिन हमें उसे वापस लेना होगा। भागवत का बयान पीओके पर भारत के रुख को और सशक्त करता है। उन्होंने कहा कि यह भौगोलिक हिस्सा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का हिस्सा है। भागवत ने कहा कि नयी पीढ़ी को इस दिशा में विचार करना चाहिए।

पाकिस्तान को चेतावनी दी- भारत चुप नहीं बैठेगा

सिंधी समाज का जिक्र करते हुए भागवत ने भावुक अंदाज में कहा कि यहां बहुत से सिंधी भाई-बहन बैठे हैं, मुझे बहुत खुशी है। वे पाकिस्तान नहीं गए, बल्कि अखंड भारत में ही थे। हालात ने हमें यहां लाकर बैठा दिया, वरना हमारा वह घर और यह घर अलग नहीं है। उन्होंने सिंधी समुदाय को आश्वासन दिया कि उनका दर्द और उनकी भावनाएं भारत के साथ हैं। भागवत के बयान को भारत की नीति और दृष्टिकोण के रूप में देखा जा रहा है। पीओके को लेकर भारत हमेशा से कहता रहा कि यह उसका अभिन्न हिस्सा है। भागवत ने स्पष्ट किया कि भारत अपनी धरोहर को वापस लेने के लिए प्रतिबद्ध है। उनके बयान ने न केवल देशभक्ति की भावना को प्रबल किया, बल्कि पाकिस्तान को चेतावनी भी दी कि भारत अपने हक के लिए चुप नहीं बैठेगा।

भारत में अनेक भाषाएं सबका भाव एक

भागवत ने भाषा विवाद पर कहा कि भारत में भाषाएं अनेक हैं, लेकिन भाव सबका एक ही होता है। उन्होंने कहा कि सारी भाषाएं भारत की राष्ट्रभाषाएं हैं। प्रत्येक नागरिक को कम से कम तीन भाषाएं आनी चाहिए, स्थानीय भाषा, जिस राज्य में रह रहे हैं उसकी भाषा और राष्ट्र की भाषा।

पाक को रूसी जेएफ-17 इंजन देने की जयराम की टिप्पणी पर भाजपा ने कहा

कांग्रेस ने देश के दुश्मन का साथ चुना

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस ने सभी दावों को किया खारिज : मालवीय

भाजपा आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने पलटवार करते हुए मीडिया की एक अन्य खबर का हवाला दिया और कहा कि रूस ने उन दावों को खारिज किया है कि मॉस्को जेएफ-17 थंडर ब्लॉक-3 लड़ाकू विमानों के लिए पाकिस्तान को आरडी-93एमए इंजन की आपूर्ति पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रमेश ने एक अखबार में छपी खबर पर भरोसा किया, जिसमें पाकिस्तान समर्थक दुष्प्रचार के लिए कुख्यात एक कम-ज्ञात वेबसाइट का हवाला दिया गया है। मालवीय ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं। कोई विश्वसनीय स्रोत नहीं। बस गैरजिम्मेदाराना सूचना युद्ध का एक और दौर तथा कांग्रेस के संचार प्रमुख ने एक बार फिर भारत के साथ खड़े होने के बजाय दुश्मन का पक्ष लेने का फैसला किया।

भाजपा ने पाकिस्तान को जेएफ-17 जेट इंजन की आपूर्ति पर रूस के आगे बढ़ने की खबरों को रविवार को गैरजिम्मेदाराना सूचना युद्ध करार दिया और इसे सोशल मीडिया पर उठाने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। भाजपा ने कांग्रेस पर भारत के बजाय 'देश के दुश्मन का पक्ष लेने' का आरोप लगाया।

कांग्रेस ने पाकिस्तानी लड़ाकू विमान जेएफ-17 के लिए रूस द्वारा इंजन की आपूर्ति किए जाने संबंधी मीडिया खबरों का हवाला देते हुए कहा था कि यह मोदी सरकार की कूटनीति की विफलता है और उसे देश को बताना चाहिए कि भारत का भरोसेमंद साथी रूस, पाकिस्तान को सैन्य सहयोग क्यों दे रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने उन खबरों का हवाला दिया था जिनमें कहा गया है कि रूस जेएफ-17 लड़ाकू विमानों के लिए उन्नत आरडी-93एमए इंजन की आपूर्ति कर रहा है। रमेश ने 'एक्स' पर दावा किया कि यह घटनाक्रम प्रधानमंत्री मोदी की उस व्यक्तिगत कूटनीति की एक और नाकामी को उजागर करता है, जो राष्ट्रीय हितों से अधिक छवि निर्माण और वैश्विक तमाशे को प्राथमिकता देती रही है।

हथियार, नशीले पदार्थ मॉड्यूल का भंडाफोड़, दो लोग गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने रविवार को कहा कि उसने पाकिस्तान से जुड़े सीमापार हथियार और मादक पदार्थ तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने गिरफ्तार दोनों लोगों की पहचान गुरजंत सिंह और गुरवेल सिंह के रूप में की है, जो तरनतारन के निवासी हैं।

पुलिस ने बताया कि उनके पास से 2.5 किग्रा हेरोइन और 5 अत्याधुनिक पिस्तौल तथा मैगजीन बरामद की गईं। उनकी कार भी जब्त कर ली गई है, जिसका प्रयोग खेप ले जाने में हुआ था। जांच से पता चला कि आरोपी सीमापार से पाकिस्तानी तस्कर के निर्देश पर काम कर रहे थे। हथियार गैंगस्टर और अन्य अपराधियों को आपूर्ति किए जाने थे।

त्योहारों पर हवाई किरायों व उड़ान क्षमताओं पर डीजीसीए की नजर

नई दिल्ली, एजेंसी

विमानन नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) त्योहारों के दौरान हवाई किरायों और उड़ान क्षमताओं पर कड़ी नजर रख रहा है ताकि यह टिकटों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी न हो। त्योहारी सीजन और बढ़ती मांग के दौरान घरेलू हवाई किराए में वृद्धि होती है विशेष रूप से उन मार्गों में जिधर के लिए अधिक उड़ानें हैं। हालांकि हवाई किराये को नियंत्रण मुक्त किया गया है लेकिन डीजीसीए को कीमतों पर नजर रखने तथा वृद्धि होने पर उचित कदम उठाने का अधिकार है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने रविवार को कहा कि डीजीसीए ने त्योहारी पर होने वाली भीड़ से पहले हवाई किराए की समीक्षा की है और विमानन कंपनियों से उड़ान क्षमता बढ़ाने को कहा है। मंत्रालय ने कहा कि डीजीसीए यात्री हितों के लिए विमानन कंपनियों के किराये और उड़ान क्षमताओं पर नजर रखेगा। इंडिगो 42 सेक्टरों में 730 अतिरिक्त सेवाएं, एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस 20 सेक्टरों में 486, स्पाइसजेट 38 सेक्टरों में 546 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करेगी। हालांकि यह नहीं बताया गया कि इन अतिरिक्त उड़ानों का संचालन कब से और कब तक होगा।

- डीजीसीए को कीमतों में वृद्धि होने पर उचित कदम उठाने का अधिकार

लद्दाख हिंसा में हुई मौतों की हो स्वतंत्र न्यायिक जांच : वांगचुक

श्रीनगर। राजस्थान के जोधपुर केंद्रीय कारागार में बंद पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक ने जारी संदेश में कहा कि वह शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ हैं और वह लद्दाख के संवैधानिक हक के लिए शांतिपूर्ण तरीके से लड़ते रहेंगे। वांगचुक ने लद्दाख में हुए हिंसक प्रदर्शन में हुई मौतों की स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि जबतक जांच का आदेश जारी नहीं होता तब तक वह कारागार में रहने को तैयार हैं। उन्होंने अपना यह संदेश वकील मुस्तफा हाजी और उनके बड़े भाई कात्सेतन दोरजे ले के जरिये भेजा, जो शनिवार को उनसे कारागार में मिलने गए थे। वांगचुक ने के लोगों की प्रार्थनाओं और चिंताओं के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने लद्दाख के लोगों से शांति बनाये रखने की अपील भी की।

बाढ़ प्रभावित किसानों को देंगे हर संभव मदद : शाह

अहिल्यानगर (महाराष्ट्र),एजेंसी

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत के चीनी सहकारी क्षेत्र को काफी लाभ हुआ है। वह अहिल्यानगर जिले में डॉ. विट्ठलराव विखे पाटिल सहकारी चीनी कारखाने की विस्तारित क्षमता का उद्घाटन करने के बाद एक किसान रैली को संबोधित कर रहे थे।

शाह ने चीनी सहकारी समितियों से गैर पेराई सत्र में भी मल्टी-फीड एथनॉल का उत्पादन करने की अपील की। मंत्री ने कहा कि एथनॉल मिश्रण से चीनी सहकारी समितियों की आर्थिक स्थिति बदल गई है, मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद इस क्षेत्र को लाभ हुआ है। शाह ने कहा कि केंद्र सरकार हाल ही में भारी बारिश से प्रभावित महाराष्ट्र के किसानों को हर संभव सहायता देगी। उन्होंने राज्य के किसानों के लिए केंद्रीय सहायता हासिल करने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्रियों एकनाथ शिंदे और अजित पवार की सराहना की। शाह ने सहकारिता आंदोलन की प्रमुख हस्ती विट्ठलराव विखे पाटिल और उनके बेटे तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री बालासाहेब विखे पाटिल की प्रतिमाओं का अनावरण भी किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार महाराष्ट्र में भारी बारिश से नुकसान झेलने वाले किसानों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। महाराष्ट्र के कई हिस्सों में हुई भारी बारिश और बाढ़ से व्यापक नुकसान हुआ है। शाह ने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों के साथ विस्तृत बैठक की। प्रधानमंत्री की ओर से मैंने उन्हें आश्वासन दिया कि एक बार विस्तृत रिपोर्ट हमें सौंप दिए जाने के बाद, प्रधानमंत्री महाराष्ट्र के किसानों को कोई भी मदद देने में देरी नहीं करेंगे। केंद्र सरकार पिछले वर्ष की सहायता में से 3,132 करोड़ रुपये पहले ही जारी कर चुकी है, जिसमें इस वर्ष अप्रैल में दी गई 1,631 करोड़ रुपये की सहायता भी शामिल है। महाराष्ट्र सरकार ने भी 2,215 करोड़ रुपये की राहत राशि प्रदान की है, जिससे 31 लाख से ज्यादा किसानों को लाभ हुआ है।

गृह मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों की परेशानी कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने बाढ़ प्रभावित प्रत्येक परिवार को 10,000 रुपये की नकद सहायता और 35 किग्रा अनाज दिया गया। ऋण वसूली रोक दी गई है, ई-केवाईसी मानदंडों में एक बार के लिए ढील दी गई है और राजस्व कर और स्कूल फीस में राहत दी गई है।

महाराष्ट्र में किसानों की रैली में लोगों का अभिवादन करते हुए गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस।

- केंद्रीय मंत्री ने कहा- मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद चीनी सहकारी क्षेत्र को हुआ लाभ

वर्ल्ड ब्रीफ

हैदराबाद में रविवार को गाजा में तत्काल युद्धविराम के लिए प्रदर्शन किया गया।

टेक्सास में गिरफ्तार हुआ भारतीय कनाडा प्रत्यर्पित

ओंटारियो। हमले के एक मामले में अमेरिका के टेक्सास में गिरफ्तार किए गए भारतीय मूल के एक व्यक्ति को कनाडा प्रत्यर्पित किया गया है। 'सीटीवी न्यूज' ने शुक्रवार को बताया कि 25 वर्षीय सुखप्रीत सिंह 2021 में कनाडा में एलनाज हजतमिरी नाम की महिला पर हुए हमले के सिलसिले में वांछित कई संदिग्धों में से एक है। सिंह को इस साल जून में 'यूनाइटेड स्टेट्स मार्शल्स सर्विस' के सदस्यों ने गिरफ्तार किया था और अगस्त में उस पर आरोप लगाए गए थे। खबर में कहा गया है कि सिंह को प्रत्यर्पित कर मंगलवार को 'यॉर्क रीजन' भेजा गया था।

चरमपंथी बने लेबनानी पॉप स्टार का आत्मसमर्पण

बेरूत। पॉप स्टार से वांछित इस्लामी चरमपंथी बने लेबनान के एक व्यक्ति ने 12 साल बाद शनिवार को खुद को देश की सैन्य खुफिया सेवा के हवाले कर दिया। लेबनान के शहर सिडोन में जून 2013 में सुन्नी मुस्लिम चरमपंथियों और लेबनानी सेना के बीच सड़क पर हुए खूनी संघर्ष के बाद से फदल शकर फरार था। उसकी गैरमौजूदगी में मुकदमा चलाया गया और 2020 में एक आतंकवादी समूह को समर्थन देने के आरोप में 22 साल जेल की सजा सुनाई गई। शनिवार रात एक लेबनानी सैन्य खुफिया बल सिडोन के पास ऐन अल-हिल्वेह के फिलस्तीनी शरणार्थी शिविर में पहुंचा और शकर को हिरासत में ले लिया, जो 12 साल से इसी शिविर में छिपा हुआ था।

स्कूल इमारत ढहने से अब तक 40 की मौत

सिदोअर्जो। इंडोनेशिया के एक इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल में मंगलवार को प्रार्थना कक्ष के ढह जाने के बाद लापता छात्रों की तलाश कर रहे बचावकर्मियों ने सप्ताहांत में दो दर्जन से अधिक शव बरामद किए, जिससे मृतकों की संख्या 40 हो गई। इंडोनेशिया की राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण एजेंसी के अनुसार, बचावकर्मियों को केवल सप्ताहांत में 26 शव मिले। इंडोनेशिया के जावा द्वीप के पूर्वी हिस्से में सिदोअर्जो में स्थित सौ साल पुराने अल खोजिनी स्कूल में 30 सितंबर को एक इमारत ढह गई और सैकड़ों छात्र उसके नीचे दब गए।

चीन के गुआंगडोंग क्षेत्र में तूफान के कारण डेढ़ लाख लोग विस्थापित

गुआंगडोंग, एजेंसी

चीन के दक्षिणी प्रांत गुआंगडोंग में प्रशासन ने मैटमो तूफान की तीव्रता को देखते हुए आपातकालीन प्रतिक्रिया को उच्चतम स्तर पर बढ़ा दिया है और 150,000 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है।

प्रांतीय बाढ़ नियंत्रण मुख्यालय ने रविवार सुबह प्रतिक्रिया स्तर में बढ़ोत्तरी की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार शाम तक, कुल 151,352 निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया। तूफान मैटमो लगभग 25 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है जिससे तटीय शहरों में भारी बारिश और तूफान की आशंका है। एहतियात के तौर पर झानजियांग शहर में शनिवार शाम से ही कक्षाएं, काम, उत्पादन, परिवहन और व्यवसायों को पूरी तरह से बंद कर दिया है और रविवार सुबह से सभी राजमार्गों को बंद कर दिया है। समुद्री प्राधिकारियों ने प्रभावित जलक्षेत्र में परिचालन स्थगित कर दिया है तथा पूरे क्षेत्र में बचाव दल तैनात कर दिए हैं।

● झानजियांग में कक्षाओं और सभी व्यवसायों को किया गया बंद

नियम सख्त नहीं, निगरानी में भी ढील

जब दवाएं बन जाती हैं जहर

भारत में दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 और उसके तहत बनाए गए नियम खासकर औषधि नियम 1945 की अनुसूची एम (जीएमपी) लागू हैं, जिन्हें केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन और राज्य विनियामक प्राधिकरण लागू करते हैं। निगरानी के लिए राज्य प्राधिकरण भी हैं जो लाइसेंसिंग की जिम्मेदारी निभाने के साथ निरीक्षण कर नकली और घटिया दवाओं पर कार्रवाई करते हैं। दवाओं की खराब गुणवत्ता से देश में कई बड़े हादसे हो चुके हैं, जिसके बाद सरकार ने जीएमपी नियमों को संशोधित करने के साथ निरीक्षण प्रणाली को मजबूत करने के लिए निर्देश जारी किए थे। हालांकि नियमों और निर्देशों का पालन न होना भी आम है, मध्यप्रदेश और राजस्थान में खराब कफ सिरप की वजह से हाल ही में हुई कई बच्चों की मौत इसका ताजा उदाहरण है।

दवा निर्माण: ये हैं कानून

- औषधि अधिनियम 1940 दवाओं के आयात, निर्माण, बिक्री-वितरण को नियंत्रित करता है।
- औषधि नियम 1945 के तहत दवाओं के विनिर्माण और गुणवत्ता के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।
- निर्माताओं को जीएमपी का पालन करना होता है ताकि मानक अनुसार दवा निर्माण सुनिश्चित किया जा सके।
- केंद्रीय प्राधिकरण सीडीएससीओ दवा, चिकित्सा उपकरण, प्रसाधन सामग्री की गुणवत्ता विनियमित करता है।
- राज्य औषधि विनियामक प्राधिकरण लाइसेंस देने, नकली दवाओं की बिक्री पर कार्रवाई के लिए जिम्मेदार हैं।

गांबिया से सबक नहीं

पश्चिमी अफ्रीका के देश गांबिया में 2022 में भारत से आयातित कफ सिरप पीने से 66 बच्चों की मौत हुई थी। इसके बाद डब्ल्यूएचओ ने इस दवा के बारे में चेतावनी जारी की थी। भारत की इस घटना से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बदनामी हुई थी। इन बच्चों की भी किडनी क्षतिग्रस्त हो गई थी जैसा कि हाल ही में मध्यप्रदेश और राजस्थान में हुआ है।

निगरानी के इंतजाम

- फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया राष्ट्रीय निगरानी कार्यक्रम है जो दवाओं के प्रतिकूल प्रभावों को इकट्ठा कर उनका विश्लेषण करता है और उसके आधार पर सिफारिशें देता है।
- नियामक प्राधिकरण नियमित रूप से दवा निर्माण इकाइयों का निरीक्षण करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे निर्धारित मानकों यानी शेड्यूल एम का पालन कर रहे हैं।

दवाएं और नियम

- शेड्यूल एच की दवाएं पंजीकृत चिकित्सक के पर्चे पर ही बेची जा सकती हैं, इनमें कफ सिरप भी शामिल हैं।
- शेड्यूल एक्स की दवाएं अत्यंत शक्तिशाली होती हैं जिनमें नशीले व साइकोट्रोपिक पदार्थ शामिल होते हैं।
- कई एंटीबायोटिक्स, मानसिक स्वास्थ्य की दवाएं और नींद की गोलियां भी पर्चे पर ही बेची जा सकती हैं।
- सभी टीके, खासकर बच्चों के लिए आवश्यक टीके नियमों के तहत योग्य स्वास्थ्य पेशेवरों ही दे सकते हैं।

डायथाइलीन ग्लाइकॉल से दूषित कफ सिरप से कई बच्चों की मौत हुई थी। जम्मू-कश्मीर में 2019-2020 में कफ सिरप पीने से 11 बच्चों की मौत हो गई थी।

बच्चों को कोई भी दवा या कफ सिरप डॉक्टर के परामर्श के बगैर देना गलत है। कारण ये है कि यह डॉक्टर की जांच से ही पता लग सकता है कि बच्चे को किस प्रकारण का संक्रमण है। जिस कफ सिरप से हाल ही में बच्चों की मौत हुई है, उन्हें सी श्रेणी की कंपनियों ने बनाया था। अच्छी कंपनियां गुणवत्ता का ध्यान रखती हैं। - **दुर्गेश खटवानी, अध्यक्ष बरेली इंग एसोसिएशन**

प्रदेश सरकार ने कफ सिरप के सेवन से बच्चों की मौत की घटना सामने आने के बाद एडवाइजरी जारी की है। इसके तहत दो साल तक के बच्चों को बिना डॉक्टर के परामर्श के कफ सिरप देने पर पाबंदी लगा दी गई है। हालांकि मुख्यालय से अभी गाइड लाइन जारी नहीं हुई है। गाइड लाइन आने के बाद उसका पूरी तरह पालन कराएंगे। - **डॉ. विश्राम सिंह, सीएमओ बरेली**

पोर्टलैंड में नेशनल गार्ड तैनात नहीं कर पाएंगे ट्रंप, कोर्ट ने लगाई रोक

अमेरिकी राष्ट्रपति के एक और आदेश को संघीय न्यायाधीश ने बताया अवैध

पोर्टलैंड, एजेंसी

अमेरिका में ओरेगन राज्य के एक संघीय न्यायाधीश ने राज्य और उसके शहर पोर्टलैंड की ओर से दायर एक मुकदमे में फैसला सुनाते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के पोर्टलैंड में नेशनल गार्ड तैनात करने के आदेश पर अस्थाई रूप से रोक लगा दी है। ट्रंप प्रशासन ने केंद्रीय अधिकारियों और संपत्ति की सुरक्षा के लिए नेशनल गार्ड तैनात करने का आदेश दिया था।

अमेरिकी जिला न्यायाधीश करिन इमरगुट ने मुकदमे में बहस लंबित रहने तक यह आदेश जारी किया। वादियों का कहना है कि 'नेशनल गार्ड' की यह तैनाती अमेरिकी संविधान के साथ उस संघीय कानून का भी उल्लंघन है जो आम तौर पर घरेलू कानूनों को लागू करने में सेना के इस्तेमाल पर रोक लगाता है। इमरगुट ने अपने आदेश में लिखा कि यह मामला तीन मूलभूत लोकतांत्रिक सिद्धांतों के परस्पर संबंध से जुड़ा है- 'संघीय सरकार और राज्यों के बीच संबंध, सेना और घरेलू कानून प्रवर्तन के बीच संबंध और सरकार की कार्यपालिका, विधानपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का संतुलन।'

न्यायाधीश ने कहा कि आम तौर पर राष्ट्रपति उन परिस्थितियों में 'नेशनल गार्ड' सैनिकों की तैनाती का आदेश दे सकते हैं जब नियमित कानून प्रवर्तन बल अमेरिका के कानूनों का पालन नहीं कर पाते लेकिन पोर्टलैंड में ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि वादियों ने यह साबित किया कि राष्ट्रपति के आदेश से पहले पोर्टलैंड आव्रजन केंद्र में हुए प्रदर्शन अधिक हिंसक या विघटनकारी नहीं थे।

राष्ट्रपति ट्रंप के आदेश के खिलाफ पोर्टलैंड में लगातार विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं।

न्यायाधीश ने कहा- ट्रंप के निर्णय तथ्यों से परे

न्यायाधीश ने कहा, राष्ट्रपति का यह निर्णय तथ्यों से बिल्कुल परे है। रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि वह ओरेगन के 'नेशनल गार्ड' के 200 सदस्यों को 60 दिनों के लिए संघीय नियंत्रण में रख रहा है ताकि उन जगहों पर संघीय संपत्ति की सुरक्षा की जा सके जहां प्रदर्शन हो रहे हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता एवं इलिनोइस के गवर्नर जेबी प्रित्जकर ने शनिवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन की इलिनोइस के नेशनल गार्ड के 300 सैनिकों का संघीयकरण करने की योजना है, जो अमेरिकी शहरों में ट्रंप के संघीय हस्तक्षेप की हालिया वृद्धि को दर्शाता है।

ट्रंप का दावा, युद्धग्रस्त क्षेत्र बन चुका है पोर्टलैंड

ट्रंप ने पोर्टलैंड और शिकागो दोनों को अपराध और अशांति से ग्रस्त शहर बताया है। उन्होंने पोर्टलैंड को 'युद्ध क्षेत्र' कहा है और सुझाव दिया है कि पोर्टलैंड में समस्याओं को खत्म करने के लिए यह तैनाती आवश्यक है। राष्ट्रपति के तौर पर अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत से उन्होंने मैरीलैंड के बाल्टीमोर, टेनेसी के मेम्फिस, डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया, लुइसियाना के न्यू ऑरलियन्स और कैलिफोर्निया के ओकलैंड, सैन फ्रांसिस्को और लॉस एंजिलिस सहित 10 शहरों में सैनिक भेजे हैं या भेजने की बात की है। ओरेगन की गवर्नर टीना कोटेक ने सितंबर के अंत में ट्रंप से कहा था कि यह तैनाती अनावश्यक थी।

अवैध प्रवासी बच्चों को वयस्क केंद्र भेजने के आदेश पर भी रोक

अटलांटा। अवैध रूप से अमेरिका में आए बच्चों के 18 वर्ष की उम्र पूरी करने पर उन्हें वयस्कों के लिए बने हिरासत केंद्रों में स्थानांतरित करने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की नई नीति पर एक संघीय न्यायाधीश ने अस्थाई रोक लगा दी है। वकीलों के अनुसार, यह स्थानांतरण इस सप्ताहांत होने वाला था। अमेरिकी जिला न्यायाधीश रूडोल्फ कोंट्रेरास ने शनिवार को अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन विभाग के लिए एक अस्थाई आदेश जारी करते हुए कहा कि वह अकेले एवं बिना अनुमति के देश में आए किसी भी बच्चे को वयस्क होने के बाद आईसीई वयस्क हिरासत केंद्रों में न रखें। वाशिंगटन डीसी के न्यायाधीश ने कहा कि इस तरह की स्वचालित हिरासत 2021 में जारी किए गए उनके उस अदालती आदेश का उल्लंघन है जिसमें इस चलन पर रोक लगाई गई थी। बताया जा रहा है कि अधिकारी 14 साल और उससे ज्यादा उम्र के प्रवासी बच्चों को स्वेच्छा से अपने देश लौटने के लिए 2,500 अमेरिकी डॉलर की पेशकश कर रहे हैं। पिछले महीने एक अन्य संघीय न्यायाधीश ने अकेले अमेरिका आए ग्वाटेमाला के प्रवासी बच्चों को तुरंत उनके देश वापस भेजने के प्रयासों पर रोक लगा दी थी।

वांगचुक को रिहा करो

लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की रिहाई के लिए देश भर में प्रदर्शन हो रहे हैं। रविवार को नई दिल्ली के जंतरमंतर पर अखिल भारतीय छात्र संघ के सदस्यों ने प्रदर्शन कर लद्दाख के प्रति एकजुटता दिखाई।

अलबामा में भीड़ पर गोलीबारी, दो की मौत, 12 घायल

मोंटगोमेरी। अमेरिकी राज्य अलबामा की राजधानी मोंटगोमेरी के भीड़भाड़ वाले इलाके में शनिवार रात दो प्रतिद्वंद्वी गुटों ने एक-दूसरे पर गोलीबारी की जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और 12 घायल हो गए।

मोंटगोमेरी के पुलिस प्रमुख जेम्स ग्रेबॉयज के अनुसार, घायलों में से तीन की हालत गंभीर है। ग्रेबॉयज ने कहा, इसमें दो पक्ष शामिल थे जो एक-दूसरे पर गोलियां चला रहे थे और उस दौरान भीड़ थी। उन्होंने कहा कि हमलावरों ने गोलियां चलाते वक्त वहां मौजूद अन्य लोगों की परवाह नहीं की।

रूस ने यूक्रेन में रेलवे स्टेशन को बनाया निशाना, 30 लोग घायल

कीव, एजेंसी

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि उत्तर-पूर्वी यूक्रेन में एक रेलवे स्टेशन पर रूसी ड्रोन हमले में 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। जिस जगह हमला किया गया, वहां कई यात्री और कर्मचारी मौजूद थे।

बीबीसी के हवाले से जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा है कि प्रारंभिक रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि सुमी क्षेत्र के शोस्तका शहर में हमले वाली जगह पर कई रेल कर्मचारी और यात्री मौजूद थे। उन्होंने कहा कि आपातकालीन सेवाएं

● जेलेंस्की ने कहा- ये आतंकवाद है दुनिया इसे अनदेखा नहीं करे

घटनास्थल पर हैं और लोगों की मदद शुरू कर दी गई है। घायलों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। उन्होंने एक वीडियो भी पोस्ट किया जिसमें एक क्षतिग्रस्त ट्रेन के डिब्बे में आग लगी दिखाई दे रही है।

जेलेंस्की ने लिखा, रूसी लोग इससे अनजान नहीं थे कि वे नागरिकों को निशाना बना रहे हैं। ये आतंकवाद है जिसे दुनिया नजरंदाज नहीं कर सकती। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह ह्रीहोरोव के अनुसार दो हमले हुए जिनमें दो यात्री ट्रेनें प्रभावित हुईं।

भूटान में बाढ़ से प्रभावित लोगों को बचाने के लिए पहुंची भारतीय सेना

नई दिल्ली, एजेंसी

भूटान प्रशासन और भारतीय सेना द्वारा रविवार को समन्वित बचाव अभियान के जरिये पड़ोसी देश में अमोचू नदी के आसपास अचानक आई बाढ़ से प्रभावित लोगों की सुरक्षित निकासी की गई।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बाढ़ के कारण भूटान के अस्थायी आवास और श्रमिक शिविरों में कई परिवार और मजदूर फंस गए थे। सूत्रों ने बताया कि जब भूटान की राष्ट्रीय एयरलाइन 'ड्रुक एयर' का एक हेलीकॉप्टर खराब मौसम के कारण उड़ान नहीं भर सका, तो देश ने भारत से तत्काल सहायता मांगी। सूत्रों ने बताया कि भारतीय सेना ने इस आग्रह पर तुरंत कार्रवाई करते हुए फंसे हुए मजदूरों को सुरक्षित निकालने और उन्हें तत्काल चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने के लिए दो हेलीकॉप्टर तैनात किए।

● बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में फंसे हुए थे कई मजदूर, भारत से मांगी थी मदद

भूटान की शाही सरकार ने तत्काल जीवन रक्षक सहायता प्रदान करने के लिए भारतीय सेना के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

चेक गणराज्य में विपक्षी एएनओ पार्टी जीती संसदीय चुनाव

प्राग। चेक गणराज्य में पूर्व प्रधानमंत्री आंद्रेज बाबिस के नेतृत्व वाली विपक्षी एएनओ पार्टी ने संसदीय चुनाव में जीत हासिल की।

मतगणना के परिणामों के मुताबिक विपक्षी एएनओ को चुनाव में 99 प्रतिशत से अधिक मतदान क्षेत्रों से 34.5 प्रतिशत वोट मिले, जबकि सत्तारूढ़ मध्य-दक्षिणपंथी एसपीओएलयू गठबंधन 23.3 प्रतिशत से अधिक वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहा है। बाबिस ने चुनाव परिणाम को अपने राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा क्षण बताया।

ब्रिटेन : बार-बार होने वाले प्रदर्शनों पर प्रतिबंध की तैयारी

गृह मंत्रालय ने की घोषणा, पुलिस बलों को दिए जाएंगे नए अधिकार

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन सरकार ने रविवार को कहा कि ब्रिटिश पुलिस बलों को बार-बार होने वाले विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगाने के लिए नए अधिकार दिए जाएंगे। यह घोषणा प्रतिबंधित समूह 'फिलिस्तीन एक्शन' के समर्थन में लंदन में आयोजित मार्च के दौरान लगभग 500 लोगों को गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद की गई।

नए अधिकारों का विवरण आने वाले हफ्तों में दिया जाएगा। ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने कहा कि यदि कोई विरोध प्रदर्शन कई सप्ताह तक एक ही स्थान पर होता रहा है और बार-बार

● कहा- विरोध प्रदर्शन का अधिकार मौलिक स्वतंत्रता, पर दूसरों की सुरक्षा भी जरूरी

अव्यवस्था फैली है तो पुलिस को आयोजकों को कार्यक्रम कहीं और आयोजित करने का निर्देश देने का अधिकार होगा। ऐसी शर्तों का उल्लंघन करने पर गिरफ्तारी और मामला दर्ज किया जाएगा। ब्रिटेन की गृह मंत्री शबाना महमूद ने कहा, हमारे देश में विरोध प्रदर्शन का अधिकार एक मौलिक स्वतंत्रता है। हालांकि, इस स्वतंत्रता को अपने पड़ोसियों की निडरता से जीने की स्वतंत्रता के साथ संतुलित किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, ये परिवर्तन विरोध प्रदर्शन के अधिकार की रक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, साथ ही यह भी सुनिश्चित करते हैं कि इस देश में सभी लोग सुरक्षित महसूस करें। महमूद ने कहा, बड़े पैमाने पर, बार-बार होने वाले विरोध प्रदर्शनों से हमारे देश के कई वर्ग, खासकर धार्मिक समुदाय, असुरक्षित, भयभीत और अपने घरों से बाहर निकलने में डर महसूस कर सकते हैं। गृह मंत्रालय ने कहा कि सरकार मौजूदा कानूनों की भी समीक्षा करेगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शक्तियां पर्याप्त हैं और उनका लगातार इस्तेमाल हो रहा है। इनमें विरोध प्रदर्शनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की शक्तियां शामिल होंगी।

फिलिस्तान के समर्थन में प्रदर्शन

लिस्बन। पुर्तगाल के लिस्बन शहर में शनिवार को 3,000 से ज्यादा लोग फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने और गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने की कोशिश करने पर इजराइल द्वारा हिरासत में लिए गए तीन पुर्तगाली नागरिकों की रिहाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने कहा कि रैली में उम्मीदों से कहीं ज्यादा लोग इकट्ठा हुए। रैली में भाग लेने वालों में पूर्व वामपंथी ब्लॉक नेता फ्रांसिस्को लौका और कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार एंटोनियो फिलिप भी शामिल थे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 अक्टूबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी 12.23 तक तत्पश्चात पूर्णिमा।

आज का पंचांग

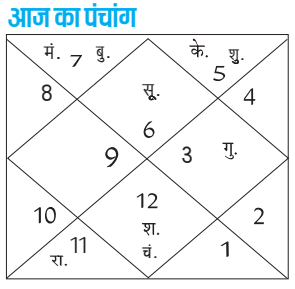

दिशाशूल-पूर्व, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पूर्व भाद्रपद 06.16 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद 7 अक्टूबर 04.01 तक तत्पश्चात रेवती।

मेष आज शाम के समय मूड में बदलाव करने के लिए कहीं घूमने जा सकते हैं। साझेदारी वाले व्यापार में आपको कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। कोई भी महत्वपूर्ण कार्य न करें। बच्चों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। गले में संक्रमण जैसी समस्या हो सकती है।

वृष आज आपके आत्मबल में वृद्धि होगी। उच्चाधिकारी आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। आय में निश्चितता रहेगी। विद्यार्थी पढ़ाई में अच्छा फोकस करेंगे। पुराने मित्रों के साथ मुलाकात होने से तरोताजा हो जाएंगे। घर के नवीनीकरण की योजना बना सकते हैं।

मिथुन आज पारिवारिक मामलों को शांतिपूर्वक निपटाएं। शाम का समय मनोरंजन में व्यतीत होगा। व्यापार में आपको बड़ा धन लाभ होगा। घर में उत्सव का वातावरण रहेगा। आप नए विचारों के प्रभाव में रहेंगे। योजनाओं के अनुसार कार्य पूर्ण हो जाएंगे।

कर्क आज कम मेहनत के बावजूद आपको अच्छी सफलता मिलेगी। किसी अनावश्यक बहसबाजी पर अधिक ध्यान न दें। सभी कार्यों को योजनाबद्ध रूप से करें। आपके निजी संबंध काफी रोमांटिक हो सकते हैं।

सिंह आज अपनी दिनचर्या को सदैव व्यवस्थित रखें। आपकी बातों से आपके अपने नाराज हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में किसी कारण विवाद होने की संभावना है। आपको किसी महत्वपूर्ण काम को लेकर दुविधा की स्थिति उत्पन्न होगी।

कन्या आज आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा, जिसके कारण आप इसका प्रयोग कर अपनी कार्यशैली में सुधार कर सकते हैं। आपका आर्थिक पक्ष कुछ कमजोर रहने वाला है। अतिरिक्त जिम्मेदारियों को अपने ऊपर न लें। इससे आपके ऊपर काम का दबाव बढ़ सकता है।

तुला आज दिन का उत्तरार्ध थोड़ा कमजोर रहेगा। कार्यक्षेत्र में कर्मचारियों से झगड़ा हो सकता है। लेन-देन में थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। भावनात्मक संबंधों को लेकर अत्यंत सतर्क रहें। घर के बुजुर्गों के साथ किसी मांगलिक कार्यक्रम की रूपरेखा बना सकते हैं।

वृश्चिक आज नया व्यापार शुरू करने में मित्र आपको सहयोग कर सकते हैं। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई को लेकर लापरवाह रहेंगे। लोहे के उपकरणों का प्रयोग सावधानी पूर्वक करें वरना चोट लग सकती है। प्रेम-संबंधों के लिए दिन अनुकूल है।

धनु आज अधिकारियों की किसी भी बात को न टालें। अपनी बातों को जीवनसाथी के साथ शेयर करें। प्रेम-संबंधों को लेकर कुछ तनाव रहने की संभावना है। जीवन में आ रही परेशानियों का हल मिलेगा। हृदय रोगियों को अधिक तनाव लेने से बचना चाहिए।

मकर आज कारोबार में बड़ा धन निवेश कर सकते हैं। वैवाहिक जीवन कमजोर रहेगा। कला क्षेत्र से जुड़े लोगों को आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। पेट में दर्द की शिकायत हो सकती है। शाम के समय किसी भी तरह की वैचारिक बहस और चर्चाओं से बचें।

कुंभ आज सुबह आपकी मन :स्थिति थोड़ी नकारात्मक रहने वाली है। आपकी आर्थिक स्थिति बढ़िया रहेगी। परिवार का पूर्ण सहयोग मिलने से आप अत्यंत सुरक्षित महसूस करेंगे। आईटी फील्ड से जुड़े लोगों को नई कंपनी में जॉब मिल सकती है।

मीन आज आपको व्यवसाय में बड़े ऑर्डर मिल सकते हैं। भावनाओं के बजाय व्यवहारिकता को अपनाएं। पैतृक संपत्ति को लेकर आ रही बाधा दूर होगी। छात्रों को करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिलने की संभावना बन रही है।

सुडोकू-121

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1	3				5			9
		7		4			8	
2					6			
		5			8			1
	1						2	
4			9			5		
			2			6		3
	4			5				
9			3				4	7

सुडोकू - 120 का हल

5	7	3	6	8	1	9	4	2
4	8	6	3	2	9	1	5	7
2	1	9	5	7	4	6	3	8
6	4	2	8	1	5	3	7	9
7	3	5	9	4	6	2	8	1
1	9	8	2	3	7	5	6	4
9	5	7	4	6	2	8	1	3
3	6	4	1	9	8	7	2	5
8	2	1	7	5	3	4	9	6

हमें साउथ अफ्रीका में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप से पहले लगभग 20 मैच खेलने का मौका मिलेगा, ऐसे में हमारी कोशिश हर सीरीज को उसी दिशा में खेलते हुए अपनी तैयारियों को आगे बढ़ाएं। मेरे लिए भारतीय टीम को वनडे में लीड करना एक सम्मान की बात है। -शुभमन गिल

स्टेडियम

बरेली, सोमवार 6 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मणिपुर ने हरियाणा को 3-0 से हराया

नारायणपुर : ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन की 30वीं राष्ट्रीय सीनियर महिला फुटबॉल प्रतियोगिता राजमाता जीजाबाई ट्रॉफी में 23 बार की चैंपियन मणिपुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हरियाणा को 3-0 से हरा दिया। रामकृष्ण मिशन मैदान पर शनिवार को खेले गए इस मैच में मणिपुर ने अपने अनुभव और कौशल का प्रभावी प्रदर्शन किया। मणिपुर की जीत में दांगमेई ग्रेस (जर्सी नंबर-8) का प्रदर्शन सर्वाधिक चमकदार रहा, जिन्होंने 25वें और 53वें मिनट में दो गोल दागे। टीम को जीत तक पहुंचाने में कुमुकचाम भूमिकादेवी (जर्सी नंबर-11) ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए 63वें मिनट में तीसरा गोल किया। दूसरे मैच में असम ने पंजाब को 2-1 से हराकर प्रतियोगिता में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। पंजाब ने शोएब तेजीबाला देवी के 10वें मिनट के गोल से बढ़त बनाई, लेकिन असम की निनगाधूचाम रोनीअ देवी (63वें मिनट) और यानगोइजाम किरणबाला चानू (80वें मिनट) के गोलों ने मैच का पलड़ा पलट दिया।

श्रेयांशी ने अल ऐन मास्टर्स में पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर खिताब जीता

अल ऐन (यूएई) : भारत की युवा शटलर श्रेयांशी वालीशेट्टी ने रविवार को यहां तीन गेम तक चले रोमांचक फाइनल में हमवतन तस्नीम मीर को हराकर 120,000 डॉलर इनामी राशि के अल ऐन मास्टर्स में महिला एकल वर्ग का अपना पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 100 खिताब जीता। श्रेयांशी ने एक गेम से पिछड़ने के बाद शानदार संयम दिखाया और 49 मिनट तक चले फाइनल मुकाबले में 15-21, 22-20, 21-7 से जीत हासिल की। शुरुआती गेम में श्रेयांशी ने चार अंक की बढ़त गंवा दी, जबकि तस्नीम ने 14-9 की बढ़त हासिल करने के बाद पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम कांटे की टक्कर में बदल गया। श्रेयांशी ने 1-4 से वापसी करते हुए 17-14 की बढ़त बना ली। श्रेयांशी ने तीसरे गेम में बढ़त बना ली। तस्नीम ने कुछ देर के लिए 6-5 की बढ़त बना ली थी लेकिन इसके बाद वह पिछड़ गईं और श्रेयांशी ने 15 अंक की बढ़त बनाकर शानदार अंदाज में खिताब अपने नाम कर लिया।

एशिया कप ट्रॉफी चोरी की पुलिस से शिकायत

लखनऊ : दुबई में 27 सितंबर को हुए एशिया कप 2025 के फाइनल के दौरान हुई ट्रॉफी चोरी के गंभीर मामले पर लखनऊ निवासी क्रिकेट प्रेमी संजय शर्मा ने दुबई पुलिस को औपचारिक शिकायत की है। 30 सितम्बर को भेजी गई शिकायत में बताया गया है कि एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष एवं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने ट्रॉफी को कानूनी तरीके से विजेता भारतीय टीम को सौंपने के बजाय अपने कब्जे में ले लिया। दुबई पुलिस ने प्राप्त शिकायत का शीघ्र उत्तर देते हुए 48 घंटों में वापसी का भरोसा दिया है। शिकायत में इस गैरकानूनी कृत्य को क्रिकेट समुदाय के लिए गहरा आघात बताया गया है, जिससे भारतीय क्रिकेट प्रेमियों में व्यापक रोष व्याप्त है। शिकायतकर्ता ने दुबई पुलिस विभाग से मामले की त्वरित और निष्पक्ष जांच करने, दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने तथा ट्रॉफी की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। इस शिकायत की सूचना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद, बीसीसीआई और संबंधित अन्य क्रिकेट संस्थाओं को भी दी गई है।

शंघाई मास्टर्स में पेरीकार्ड ने फ्रिट्ज को किया पराजित

शंघाई : फ्रांस के जियोवानी म्पेत्शी पेरीकार्ड ने चौथी रैंकिंग के खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 7-5 से हराकर रविवार को शंघाई मास्टर्स के चौथे दौर में प्रवेश किया। लंबे कद के पेरीकार्ड ने अमेरिका के खिलाड़ी के खिलाफ एक घंटे 25 मिनट में अपनी पहली जीत दर्ज की। पेरीकार्ड के सामने अंतिम 16 दौर में 10वें वरीय होल्गर रूने की चुनौती होगी। अन्य मैचों में रूने ने 21वें वरीय यूगो हम्बर्ट को 6-4, 6-4 से हराया जबकि जिजोयू बर्ग्स ने 19वें वरीय फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को 7-6, 6-3 से मात दी।

भारत ने एकतरफा मुकाबले में पाकिस्तान को 88 रनों से हराया

ऋचा ने 20 गेंदों पर तीन चौकों व दो छक्कों की मदद से बनाए नाबाद 35 रन

महिला विश्व कप क्रिकेट

कोलंबो, एजेंसी

भारतीय महिला टीम ने आईसीसी एकदिवसीय विश्वकप मुकाबले में पाकिस्तान को 88 रनों से हरा दिया। भारत के 248 रनों के लक्ष्य के आगे पाकिस्तान की टीम भारतीय गेंदबाजी के आगे 43 ओवर में सभी विकेट गवांकर महज 159 रन ही बना सकी। इससे पूर्व आठवें नंबर की बल्लेबाज ऋचा घोष की 20 गेंदों पर नाबाद 35 रन की तूफानी पारी की बदौलत भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ महिला विश्व कप मुकाबले में रविवार को 50 ओवर में 247 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। भारत का स्कोर 247 रन तक पहुंचाने में ऋचा घोष ने 20 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 35 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। हरलीन देओल ने 65 गेंदों में चार चौकों और एक छक्के की मदद से सर्वाधिक 46 रन बनाये। भारत एक समय अपने छह विकेट 201 रन पर गंवाकर संघर्ष कर रहा था, लेकिन ऋचा ने आने के बाद ही अपने शॉट खेले और उनकी तेज-तर्रार पारी ने भारत को 247 रनों तक पहुंचा दिया।

मध्य पारी के साक्षात्कार में जेमिमा रोड्रिग्स कहती हैं कि पिच पर काफ़ी नमी थी जिससे उसे थोड़ी पकड़ मिली। वह उन कुछ खिलाड़ियों में से एक थीं जिन्होंने 32 रन बनाते हुए अच्छी स्ट्राइक ली। उस स्कोरकार्ड में भारत के लिए कई 20 और 30 रन बने क्योंकि बल्लेबाजों को पिच पर ज़्यादा सहजता महसूस नहीं हुई। क्या इरादा बेहतर हो सकता था या उन्होंने बस एक ऐसा स्कोर बनाने का लक्ष्य रखा जो उन्हें लगा कि काफ़ी अच्छा होगा? भारतीय बल्लेबाजों ने काफी समय लिया और फिर स्टार्ट को बड़ी पारी में तब्दील भी नहीं कर सकीं। स्मृति मंधाना ने 23 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 19 रन बनाये। ओपनर प्रतीका रावल ने 31,दीप्ति शर्मा ने 25 और स्नेह राणा ने 20 रन बनाये।अंत में ऋचा की पारी ने मोमेंटम दिया और भारत को 250 के करीब ले गईं। यह स्कोर भी काफी चैलेंजिंग होने वाला था।

पाकिस्तान के खिलाफ जबरदस्त स्ट्रोक खेलती ऋचा घोष। एजेंसी

भारत और पाक कप्तानों ने हाथ नहीं मिलाया

कोलंबो, एजेंसी। पाकिस्तान के खिलाफ अपने मैचों में भारत के हाथ न मिलाने के रुख को जारी रखते हुए, कप्तान हरमनप्रीत कौर और फातिमा सना ने रविवार को कोलंबो में महिला विश्व कप 2025 के अपने मुकाबले में टॉस के समय एक-दूसरे से हाथ न मिलाने का रुख अपनाया। क्रिकबज़ ने पहले बताया था कि आईसीसी मैच अधिकारी मैदान पर किसी भी अवांछित घटना से बचने के लिए मैच के दिन के प्रोटोकॉल के बारे में दोनों टीमों को पहले से ही अलग-अलग जानकारी देने वाले थे।

स्कोर कार्ड:भारतीय पारी

- प्रतिका रावल बो सादिया इकबाल 31
- स्मृति मंधाना पगबाधा बो फातिमा सना 23
- हरलीन देओल का नशरा संधू बो रमीन शमीम 46
- हरमनप्रीत का सिदरा बो डायना 19
- जेमिमा रोड्रिग्स पगबाधा बो नशरा संधू 32
- दीप्ति शर्मा का सिदरा नवाज बो डायना बेग 25
- स्नेह राणा का रियाज बो फातिमा सना 20
- रिचा घोष नाबाद 35
- श्री चरणी का नतालिया परवेज बो सादिया इकबाल 01
- क्रांति गौड़ का रियाज बो डायना बेग 08
- रेणुका सिंह का सिदरा नवाज बो डायना बेग 00
- अतिरिक्त : 07

कुल : 50 ओवर में 247 रन पर सभी आउट

विकेट पतन : 1-48, 2-67, 3-106, 4-151, 5-159, 6-201, 7-203, 8-226, 9-247

पाकिस्तान गेंदबाजी

गेंदबाज	ओवर	मेडेन	रन	विकेट
सादिया	10	0	47	2
डायना बेग	10	1	69	4
फातिमा सना	10	2	38	2
रमीन शमीम	10	0	39	1
नाशरा संधू	10	0	52	1

ऑस्ट्रेलिया ए को हराकर भारत ए ने तीन मैचों की जीती सीरीज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- प्रभसिमरन के शतक व श्रेयश, रियान के अर्धशतक की बदौलत 46वें ओवर में भारत ए जीता
- ऑस्ट्रेलिया ए ने 317 रनों का दिया था लक्ष्य, 2 विकेट रहते भारत ए ने छू लिया जीत का आंकड़ा

अमृत विचार। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ चार दिवसीय सीरीज के बाद एक दिवसीय सीरीज पर भी भारत ए ने 2-1 से कब्जा किया। रविवार को ग्रीनपार्क मैदान में खेले गए तीसरे व अंतिम एकदिवसीय डे-नाइट मैच में 317 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ए की टीम ने 2 विकेट शेष रहते 46वें ओवर में जीत हासिल कर ली। हालांकि 301 रन पर भारत ए के दो लगातार विकेट गिरने के बाद मैच रोमांचक मोड़ पर चला गया था, लेकिन आखिर के बल्लेबाजों ने मैच को फंसने नहीं दिया। भारत के सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने शानदार शतक लगाया। कप्तान श्रेयश अय्यर और रियान पराग ने भी पचासा ठोंका। अभिषेक शर्मा कुछ खास नहीं कर सके। पिछले मैच में 94 रन बनाने वाले तिलक वर्मा भी जल्दी पवेलियन लौट गए। मैच में जीत के बाद ग्रीनपार्क में जमकर आतिशबाजी हुई।

ग्रीनपार्क में टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया ए ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया ए ने शुरुआती 4 विकेट जल्द गिरने के बाद भी भारत ए के खिलाफ मजबूत स्कोर खड़ा किया। कूपर कोनोली, लियाम और कप्तान जैक एडवर्ड ने एक के बाद एक तेज अर्धशतक जड़े। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 49.1 ओवरों में ऑलआउट होने के बाद भारत ए को जीत के लिए 317 रनों का टारगेट दिया। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, हर्षित राना ने 3-3 विकेट झटके वहीं, आयुष बडोनी ने तनवीर सांघा की गेंद पर सदरलैंड को कैच थमा बैठे। प्रभसिमरन ने शतकीय पारी में आठ चौके और सात छक्के लगाए। प्रभसिमरन के आउट होने के बाद रियान पराग ने कप्तान श्रेयस के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। 28.2 ओवरों में भारत ए ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 200 रन बना लिए। श्रेयस ने 7 चौकों और एक छक्के की मदद से 58 गेंदों में 62 रन की पारी खेली। उन्हें तनवीर सांघा ने आउट किया। भारत का स्कोर अभी 275 रन हुआ था कि अच्छा खेल रहे रियान पराग जल्दी रन बनाने के चक्कर में तनवीर सांघा की गेंद पर 62 रन पर कैच आउट हो गए। रियान ने पारी के दौरान 5 चौके और 3 छक्के लगाए। इसके बाद निशांत सिंधु महज 2 रन बनाकर आउट हो गए। 285 रनों पर भारत ए का छठा विकेट गिरा। इसके बाद विप्रज निगम खेलने उतरे। भारत ए का स्कोर जब 301 रन था तब 44वें ओवर में भारत ए को एक के बाद एक 2 बड़े झटके लगे। पहले आयुश बडोनी 21 और फिर हर्षित राना 0 पर चलते बने। विप्रज निगम ने विनिंग शॉट के साथ ही 32 बॉल पर जिताऊ 24 रन बनाए। वहीं अर्शदीप सिंह ने भी 4 बॉल पर एक छक्का लगाते हुए 7 रन बनाए।

ग्रीनपार्क में रविवार को शतक बनाने के बाद जश्न मनाते भारत ए टीम के ओपनर प्रभसिमरन सिंह। एजेंसी

इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में बाल के लिए जद्दोजहद करते आर्सेनल और वेस्ट हम यूनाईटेड के खिलाड़ी। एजेंसी

चेल्सी की जीत, आर्सेनल अंक तालिका में शीर्ष पर

लंदन, एजेंसी

ब्राजील के एस्टेवाओ के इंजरी टाइम में दागे गोल की बदौलत चेल्सी ने शनिवार को यहां इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में लीवरपूल को 2-1 से हरा दिया जो गत चैंपियन टीम की लगातार तीसरी हार है। एस्टेवाओ के गोल के बाद जरूरत से अधिक जश्न मनाने के लिए चेल्सी के कोच एंजो मारेस्को को लाल कार्ड दिखाया गया। इस हार के साथ तय हो गया कि लीवरपूल की टीम अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के दौरान अंक तालिका में शीर्ष पर नहीं होगी। आर्सेनल ने वेस्टहैम को 2-0 से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर लीवरपूल पर एक अंक की बढ़त बना ली है। मैनचेस्टर यूनाईअेड ने भी सदरलैंड के खिलाफ महत्वपूर्ण जीत हासिल की। टोटेनहैम ने लीड्स को 2-1 से हराया और अब टीम अर्सेनल और लीवरपूल के बाद तीसरे स्थान पर है।

अनीसीमोवा ने चीन ओपन का खिताब अपने नाम किया

बीजिंग: अमेरिका की अमांडा अनीसीमोवा ने रविवार को चीन ओपन के फाइनल में लिंडा नोस्कोवा को 6-0, 2-6, 6-2 से शिकस्त देकर इस हार्ड कोर्ट इंडोर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया है। सेमीफाइनल में हमवतन कोको गॉफ को शिकस्त देने वाली अनीसीमोवा ने शानदार बैकहैंड विनर के साथ मैच खत्म किया। उनका चीन ओपन में यह पहला खिताब है।

20 वर्षीय नोस्कोवा ने तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी लेकिन एक घंटे 46 मिनट तक चले मुकाबले के आखिरी क्षणों में उन पर थकान हावी हो गई। इस वजह से तीसरा सेट में एकतरफा नजर आने लगा। अनीसीमोवा इस साल यूएस ओपन और विंबलडन दोनों की उपविजेता रही हैं और अब वह विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। यह इस सत्र में उनका दूसरा डब्ल्यूटीए 1000 खिताब है।

नोस्कोवा 2009 में डब्ल्यूटीए 1000 प्रारूप की शुरुआत के बाद से फाइनल में पहुंचने वाली चेक गणराज्य की सबसे युवा खिलाड़ी है।

जिलेइडे ने स्वर्ण और फातमा ने रजत पदक

- विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन ऑयल विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप- 2025 में ब्राजील की जिलेइडे कैसियानो दा सिल्वा ने रविवार को स्वर्ण, तुर्किये की फातमा दामला अल्टिन ने रजत पदक व पोलैंड की कैरोलिना कुचार्जिक-उरबांस्का ने महिला लंबी कूद टी20 स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में हुई प्रतियोगिता में जिलेइडे व फातमा दामला अल्टिन ने गति, लय और उड़ान के साथ 5.88 मीटर और 5.72 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण व रजत पदक जीता।

2024 में भाग न लेने के बाद विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में वापसी कर रही दिग्गज कैरोलिना कुचार्जिक-उरबांस्का का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5.55 मीटर रहा। 2011 में पदार्पण के बाद से, करोलिना कुचार्जिक-उरबांस्का की किसी वैश्विक प्रतियोगिता में यह केवल तीसरी हार थी। उन्होंने चार विश्व चैंपियनशिप और तीन पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीते हैं। हालांकि उन्होंने कई बार 6 मीटर की छलांग लगाई है, लेकिन टखने की चोट के कारण उन्हें कांस्य पदक के लिए इस सीजन की सर्वश्रेष्ठ छलांग से ही संतोष करना पड़ा। करोलिना कुचार्जिक-उरबांस्का ने कहा कि कांस्य पदक उन्हें स्वर्ण पदक जैसा लगा क्योंकि वह अपने टखने की चोट से जूझ रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें यह पसंद आया कि कैसे उन्होंने अपरिचित गर्मी और उमस में प्रतिस्पर्धा करने के बावजूद पोडियम पर बने रहने के लिए अंत तक संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि आज मुझे बहुत मज़ा आया। मैंने पोडियम पर पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की। शॉट पुट सर्कल से, नीदरलैंड की लारा बार्स ने महिलाओं के एफ40 वर्ग में लोहे की गेंद को 9.77 मीटर से ऊपर फेंककर एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। 9 मीटर के निशान को पार करने वाली एकमात्र प्रतियोगी, 28 वर्षीय लारा ने अपना ही विश्व रिकॉर्ड दो बार फिर से बनाया, इस प्रकार नई दिल्ली 2025 में 30वां विश्व रिकॉर्ड बनाया। इस बीच, रविवार सुबह, अपील जूरी ने पहले के एक फैसले को पलट दिया और ब्राजीलियाई खिलाड़ी के चार अंक बहाल कर दिए। पॉलिनो डॉस सैंटोस थियागो ने पुरुषों की शॉट पुट एफ57 स्पर्धा के फाइनल में 14.82 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीता और भारत के सोमन राणा को कांस्य पदक मिला तथा फिनलैंड के तीजो कोप्पिका को पोडियम से बाहर कर दिया। भारत के पदकों की संख्या 18 बनी हुई है, लेकिन अब उसके पास प्रत्येक रंग के छह पदक हैं और वह तालिका में सातवें स्थान पर है। भारत की आगे बढ़ने की उम्मीदें स्प्रिंटर सिमरन शर्मा के कंधों पर टिकी हैं, क्योंकि वह महिलाओं की 200 मीटर टी12 स्पर्धा के फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जहां उनका मुकाबला क्लारा बैरोस दा सिल्वा (ब्राजील) और वेनेजुएला की एलेजांद्रा पाओला पेरेज लोपेज से होगा।

भारत की सिमरन (दाईं ओर) नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं की 200 मीटर फाइनल स्पर्धा में तीसरे स्थान पर रहने के बाद अपने गाइड सैफी उमर के साथ जश्न मनाती हुई। एजेंसी

ईरानी कप | यश ढुल की मेहनतकश 92 रनों की पारी के बावजूद शेष भारत की टीम खिताबी मुकाबले में 93 रनों से पराजित

हर्ष और यश की शानदार गेंदबाजी से विदर्भ बना चैंपियन

नागपुर, एजेंसी

यश ढुल की 92 रन की शानदार पारी के बावजूद शेष भारत की टीम को ईरानी कप फाइनल में विदर्भ से रविवार को यहां मैच के पांचवें दिन 93 रन की हार का सामना करना पड़ा। बायें हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे (73 रन पर चार विकेट) और तेज गेंदबाज यश ठाकुर (47 रन पर दो विकेट) की अगुवाई में विदर्भ के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत के लिए 361 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही शेष भारत की पारी को दिन के दूसरे सत्र में 267 रन पर समेट दिया। दुबे और ठाकुर दोनों ने इस मैच में छह-छह विकेट चटकाकर विदर्भ को तीसरी बार ईरानी कप का चैंपियन बनाया।

शेष भारत ने मैच के आखिरी दिन दो विकेट पर 30 रन से आगे खेलते हुए 133 रन तक छह विकेट गंवा दिये। ढुल ने इसके बाद मानव सुथार (56) के साथ 104 रन की साझेदारी कर टीम की उम्मीदें जगा दी। ठाकुर ने हालांकि ढुल को पवेलियन की राह दिखाकर मैच में विदर्भ का पूरी तरह से दबदबा कायम कर दिया। ढुल के आक्रामक शॉट पर डीप थर्ड मैन की दिशा में अथर्व तायडे ने शानदार कैच लपका। ठाकुर ने इसके बाद ढुल को बाहर जाने का इशारा किया, जिससे दोनों खिलाड़ियों के बीच मैदान में तनातनी देखने को मिली। दोनों अंपायर और विदर्भ के क्षेत्ररक्षकों ने बीच में आकर स्थिति को शांत करने की कोशिश की। ठाकुर ने अगली ही गेंद पर आकाशदीप को बोल्ड किया और फिर पिछले साल रणजी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दुबे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मैच खत्म किया। शेष भारत के कप्तान रजत पाटीदार ने कहा कि विदर्भ की टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया और वे जीत के हकदार थे। हमने परिस्थितियों का बेहतर आकलन नहीं किया। हम अगर ऐसा कर पाते तो उनके स्कोर के करीब पहुंच सकते थे। तायडे को पहली पारी में 143 रन बनाने और ढुल का शानदार कैच लपकने के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने कहा कि मेरे लिए पिछले कुछ सत्र अच्छे नहीं थे। लेकिन इस सत्र मैंने बहुत अच्छी तैयारी की। मैं अपनी टीम के लिए प्रभाव डालना चाहता था और ईरानी कप के साथ सत्र की शुरुआत इससे बेहतर हो नहीं सकती थी। इस मैच से भारतीय गेंदबाज आकाश दीप अपनी फिटनेस साबित करने में सफल रहे। आकाश दीप इंग्लैंड दौरे पर ओवल टेस्ट के दौरान चोटिल हो गये थे। उन्होंने कंधे की चोट से उबरते हुए इस मैच में 29 ओवर गेंदबाजी (पहली पारी में 19 और दूसरी पारी में 10) में तीन विकेट लिये। बल्लेबाजी में अभिमन्यु ईश्वरन बड़े मैचों में लचर प्रदर्शन के तमगे को पीछे छोड़ने में फिर से नाकाम रहे।

उन्होंने पहली पारी में अर्धशतक लगाया, लेकिन दूसरी पारी में 17 रन बनाकर आउट हो गये। वह दोनों पारियों में बायें हाथ के स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करते दिखे और दोनों बार एक ही तरह से बैकफुट पर पगबाधा आउट हुए। वह पहली पारी में पार्थ रेखड़े और दूसरी पारी में हर्ष दुबे की गेंद पर पवेलियन लौटे।

फाइनल में भारत को 93रनों से हराकर ईरानी कप जीतने की खुशी मनाते विदर्भ टीम के खिलाड़ी। एजेंसी

चेकमेट प्रतियोगिता में अमेरिका ने भारत को 5-0 से हराया

नई दिल्ली: हिकारू नाकामूरा ने विश्व चैंपियन डी गुकेश को हरा दिया। अमेरिका के एलिंगटन में चल रही पहली चेकमेट प्रतियोगिता में मेजबान देश अमेरिका ने भारत को 5-0 से हरा दिया। मैच के दौरान कई तनावपूर्ण मौके आए और दोनों टीम के खिलाड़ियों ने जीत के मौके बनाए लेकिन अमेरिका ने मौकों का फायदा उठाते हुए महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी को फाबियानो करुआना के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी जबकि ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख को अंतरराष्ट्रीय मास्टर कारिसा यिप ने हराकर उलटफेर किया। अंतरराष्ट्रीय मास्टर लेवी रोजमैन ने इसके बाद सागर शाह को हराया जबकि ईथेन वैज को अंतरराष्ट्रीय मास्टर टेनी एडेवुमी के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा।